RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो



कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने, मणिनगर, अहमदाबाद गुजरात-380008 राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

वर्ष :16 । अंक: 45 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 11 अक्टूबर 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

## कैंचीधाम में जाम से मिलेगी राहत, सुबह 4 बजे खुलेंगे मंदिर के कपाट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नैनीताल।** बाबा नीब करौरी महाराज के विश्वप्रसिद्ध कैंचीधाम मंदिर और आसपास के पहाड़ी मार्गों पर लगने वाले भीषण जाम से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को राहत दिलाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा ने पुलिस, परिवहन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। पिछले सप्ताह कैंचीधाम में लगे भारी जाम पर नाराजगी जताते हुए मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बननी चाहिए। बैठक में मंदिर की दर्शन व्यवस्था से लेकर सड़क चौड़ीकरण, नई पार्किंग और वैकल्पिक मार्ग विकसित करने तक कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

# पति ने मना किया तो पांच दोस्तों के साथ रेप और मर्डर की धमकी दी

# अहमदाबाद के चांदखेड़ा में शादीशुदा ज़िंदगी और हवस के प्यासे ससुराल वालों ने हद पार कर दी




महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

**अहमदाबाद।** मेगा सिटी अहमदाबाद में परिवार और पवित्र रिश्तों को कलंकित करने वाली एक बहुत ही शर्मनाक और चौंकाने वाली घटना चांदखेड़ा इलाके से सामने आई है। शादी के पवित्र बंधन को कलंकित करने वाले अपने पति, ससुर और ससुराल वालों की टॉर्चर से तंग आकर 37 साल की शादीशुदा महिला ने चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिससे खाकी हलकों में भूचाल आ गया है। नशे में धुत होकर पत्नी के साथ अमानवीय हरकतें करने वाले और हवस की सारी हदें पार करने वाले परिवार ने टॉर्चर की हद पार कर दी है।

## पति ने गोवा ट्रिप के दौरान 'वाइफ स्वैपिंग' का भयानक तोहफ़ा मांगा!

### गोवा ट्रिप के दौरान वाइफ स्वैपिंग की क्रूर मांग

पीड़िता द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, उसका पति उसे गोवा ट्रिप पर ले गया था। इस ट्रिप के दौरान पति ने अपनी बिगड़ी हुई मानसिकता दिखाते हुए 'वाइफ स्वैपिंग' (पत्नियों की अदला-बदली करके संबंध बनाना) की बहुत ही शर्मनाक मांग रख दी। जब पत्नी ने साफ शब्दों में इस घिनौने काम का विरोध किया और मना कर दिया, तो पति का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने अपनी पत्नी के साथ मारपीट की और धमकी दी कि अगर उसने उसकी बात नहीं मानी, तो वह अपने पांच दोस्तों को उसके घर भेजकर उसका गैंगरेप करवाकर उसे खत्म कर देगा।

### मुश्किल समय में ससुर की गलत मांग

इस मामले में न सिर्फ पति बल्कि ससुर का चरित्र भी उतना ही खराब सामने आया है। शिकायत के मुताबिक, पहले पति एक एक्सीडेंट की वजह से बिस्तर पर आ गए थे और परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। इस मुश्किल समय में जब बहू मदद या सहारे के लिए अपने ससुर के पास गई, तो ससुर ने अपनी शर्म और शर्म को किनारे रखते हुए उससे शारीरिक संबंध बनाने की गलत मांग रख दी। यह इस बात का जीता-जागता सबूत है कि जब घर का मुखिया और खुद पति ही भक्षक बन जाए तो एक कमज़ोर औरत पर क्या बीतती है। महिला ने पुलिस के सामने बताया है कि शादीशुदा ज़िंदगी की शुरुआत से ही उसके ससुराल वाले बार-बार दहेज में पैसे मांगते थे। पति शराब के नशे में रोज़ मारपीट करता था और ज़बरदस्ती कुदरत के खिलाफ काम करता था। इतना ही नहीं, घर खरीदने के बहाने पत्नी के सारे गहने भी बेच दिए और मार डाला।

### चांदखेड़ा पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

रोज़-रोज़ के इस अत्याचार और जान से मारने की धमकियों से परेशान होकर आखिरकार शादीशुदा महिला ने हिम्मत करके चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन का दरवाज़ा खटखटाया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पति, ससुर और ससुराल वालों के खिलाफ केस दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की है। इस दिल दहला देने वाली घटना ने अहमदाबाद के सभ्य समाज की नंगी सच्चाई सामने ला दी है। गुजरात की आवाज़: आज के मॉडर्न ज़माने में भी, ऐसे क्रूर सोच वाले लोग जो अपनी पत्नियों को दुख की चीज़ समझते हैं, उन्हें कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए, ताकि कोई बेटी या पत्नी फिर से ऐसी नर्क जैसी ज़िंदगी जीने को मजबूर न हो।

## 8 दिन में 409 करोड़ पार, 'दृश्यम 3' बनी अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी हिट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यमः द कॉन्क्लूजन' यानी 'दृश्यम 3' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। 2 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने महज आठ दिनों में दुनियाभर में 409.43 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। इस प्रदर्शन के साथ यह अजय देवगन के करीब 35 साल के फिल्मी करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड उनकी 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'सिंघम अगेन' के नाम था, जिसने दुनियाभर में कुल 389 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। 'दृश्यम 3' ने रिलीज के पहले दिन ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की। फिल्म ने भारत में 15,759 शोज के साथ पहले दिन 66.75 करोड़ रुपए की नेट कमाई की। इसके बाद भी फिल्म की कमाई का सिलसिला जारी रहा। रिलीज के आठवें दिन यानी शुक्रवार को फिल्म ने 24.86 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इसके साथ ही इसका वर्ल्डवाइड कारोबार 409.43 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। फिल्म की कमाई को देखते हुए वीकेंड पर इसके कलेक्शन में और बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। आठ दिनों के भीतर ही यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।



## चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में केंद्र पर निशाना, बोले- तमिल भाषा और इतिहास पर हमला; युवाओं की आवाज दबाने की कोशिश

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**चेन्नई।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को चेन्नई में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश करने वालों से डरने की जरूरत नहीं है। आइलैंड ग्राउंड्स में करीब 30 मिनट के कार्यक्रम के दौरान राहुल ने शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी, भाषा, युवाओं के अधिकार और कथित वोट चोरी जैसे मुद्दे उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु पर हिंदी थोप रही है और तमिल भाषा, संस्कृति तथा इतिहास पर हमला किया जा रहा है। राहुल ने छात्रों से सवाल पूछने और अपनी आवाज बुलंद करने का आह्वान भी किया।राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जिज्ञासा की बुनियाद को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव और वोट चोरी किए जा रहे हैं। दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए राहुल ने दावा किया कि शहर बंद है, पुलिस बच्चों को पीट रही है और इंटरनेट बंद कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग सड़कों पर घूमकर बच्चों को पीट रहे हैं। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री को समझना चाहिए कि उनका खेल अब खत्म हो गया है। उनके मुताबिक, पिछले 15 साल से चला आ रहा यह दौर अब समाप्त होने वाला है और सरकार को अपने कामों का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। ाहुल ने कहा कि तमिल संस्कृति, भाषा और इतिहास का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के लिए तमिल संस्कृति और इतिहास प्राथमिकता में नहीं हैं। उन्होंने पेरियार का उल्लेख करते हुए कहा कि वे महान व्यक्ति थे, क्योंकि सवाल पूछते थे। पेरियार ने छात्रों को सिखाया कि किसी भी विचार को बिना समझे स्वीकार नहीं करना चाहिए। राहुल ने नई शिक्षा नीति और शिक्षा व्यवस्था के केंद्रीकरण पर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु के स्कूलों के लिए 3,300 करोड़ रुपये का बजट कम किया जा रहा है और एमबीबीएस की 87 प्रतिशत सीटें कम की जा रही हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 70 प्रतिशत विश्वविद्यालयों में कुलपति नहीं हैं और वहां आरएसएस से जुड़े राज्यपालों का प्रभाव है। राहुल ने परिसीमन के मुद्दे पर भी चिंता जताते हुए कहा कि इससे संसद में तमिलनाडु की आवाज दबाने की कोशिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि वे तमिल इतिहास को नष्ट नहीं होने देंगे। कार्यक्रम में छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था और अवसरों से जुड़ी समस्याएं भी उठाईं। एक युवक ने कहा कि वह नई शिक्षा नीति और दो भाषा की नीति को लेकर चिंतित है। उसने बताया कि कठिनाइयों के बावजूद उसने पढ़ाई की और अंग्रेजी में स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की, लेकिन आज भी उसे अनुवाद की जरूरत पड़ती है। उसने शिक्षा के निजीकरण पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों से पढ़कर आगे बढ़ने वाले उसके जैसे कई युवाओं को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते।

## पीथमपुर की स्क्रैप फैक्ट्री में भीषण आग, आसपास की कंपनियां भी चपेट में

महानगर मेट्रो ब्यूर

**पीथमपुर।** औद्योगिक नगर पीथमपुर के सेक्टर-3 स्थित अल्पा इंडस्ट्रीज के स्क्रैप गोदाम में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। शुरुआती जानकारी के अनुसार, गोदाम से उठी आग आसपास की कंपनियों तक फैल गई और कई औद्योगिक इकाइयां इसकी चपेट में आ गईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए पीथमपुर थाना प्रभारी सुनील शर्मा के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे कंपनी में आग लगने की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जानकारी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका जताई गई है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। आग तेजी से फैलने के कारण आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में भी सतर्कता बढ़ा दी गई। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने अतिरिक्त वाहन मौके पर बुलाए। शुरुआत में दो दमकल गाड़ियां पहुंची थीं, लेकिन आग फैलने के बाद महू और आसपास की निजी औद्योगिक कंपनियों के दमकल वाहनों को भी लगाया गया। मौके पर कुल सात दमकल वाहन आग बुझाने में जुटे रहे। दमकलकर्मियों ने आग को आसपास की अन्य इकाइयों में फैलने से रोकने और प्रभावित क्षेत्र में स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से घटनास्थल के आसपास की सड़क को सील कर दिया, ताकि आग बुझाने के काम में बाधा न आए और लोगों की आवाजाही से कोई जोखिम पैदा न हो। पीथमपुर क्षेत्र के तीनों थानों के थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। पुलिसकर्मियों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर सुरक्षा व्यवस्था संभाली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।



## विराट कोहली पर प्रेमानंद महाराज के आश्रम में 5 करोड़ रुपए लेने का आरोप लगाने से जुड़ा विवाद, संतों की बैठक के बाद बदला रुख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मथुरा।** विराट कोहली और प्रेमानंद महाराज को लेकर दिए गए बयान के बाद विवाद में घिरे फलाहारी बाबा ने माफी मांग ली है। मथुरा के संतों की बैठक में बाबा के बहिष्कार की योजना बनाए जाने के अगले दिन, 8 अक्टूबर को उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए प्रेमानंद महाराज से माफी मांगी। बाबा ने कहा कि उन्होंने आज तक प्रेमानंद महाराज के लिए कोई अपशब्द नहीं कहा है और वे पूज्य महाराज जी से क्षमा मांगते हैं। दरअसल, 7 अक्टूबर को विराट कोहली के प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाने को लेकर 5 करोड़ रुपए लेने के आरोपों पर विवाद सामने आया था। कोहली के प्रवक्ता ने बयान जारी कर इन आरोपों को झूठा, निराधार और तथ्यहीन बताया। प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि कोहली आश्रम में केवल श्रद्धा और सम्मान के कारण दर्शन करने जाते हैं। इस बयान के बाद मथुरा के संतों ने बैठक की। बैठक में फलाहारी बाबा के बहिष्कार की योजना बनाई गई। संतों की नाराजगी के बीच अगले दिन बाबा ने माफी मांगते हुए कहा, 'मैंने आज तक प्रेमानंद महाराज के लिए एक शब्द नहीं बोला। मैं पूज्य महाराज जी से माफी मांगता हूं। 'इस घटनाक्रम के बाद प्रेमानंद महाराज और विराट कोहली को लेकर शुरू हुआ विवाद संत समाज तक पहुंच गया।



## योगी ने अखिलेश की चुनौती स्वीकार की, बोले- अयोध्या से लड़िए चुनाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**बलरामपुर।** उत्तर प्रदेश की राजनीति में अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को बलरामपुर में अखिलेश की चुनौती स्वीकार करते हुए कहा कि वे अयोध्या से चुनाव लड़ें, वह भी वहां से चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। योगी ने कहा कि लड़ाई चेलों से क्यों हो, आमने-सामने होनी चाहिए। वहीं, योगी के बयान के करीब एक घंटे बाद अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बिना नाम लिए पलटवार किया। उन्होंने लिखा कि चढ़ावा चोरों को हराने के लिए उनका एक युवा 'पीडीए प्रहरी' ही काफी है। योगी ने कहा, 'अरे अखिलेश जी, अयोध्या से आप भी लड़िए, हम भी लड़ते हैं। आप भी नामांकन करिए, मैं भी करता हूं। चलिए, एक बार किस्मत आजमा लेते हैं। लड़ाई चेलों से क्यों, आमने-सामने होनी चाहिए। एक बार आमना-सामना हो ही जाए।' इससे पहले योगी ने सपा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे अभी से बौखला गए हैं। उन्होंने सपा पर माफिया का समर्थन करने का आरोप लगाया और कहा कि जनता पहले भी उनकी छुट्टी कर चुकी है। ोगी की चुनौती पर अखिलेश ने एक्स पर लिखा, 'चढ़ावा चोरों को हराने के लिए हमारा एक युवा 'पीडीए प्रहरी' ही काफी है। चोरों को क्लीन चिट देने वाले हिस्सेदार होते हैं। इस बार जनता घमंड का सारा पानी उतार देगी। लोकसभा भूल गए क्या?' दरअसल, अखिलेश ने गुरुवार, 8 अक्टूबर को मुख्यमंत्री योगी को चुनौती देते हुए कहा था कि बड़े-बड़े दावे करने वाले मुख्यमंत्री को खुद अयोध्या से चुनाव लड़कर दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि इस बार अयोध्या ही नहीं, पूरे देश की जनता धर्म और धन चुराने वालों को बख्शेगी नहीं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अयोध्या उनका पावन धाम है और वह वहां चुनाव लड़ने के लिए नहीं, बल्कि विकास कार्यों की निगरानी के लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या के विकास में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए और प्रदेश की पहचान पर किसी प्रकार का कलंक नहीं लगना चाहिए। योगी ने दावा किया कि सपा सरकार के समय अयोध्या में तीन-चार घंटे ही बिजली मिलती थी और विकास कार्यों में बाधाएं खड़ी की जाती थीं। उनके मुताबिक, अब अयोध्या रामराज्य के नए उदाहरण के रूप में त्रेतायुग की याद दिला रही है योगी ने आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए की 80 प्रतिशत सीटों पर जीत का दावा भी किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अधिकतम 20 प्रतिशत सीटें ही मिलेंगी। सपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने राज्यसभा की सीटों को लेकर भी आरोप लगाए।

## बच्चों को स्कूल छोड़कर लौट रहे उपेंद्र सिंह को बाइक सवार तीन बदमाशों ने घेरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिहार के आरा में शनिवार सुबह बदमाशों ने एक हार्डवेयर दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान उपेंद्र सिंह (36) के रूप में हुई है। वह अपने बच्चों को स्कूल छोड़कर वापस लौट रहे थे, तभी नवादा थाना क्षेत्र के बिहारी मिल ओवरब्रिज के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और नजदीक से सिर में गोली मार दी। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उपेंद्र को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सदर एसडीपीओ-वन सुशील कुमार और थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत भी सदर अस्पताल पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। पुलिस के मुताबिक हत्या के पीछे जमीन विवाद या रुपये के लेनदेन का मामला हो सकता है। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस इन दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। उपेंद्र की मां पांचो देवी ने बताया कि परिवार का अपने पटीदार और भतीजे के साथ दस कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। उनके अनुसार, विवाद के दौरान कई बार धमकियां भी दी गई थीं। पांचो देवी ने एक अन्य व्यक्ति पर दुकान से करीब 50 हजार रुपये का सामान लेने और भुगतान नहीं करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने बताया कि चांदी थाना क्षेत्र के जोकटा गांव निवासी अजय नामक व्यक्ति ने दुकान से सामान लिया था। बकाया रकम मांगने पर वह टालमटोल कर रहा था। पुलिस इन जानकारियों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल हत्या के पीछे की असली वजह स्पष्ट नहीं हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, तीन बदमाश बाइक पर सवार होकर पहुंचे थे। उन्होंने उपेंद्र को सामने से घेर लिया और फायरिंग शुरू कर दी। गोली सिर में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद तीनों हमलावर फरार हो गए। उपेंद्र बहीरो में हार्डवेयर की दुकान चलाते थे।




## बोले- सिर्फ अगरकर नहीं, पूरी चयन समिति थी खिलाफ; मार्च 2025 में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मैच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम इंडिया में वापसी को मुश्किल बताया है। उन्होंने कहा कि शमी को टीम में नहीं चुने जाने के पीछे केवल चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर नहीं थे, बल्कि सभी चयनकर्ताओं की इस मामले में एक जैसी राय थी। चोपड़ा ने शनिवार को अपने यूट्यूब चैनल पर वनडे क्रिकेट में शमी की संभावित वापसी को लेकर चर्चा करते हुए यह बात कही। दरअसल, न्यूजीलैंड दौरे के लिए 36 वर्षीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को टीम में जगह मिलने के बाद शमी की वापसी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसी मुद्दे पर आकाश चोपड़ा ने कहा कि अगर भुवनेश्वर की टीम में वापसी हो सकती है, तो शमी के चयन को लेकर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।



## सुसाइड नोट में पति और सास-ससुर पर प्रताड़ना के आरोप, भाई की शिकायत पर तीनों के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अलवर।** राजस्थान के अलवर में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां सात महीने की गर्भवती महिला ने डबल डेकर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान जनता कॉलोनी निवासी अंतिमा (28), पुत्री रामनरेश के रूप में हुई है। घटना अरावली थाना क्षेत्र के शांतिकुंज इलाके की बताई जा रही है। आत्महत्या से कुछ मिनट पहले अंतिमा ने अपने पति से फोन पर बात भी की थी। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में उसने पति और सास-ससुर पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। नोट में आरोपियों को फांसी देने की मांग किए जाने की बात भी सामने आई है। अरावली विहार थाना पुलिस के अनुसार, अंतिमा ने शांतिकुंज क्षेत्र में ट्रेन के आगे छलांग लगाई थी। घटना की जानकारी ट्रेन के गार्ड ने जीआरपी पुलिस चौकी को दी, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जानकारी जुटाई। परिजनों के मुताबिक, अंतिमा शुक्रवार रात करीब आठ बजे स्कूटी लेकर घर से निकली थी। इसके बाद उसने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। आत्महत्या से पहले पति से हुई बातचीत को लेकर भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। अंतिमा की शादी करीब तीन साल पहले भरतपुर के गोविंद नगर निवासी सौम्य राजपूत (35) से हुई थी। सौम्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सकरपुर, भरतपुर में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत है। मृतका के भाई जसविंदर ने आरोप लगाया कि शादी के समय ससुराल पक्ष को 31 लाख रुपये नकद, ग्रैंड विटारा कार और सोने-चांदी के आभूषण दिए गए थे। इसके बावजूद अंतिमा को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था।



## डभोई के सथोड़ के पास एक काली कार ने युवक की जान ले ली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**डभोई।** तालुका के सथोड़ गांव के पास एक अनजान कार और पूरी स्पीड से आ रही मोटरसाइकिल के बीच हुए एक बहुत ही दुखद और भयानक हादसे में तीस साल के बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में बहुत दुख और गुस्से का माहौल है। मिली जानकारी के मुताबिक, डभोई तालुका के सिंधियापुरा गांव का रहने वाला साजिद हुसैन धीरूभाई सिंधी नाम का तीस साल का युवक अपनी मोटरसाइकिल पर डभोई से सेगवा जा रहा था। इसी दौरान सथोड़ गांव के पास से गुजरते समय सामने से तेज और लापरवाही से आ रही एक अनजान कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़ोरदार और डरावनी थी कि साजिद हुसैन सड़क पर गिर गया और उसके सिर और शरीर के ज़रूरी हिस्सों में गंभीर और जानलेवा चोटें आईं। जिस समय यह हादसा हुआ, उसी समय डभोई के उमा हॉस्पिटल के डॉक्टर अपनी एम्बुलेंस लेकर करनाली में लगने वाले एक स्पेशल हेल्थ कैंप में जाने के लिए निकले थे। जैसे ही उन्होंने सड़क पर खून से लथपथ हालत में पड़े युवक को देखा, डॉक्टरों ने तुरंत इंसानियत दिखाई और तुरंत अपनी एम्बुलेंस रोक दी। बिना एक पल की देरी किए, उन्होंने गंभीर रूप से घायल साजिद को अपनी एम्बुलेंस में बिठाया और तुरंत इलाज के लिए डभोई ले गए।



## BJP महिला मोर्चा ने प्रदेश कांग्रेस ऑफिस पर सोचने पर मजबूर करने वाला और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** कांग्रेस भवन के बाहर पुलिस की कड़ी बैरिकेडिंगः 600 से ज़्यादा पुलिस वाले तैनात, माहौल तनावपूर्ण।आज अहमदाबाद में प्रदेश कांग्रेस ऑफिस पर पुलिस की भारी भीड़ और ज़बरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। कांग्रेस MP और JNU प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल पर छात्राओं द्वारा सेक्सुअल हैरेसमेंट के बेहद गंभीर और शर्मनाक आरोप सामने आने के बाद, गुजरात BJP महिला मोर्चा ने इस मुद्दे पर प्रदेश कांग्रेस ऑफिस के बाहर जानलेवा और जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर, BJP महिला मोर्चा की नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काले झंडे और बैनर लेकर कांग्रेस ऑफिस की ओर मार्च किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान, BJP गुजरात की दर्शना पटेल, दर्शना वाघेला, डॉ. पायल कुकरानी और कंचनबेन राडाडिया समेत बड़ी महिला नेताओं की लीडरशिप में महिला नेताओं ने कांग्रेस लीडरशिप और MPs पर तीखा हमला किया। महिला मोर्चा ने कड़े शब्दों में सवाल उठाया कि महिला सम्मान की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली कांग्रेस पार्टी अपने ही MP पर लगे इतने गंभीर आरोपों पर चुप क्यों है? BJP महिला मोर्चा के इस उग्र विरोध कार्यक्रम की पहले से जानकारी मिलते ही अहमदाबाद पुलिस सिस्टम हरकत में आ गया। किसी भी अनहोनी को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य कांग्रेस ऑफिस के चारों तरफ मजबूत बैरिकेड्स लगा दिए गए थे।



## माता-पिता के झगड़े में मासूम बेटे को 'मोहरा' नहीं बनाया जा सकताः गुजरात हाई कोर्ट का ऐतिहासिक और डरावना फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** सुप्रीम कोर्ट ने गांधीनगर फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा का भविष्य और मेंटल हेल्थ सबसे ज़रूरी है गुजरात हाई कोर्ट ने उन लोगों के लिए एक बहुत ही अहम, आंखें खोलने वाला और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है जो शादी के झगड़ों और पति-पत्नी के बीच कड़वी कानूनी लड़ाइयों में मासूम बच्चों का गलत तरीके से इस्तेमाल करते हैं। हाई कोर्ट ने बहुत ही शानदार बात कही है और साफ कहा है कि पति-पत्नी के बीच शादी के झगड़े में, अपने ही मासूम बच्चे को कभी भी मां के खिलाफ एडल्टरी (गलत संबंध) जैसे गंभीर आरोप साबित करने के लिए टूल या 'मोहरा' के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इस विवादित और सेंसिटिव मामले की डिटेल्स यह हैं कि गांधीनगर फैमिली कोर्ट में एक पति-पत्नी के बीच शादी के झगड़े का मामला पेंडिंग था। इस कानूनी लड़ाई के दौरान, पति ने अपनी पत्नी पर एडल्टरी के गंभीर आरोप लगाए थे। कोर्ट में अपने आरोप साबित करने के लिए पिता ने सारी हदें पार कर दीं और फैमिली कोर्ट में अर्जी देकर मांग की कि उसके अपने 16 साल के नाबालिग बेटे को गवाह बनाकर पूछताछ की जाए।हालांकि, गांधीनगर फैमिली कोर्ट ने इस मामले में बहुत ही सेंसिटिव और गंभीर रुख अपनाते हुए पति की अर्जी को साफ तौर पर खारिज कर दिया। फैमिली कोर्ट ने बहुत तीखी टिप्पणी की थी कि माता-पिता के झगड़े में 16 साल के नाबालिग बच्चे को कोर्ट के विटनेस बॉक्स में लाने से उसकी मेंटल हेल्थ, पर्सनल लाइफ और पढ़ाई-लिखाई के भविष्य पर हमेशा के लिए गंभीर बुरे असर पड़ सकते हैं। फैमिली कोर्ट के इस आदेश से नाखुश पति ने गांधीनगर कोर्ट के फैसले को गुजरात हाई कोर्ट में चुनौती दी। हालांकि, हाई कोर्ट ने भी पति की अर्जी को कड़े शब्दों में खारिज कर दिया, और फैमिली कोर्ट के आदेश को साफ और पूरी तरह से सही ठहराया। हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि पावर की लड़ाई और पर्सनल झगड़ों में बच्चों का हित और उनकी इज्ज़त सबसे ऊपर होती है। माता-पिता अपने स्वार्थ या आरोपों को साबित करने के लिए अपने बच्चे को कोर्ट में धकेलकर उसकी मानसिक स्थिति से नहीं खेल सकते।

## सुबह-सुबह डभोई-तरसाना चौराहे पर रेत से लदा डंपर ट्रक पलटाः दो घायल, ब्लैकआउट से स्थानीय लोगों में गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**डभोई।** आज सुबह-सुबह डभोई के पास बहुत व्यस्त और संवेदनशील तरसाना चौराहे पर एक भयानक और खौफनाक हादसा हुआ। डभोई से पूरी स्पीड में आ रहा रेत से लदा ट्रक अचानक बेकाबू होकर सड़क पर पलट गया। हादसा इतना बड़ा था कि सड़क पर घंटों तक अफरा-तफरी और डर का माहौल रहा। हादसे में ट्रक में सवार दो लोगों को चोटें आईं। अच्छी बात यह रही कि सुबह का समय था और सड़क पर ट्रैफिक कम था, इसलिए कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई, लेकिन एक बड़ा हादसा टल गया। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रशासन की लापरवाही और घना अंधेरा हादसे का मुख्य कारण है। तरसाना चौराहा सिर्फ एक स्थानीय सड़क नहीं है, बल्कि एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्टेट हाईवे का अहम पॉइंट है, जहां से हर दिन हजारों छोटी-बड़ी गाड़ियां गुजरती हैं। इतना ज़रूरी चौराहा होने के बावजूद, रात में यहाँ रोशनी और सुरक्षा का कोई सही इंतज़ाम नहीं है। पहले प्रशासन ने लाखों की लागत से सोलर हाईमास्ट और सोलर लाइटें लगवाई थीं, लेकिन सरकारी देखभाल और देखरेख के अभाव में ये सभी सोलर लाइटें लंबे समय से सजावट की चीज़ों की तरह पूरी तरह बंद पड़ी हैं।



# वडताल में खेड़ा-नडियाद LCB की रेड

# पुलिस को देखते ही गिद्ध की तरह तेज़ी से भागा बूटलेगरः गरनाला के पास छिपाई गई शराब लॉकडाउन जैसी रेड में ज़ब्त की गई

## पुलिस को देखकर आरोपी बूटलेगर फरार, तलाश जारी

## वडताल में बाजरे के खेत से 72 हजार की विदेशी शराब जब्त

## बाजरे के खेत से 72 हज़ार से ज़्यादा की विदेशी शराब ज़ब्त की गई




महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

**वडताल / नडियाद।** खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच ने खेड़ा ज़िले के वडताल के धार्मिक स्थल और उसके आस-पास गैर-कानूनी विदेशी शराब का नेटवर्क चलाने वाले बूटलेगरों पर नज़र रखी हुई है। पुलिस ने रेड मारकर वडताल के पास किशोरपुरा कंस में गरनाला के पास एक बाजरे के खेत में छिपाई गई बड़ी मात्रा में विदेशी शराब ज़ब्त की है। हालांकि, जैसे ही पुलिस का काफ़िला दूर से दिखा, बदनाम बूटलेगर शैलेश उर्फ़ गिद्धो अंधेरे और खेत का फ़ायदा उठाकर मौके से भाग गया। बाजरे के खेत में 'मौत का सौदा' पकड़ा गया खास जानकारी के आधार पर, खेड़ा-नडियाद LCB पुलिस ने किशोरपुरा कांसा में गरनाला के पास एक बाजरे के खेत में अचानक सर्च ऑपरेशन किया। बूटलेगर शैलेश उर्फ ??गिद्धाडो जगदीशभाई परमार बाजरे के स्टॉल के बीच बेचने के लिए छिपाई गई अलग-अलग ब्रांड की विदेशी शराब की बोतलें और क्वार्टर मिले।

### कुल ज़ब्त की गई प्रॉपर्टीः 72,151 रुपये की विदेशी शराब

### बूटलेगर की तलाश में जुटी पुलिस

**खेड़ा-नडियाद एलसीबी ने वडताल के पास किशोरपुरा कंस में गरनाला के निकट बाजरे के खेत से 72,151 रुपए की विदेशी शराब जब्त की। कार्रवाई के दौरान आरोपी शैलेश उर्फ गिद्धाडो जगदीशभाई परमार मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है**

**मुख्य आरोपीः** शैलेश उर्फ गिद्धाडो जगदीशभाई परमार (निवासी वडताल)

**अभी की स्थितिः** आरोपी पुलिस को चकमा देकर भाग गया, तलाश जारी

पुलिस को देखकर 'गिद्धाडो' गायब शैलेश उर्फ गिद्धाडो, जो बाजरे के खेत में शराब का इंतज़ाम करके ग्राहकों का इंतज़ार कर रहा था, पुलिस की गाड़ियां आते ही अलर्ट हो गया। पुलिस टीम के खेत में पहुंचने से पहले ही गिद्धाडो पैदल ही भाग गया। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया है और उसे पकड़ने की कोशिश कर रही है। पाक्को गुजरात से सीधा सवालः

1. वडताल के पवित्र तीर्थ स्थल के आस-पास के इलाकों में इतनी बड़ी मात्रा में शराब कहाँ से और किसके आशीर्वाद से आ रही है?

2. इन बूटलेगरों के पीछे और कौन से बड़े लोग हैं जिन्होंने बाजरे के खेतों को शराब के गोदाम में बदल दिया है?

### बूटलेगरों का क्या होगा

खेड़ा-नडियाद LCB के इस सख्त ऑपरेशन से असामाजिक तत्वों और शराब व्यापारियों में भारी हलचल मच गई है। पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि जिले में कहीं भी गैर-कानूनी काम नहीं होने दिए जाएंगे।

# धोराजी-उपलेटा के MLA महेंद्र पडालिया ने मुख्यमंत्री के स्वागत में ऐसी चाल चली कि मेयर और पदाधिकारी हैरान रह गए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजकोट।** रेस कोर्स ग्राउंड में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के स्वागत के दौरान बने मज़ेदार और विवादित सीनः तालमेल की भारी कमी सामने आई राजकोट के ऐतिहासिक रेस कोर्स ग्राउंड में आयोजित 'ग्राम हाट' प्रोग्राम के दौरान एक ऐसा सीन देखने को मिला, जिसने राजनीतिक गलियारे में खूब चर्चा और उत्सुकता पैदा कर दी है। राजकोट के मेयर, नगर निगम के बड़े अधिकारियों और नेताओं के साथ, राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के स्वागत के लिए मालाओं के साथ जोश से तैयार थे, लेकिन धोराजी-उपलेटा के जोशीले और जोशीले रूक महेंद्र पडालिया की जल्दबाजी के कारण मेयर और पदाधिकारी मुख्यमंत्री के स्वागत का मौका चूक गए! पदाधिकारी देखते रह गए और महेंद्र पडालिया ने श्रद्धांजलि दी मिली जानकारी के मुताबिक, राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के राजकोट रेस कोर्स पहुंचते ही स्वागत कार्यक्रम शुरू हो गया। तय प्रोटोकॉल के मुताबिक, स्थानीय नगर निगम के मेयर और दूसरे पदाधिकारी हाथों में गुलदस्ते और मालाएं लेकर मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए आगे बढ़ने को तैयार थे।

लेकिन, धोराजी-उपलेटा के रूक महेंद्र पडालिया ने अपनी अनोखी जल्दबाजी और सक्रियता दिखाते हुए, मौके पर ही पदाधिकारियों को पीछे छोड़ दिया और जल्दी से आगे बढ़कर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को मालाएं पहनाईं और उनका भव्य सम्मान किया। रूक की इस तेज और अप्रत्याशित जल्दबाजी को देखकर, नगर निगम के मेयर और दूसरे पदाधिकारी देखते रह गए और उनके स्वागत की पूरी तैयारी कर रहे थे। कोऑर्डिनेशन की कमी से राजनीतिक हलकों में बहस छिड़ी मौके पर ये हास्यास्पद दृश्य देखकर, कार्यक्रम में मौजूद दूसरे नेताओं और कार्यकर्ताओं में भी



सुगबुगाहट शुरू हो गई। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि सार्वजनिक तौर पर सरकारी प्रोटोकॉल और कोऑर्डिनेशन की साफ कमी थी।

# सूरत उतरन पुलिस की बड़ी रेडः ऑटोरिक्शा से?2.75 लाख कीमत के 5.916 kg गांजे के साथ एक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सूरत।** शहर में नारकोटिक्स और ड्रग्स की बिक्री के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'नो ड्रग्स इन सूरत सिटी' कैंपेन के तहत उतरन पुलिस स्टेशन को बड़ी कामयाबी मिली है। उतरन पुलिस की कड़ी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर की गई स्ट्रेटेजिक कार्रवाई ने ऑटोरिक्शा की आड़ में चल रहे गांजे के गैर-कानूनी काले धंधे का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने चलते रिक्शा से लगभग 5.916 द्यद्द बैन गांजा जब्त किया है, जिसकी मार्केट वैल्यू लगभग ?2.75 लाख बताई गई है। रिक्शा ड्राइवर मंगा रानानी गिरफ्तार, मुख्य सप्लायर डाभी के खिलाफ सख्त कार्रवाई मिली जानकारी के मुताबिक, जब आदर्श पुलिस स्टाफ के लोग पेट्रोलिंग कर रहे थे, तो उन्हें सूचना मिली कि एक संदिग्ध ऑटोरिक्शा में तस्करी की जा रही है। पुलिस ने बताई गई जगह पर ट्रैप लगाया और गाड़ी की चेकिंग की और संदिग्ध रिक्शा को रोककर उसकी तलाशी ली। रिक्शा की अच्छी तरह तलाशी लेने पर उसके अंदर लगभग 5.916 द्यद्द गांजा मिला। पुलिस ने इस मामले में मंगा रानानी नाम के आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ के दौरान, ड्रग तस्करी में इस्तेमाल किया गया ऑटोरिक्शा, मोबाइल फोन और कुल ?3.46 लाख का गांजा जब्त किया गया। शुरुआती जांच में इस गांजे की सप्लाई करने वाले 'डाभी' नाम के व्यक्ति का नाम सामने आने के बाद, पुलिस ने उसे वॉन्टेड घोषित कर दिया और उसकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया शुरू कर दी। सूरत में फैले ड्रग्स नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने की पुलिस की कवायद जहां शहर का युवा वर्ग ड्रग्स के दलदल में बर्बाद हो रहा है, वहीं सूरत पुलिस



की इस रेड-आई कार्रवाई से शराब तस्करों और ड्रग माफिया में दहशत फैल गई है। फिलहाल, उतरन पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी मंगा रानाणी को रिमांड पर लेने के लिए कदम उठाए हैं और इस बात की गहराई से जांच शुरू कर दी है कि यह नशीला पदार्थ कहां से लाया गया था और सूरत में किसे सप्लाई किया जाना था। सूत्रों का कहना है कि इस रैकेट से जुड़े दूसरे बड़े लोग भी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

## प्रधानमंत्री मोदी की घबराहट और दिल्ली में बनाया गया दमन का माहौल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** घबराहट को उजागर कर दिया है। विपक्षी पार्टियों और युवाओं के बढ़ते दबाव के आगे झुकने के बजाय शासक जिस तरह से दमनकारी नीतियां अपना रहे हैं, उससे पता चलता है कि सरकार अब पूरी तरह हार चुकी है और डर के माहौल में फैसले ले रही है। सरकार के अंधाधुंध और मनमाने फैसलों के तहत, CJP के अजीत दीपक, आशुतोष रांका और सौरव दास जैसे जागरूक नागरिकों को दिल्ली में प्लेन में घुसकर गैर-कानूनी तरीके से गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई से पहले, मशहूर यूट्यूबर ध्रुव राठी को गिरफ्तार करने की भी साजिश रची गई थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, जिससे अघोषित इमरजेंसी लग गई है। जंतर-मंतर जैसे ऐतिहासिक विरोध स्थलों को पूरी तरह से सील कर दिया गया है और दिल्ली की सड़कें बंद कर दी गई हैं। सरकार शायद इस गलतफहमी में जी रही है कि ऐसे हथकंडे अपनाकर वह देश के स्टूडेंट्स, युवाओं और आम लोगों की आवाज़ को डराने और दबाने में कामयाब हो जाएगी। लेकिन यह सरकार की सबसे बड़ी और जानलेवा गलती साबित हो रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष द्वारा चलाए जा रहे ताकतवर जन आंदोलन से निपटने में अधिकारी पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं। पूरी दिल्ली को बंद करके और बैरिकेड लगाकर सरकार ने किसी भी समस्या का हल निकालने के बजाय कई और बड़ी समस्याएं खड़ी कर दी हैं। शायद हुक्मरान यह सोच रहे थे कि अलग-अलग ग्रुप और आंदोलनों को बांटने से विपक्ष की ताकत कमजोर होगी और आपस में ही टकराव होगा। लेकिन वे यह भूल गए हैं कि जब देश में कोई बड़ा जन आंदोलन खड़ा होता है, तो ऐसी बिखरी हुई कोशिशों का कोई असर नहीं होता।

# पत्रकारिता की आड़ में ब्लैकमेलिंगः खेड़ा के कठलाल तालुका के पिथाई गांव में एक व्यापारी से 40,000 रुपये की फिरौती मांगने वाले तीन गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**खेड़ा।** जिले के कठलाल तालुका के पिथाई गांव में पत्रकारिता की पवित्र आड़ में डकैतों की तरह काम कर रहे बदमाशों की तरह तोड़फोड़ और ब्लैकमेलिंग के एक बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाले मामले ने पूरे इलाके में हलचल मचा दी है। एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है कि पिथाई गांव में एक अनाज व्यापारी से झूठा वीडियो वायरल करने और उसे बदनाम करने की धमकी देकर 40,000 रुपये की फिरौती मांगी गई। इतना ही नहीं, आधिकारिक जानकारी सामने आई है कि पैसे ऐंठने के लिए व्यापारी को पीटा गया और उसके कर्मचारी को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। पत्रकार की झूठी पहचान बताकर शुरू किया ब्लैकमेलिंग का धंधा मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपियों ने पिथाई गांव में अनाज का व्यापार करने वाले एक व्यापारी के गोदाम से जुड़े मामलों को कैमरे में कैद कर लिया था और वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी थी। इस बात की खूब चर्चा है कि ये लोग लंबे समय से 'पत्रकार' होने की झूठी पहचान बताकर व्यापारियों और बेकसूर नागरिकों के




साथ तोड़फोड़ कर रहे थे। इस मामले में आरोपियों ने व्यापारी पर दबाव बढ़ाते हुए 40 हजार रुपये की फिरौती मांगी थी और विरोध करने पर व्यापारी और वहां मौजूद कर्मचारी के साथ मारपीट भी की थी।

### पुलिस के घुसते ही मुख्य आरोपी अंकित व्यास का हाई ड्रामाः पी लिया फिनाइल

जैसे ही इस पूरे मामले के पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए इस जुर्म में शामिल संजय पांडे और मधुबेन नाम के दो आरोपियों को सलाखों के पीछे डाल दिया लेकिन इस मामले का मुख्य आरोपी अंकित व्यास पुलिस की पकड़ से बचने के लिए नया ड्रामा करने लगा। पुलिस की कार्रवाई शुरू होते ही यह बात सामने आई है कि मुख्य आरोपी अंकित व्यास ने पुलिस और कानूनी सज़ा से बचने के लिए सबके सामने फिनाइल पी लिया था। फिलहाल, फिनाइल पीने के इस ड्रामे के बाद अंकित व्यास को तुरंत इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया है, जहां उसे पुलिस कस्टडी में रखा गया है।

### आरोपी अंकित व्यास का पहले भी क्रिमिनल हिस्ट्री रहा है

पुलिस सूत्रों से मिली शुरुआती जानकारी के मुताबिक, खुद को पत्रकार बताने वाला अंकित व्यास पहली बार ऐसे किसी जुर्म में शामिल नहीं हुआ है, बल्कि उसके खिलाफ पुलिस रिकॉर्ड में पहले भी एक्सटॉर्शन और चोरी के गंभीर मामले दर्ज हैं। समाज में पत्रकारिता के पवित्र पेशे को कलंकित करने वाले ऐसे तत्वों पर अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या पुलिस सच में ऐसे तोड़फोड़ करने वालों और क्रिमिनल सोच वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी या यह मामला भी ठंडा पड़ जाएगा? फिलहाल, खेड़ा पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच शुरू कर दी है और सख्त कानूनी कार्रवाई करने की योजना बना रही है।

## न्यू आर्ट ज्वैलर्स के बाहर गाड़ी खड़ी करने पर चार लोगों ने दी धमकी, 'हम गाड़ी नहीं हटाएंगे, जो करना है करो' कहकर किया जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नडियाद।** पॉश इलाके में गुंडागर्दीः व्यापारियों और कर्मचारियों पर जानलेवा हमले से व्यापार जगत में आक्रोश और हंगामा नडियाद शहर में कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाला एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शहर के हलचल भरे और व्यस्त चौकसी बाजार इलाके में मशहूर 'न्यू आर्ट ज्वैलर्स' की दुकान के बाहर चार बेशर्म और शरारती तत्वों ने जमकर उत्पात मचाया और जानलेवा हमला किया, जिससे काफी चर्चा हुई। 'हम यहां से गाड़ी नहीं हटाएंगे, जो करना है करो!' विवरण के अनुसार, नडियाद के चौकसी बाजार स्थित न्यू आर्ट ज्वैलर्स की दुकान के सामने कुछ असामाजिक तत्वों ने गैरजिम्मेदाराना तरीके से अपना वाहन पार्क किया। दुकानदारों ने वाहन को सावधानी से मोड़ने का विनम्र अनुरोध किया क्योंकि यह दुकान की आवाजाही और व्यापार में बाधा बन गया था। लेकिन अपनी ताकत और आपराधिक मानसिकता के नशे में धुत होकर चारों लोग उग्र हो गये और उल्टे व्यापारी के साथ मारपीट करते हुए आक्रामक हो गये.



## मार्ट सिटी अहमदाबाद में प्रशासन की बड़ी लापरवाही: विशाला-नारोल रोड पर खुले नाले में गिरी 10 साल की बच्ची

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** मेगा सिटी और स्मार्ट सिटी का खिताब पाने वाले अहमदाबाद शहर में स्थानीय प्रशासन की आपराधिक लापरवाही का एक और जानलेवा मामला सामने आया है। विशाला से नारोल जाने वाले मेन हाईवे पर देव फार्म जाने वाली सड़क के पास एक 10 साल की मासूम बच्ची अचानक खुले नाले में गिर गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि आसपास के लोगों की सूझबूझ से बच्ची को समय रहते बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। लेकिन इस घटना ने नगर निगम के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, विशाला-नारोल रोड पर देव फार्म के पास सड़क से गुजर रही एक 10 साल की बच्ची अचानक सड़क किनारे खुले नाले में गिर गई। नाले में गिरते ही लड़की चीख पड़ी। आस-पास के व्यापारी और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और अपनी जान जोखिम में डालकर लड़की को नाले से सही-सलामत बाहर निकाला। इस घटना के बाद, आस-पास के लोगों और गाड़ी चलाने वालों में प्रशासन के खिलाफ बहुत गुस्सा है। आस-पास के लोगों के मुताबिक इस सड़क से रोज़ाना हज़ारों गाड़ियां और पैदल चलने वाले गुज़रते हैं। यह नाला लंबे समय से खुला है और बार-बार कहने के बावजूद, प्रशासन कान में तेल डाले बैठा है। . क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे और किसी बेगुनाह की जान जाने का इंतज़ार कर रहा है? . कई बार कहने के बाद भी खुले नाले को ढका क्यों नहीं गया? 3. इस बड़ी लापरवाही को दिखाने वाले ज़िम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ़ कब सख्त कार्रवाई होगी?

## गुजरात पुलिस भर्ती में एक्स-फायरफाइटर्स के लिए ऐतिहासिक फैसला फिजिकल और लिखित परीक्षा से पूरी छूट के साथ 20% रिजर्वेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** देश की सीमाओं पर सेना में सेवा देकर लौटे युवाओं के लिए गुजरात सरकार के होम डिपार्टमेंट ने एक बहुत ही अहम और हौसला बढ़ाने वाला फैसला लिया है। ऑफिशियल गजट नोटिफिकेशन के मुताबिक, पुलिस डिपार्टमेंट की डायरेक्ट भर्ती में एक्स-फायरफाइटर्स के लिए खास रियायतें और रिजर्वेशन के नियम लागू किए गए हैं, जिससे गुजरात के युवाओं के लिए पुलिस फोर्स में शामिल होकर राज्य की सेवा करने का आसान रास्ता खुल गया है। इंडियन आर्मी से अपनी सर्विस सफलतापूर्वक पूरी करके लौटे गुजरात के असली फायरफाइटर्स के लिए पुलिस डिपार्टमेंट के भर्ती नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं। एक्स-अग्निवीरों के लिए खास नियम और खास फायदे गुजरात सरकार के होम डिपार्टमेंट के इस फैसले के मुताबिक, पुलिस डिपार्टमेंट में सभी यूनिफॉर्म वाले पदों पर सीधी भर्ती में एक्स-अग्निवीरों के लिए 20' हॉरिजॉन्टल रिज़र्वेशन का सख्त और साफ नियम बनाया गया है, ताकि उनकी सीटें पक्की हो जाएं। एक्स-अग्निवीरों के लिए भर्ती का प्रोसेस बहुत आसान कर दिया गया है। पहले, जुलाई 2026 के नोटिफिकेशन के मुताबिक, उन्हें फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट से छूट दी गई थी। सैनिकों के हित में सरकार के इस फैसले से अग्निवीर स्कीम के तहत देश की सेवा कर चुके युवाओं को रिटायरमेंट के बाद गुजरात पुलिस में सीधी नौकरी पाने का सुनहरा मौका मिलेगा और सेना में ट्रेंड अनुभवी सैनिकों से राज्य के सुरक्षा सिस्टम को भी मजबूत सपोर्ट मिलेगा।

### टील कॉइल और शीट की आड़ में करोड़ों का जानलेवा ड्रग्स का धंधा पकड़ा गया

## खेड़ा-धोलका हाईवे पर 696 kg पोसडोडा से भरा ट्रक पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद/धोलका।** गुजरात में पुलिस जहां लगातार ड्रग्स के धंधे पर कार्रवाई कर रही है, वहीं अहमदाबाद रूरल पुलिस की स्ह्त और एंटी-नारकोटिक्स विंग ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। स्टील कॉइल और भारी लोहे की शीट की आड़ में तस्करी करके लाई जा रही लाखों रुपये की नशीली दवा 'पोसडोडा' की भारी मात्रा जब्त की गई है, जिससे पूरे जिले में भारी हलचल मच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद रूरल SOG टीम को खास जानकारी मिली थी कि एक ट्रक-ट्रेलर में बड़ी मात्रा में बैन ड्रग्स की तस्करी की जा रही है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने खेड़ा-धोलका हाईवे पर कड़ी निगरानी रखी थी। इस दौरान संदिग्ध हालत में गुजर रहे ट्रक-ट्रेलर (क्रमांक आरजे-19-जीसी-5486) को रोककर तलाशी ली गई। पुलिस ने जब ट्रक के अंदर चेक किया तो अधिकारियों की आंखें खुली की खुली रह गईं। ट्रक में औद्योगिक उपयोग में आने वाले स्टील के क्वायल और लोहे की चादरें करीने से सजाकर रखी गई थीं, लेकिन उसके ठीक पीछे और नीचे पोस्तादाना से भरे कुल 35 बैग बड़ी चालाकी से छिपाए गए थे। कुल 1.47 करोड़ रुपये से अधिक का माल जब्तः पुलिस ने इस कंटेनर से कुल 696.940 किलोग्राम (लगभग 696 किलोग्राम) संदिग्ध पोस्तादाना जब्त किया है। इस जब्त नशीले पदार्थ का बाजार मूल्य 1,04,54,900 रुपये (1 करोड़ से अधिक) आंका गया है। पुलिस ने न सिर्फ नशीला पदार्थ बल्कि भारी मात्रा में 1.47 करोड़ रुपये का माल भी जब्त किया है। 1,47,14,961 (1 करोड़ 47 लाख से ज़्यादा) जिसमें ड्रग तस्करी में इस्तेमाल किया गया ट्रक-ट्रेलर, स्टील कॉइल, मोबाइल फ़ोन और कैश शामिल हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि यह जानलेवा क्वांटिटी स्टील कॉइल के असली माल की आड़ में नागपुर से साणंद और कच्छ की ओर लाई जा रही थी। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के बाड़मेर स एक ट्रक ड्राइवर भैराराम रामाराम तरड़ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संतोष नाम के एक व्यक्ति सहित अन्य संदिग्धों की संलिप्तता की पूरी जांच शुरू कर दी है ताकि पता लगाया जा सके कि इस नेटवर्क के पीछे का मास्टरमाइंड कौन है और यह क्वांटिटी सामाखियाली या कच्छ में किसी और जगह पर किसे पहुंचानी थी। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में लगी हैं कि इंडस्ट्रियल माल की आड़ में चल रहे इंटर-स्टेट ड्रग्स सिंडिकेट के तार कहां तक जुड़े हैं।




# क्या शंकरसिंह वाघेला कांग्रेस के साथ अलायंस करेंगे? अमरेली में परेश धनानी के बयान पर बापू का चौंकाने वाला जवाब

## क्या आने वाले चुनावों में कोई बड़ा खेल होगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अमरेली।** गुजरात की पॉलिटिक्स कब बदलेगी और कब दिग्गज नेता हाथ मिला लेंगे, इसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। हाल ही में अमरेली में हुई एक घटना ने पॉलिटिकल गलियारों में काफी चर्चा छेड़ दी है। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और एक धाकड़ नेता शंकरसिंह वाघेला (बापू) और कांग्रेस के एक मज़बूत और पॉपुलर नेता परेश धनानी के बीच हुई बातचीत के कुछ हिस्से और इशारे अब बड़े पॉलिटिकल समीकरणों की ओर इशारा कर रहे हैं।

### क्या थी वो वायरल चर्चा?

मिली जानकारी के मुताबिक, गुजरात के दिग्गज नेता अमरेली में एक पॉलिटिकल या सोशल इवेंट या मीटिंग के दौरान इकट्ठा हुए थे। इस बीच, कांग्रेस नेता परेश धनानी ने हल्के-फुल्के लेकिन गंभीर अंदाज़ में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला की तरफ इशारा किया, 'आप गढ़वी का कान पकड़िए।' यहां, चर्चा हो रही है कि 'गढ़वी' शब्द का मतलब आम आदमी पार्टी के नेता यसुदान गढ़वी से है। इसके जवाब में, बापू शंकरसिंह वाघेला ने अपने हमेशा की तरह और मज़ेदार या ज़रूरी अंदाज़ में कहा, 'यह पता चल जाएगा। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा। '

### गठबंधन का ईंधन या नया राजनीतिक बेस गेम?

शंकरसिंह वाघेला और परेश धनानी के बीच इस सीक्रेट या पब्लिक चर्चा को आम बात नहीं मानने वाले राजनीतिक विश्लेषक इसे आने वाले दिनों में गुजरात में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच संभावित गठबंधन या राजनीतिक रणनीति के बड़े संकेत के तौर पर देख रहे हैं। क्या शंकरसिंह वाघेला विपक्षी पार्टियों को एक छत के नीचे लाने में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं?



क्या परेश धनानी के इस बयान के पीछे BJP के ख़िलाफ़ कोई बड़ी रणनीतिक योजना है? क्या गुजरात में BJP का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस और AAP हाथ मिलाएंगे? ऐसे कई सवाल इस समय चर्चा में हैं। राजनीति में एक कहावत है कि 'राजनीति में कोई पक्का दोस्त या दुश्मन नहीं होता।' शंकरसिंह वाघेला के 'पतिया जाए' कहे जाने वाले छोटे से जवाब के आने वाले दिनों में किस तरह के राजनीतिक मायने देखने को मिलेंगे, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन इस बयान ने गुजरात की राजनीति में गर्मी ज़रूर ला दी है। या बापू के इस इशारे ने विरोधी खेमे में नई ऊर्जा भर दी है या यह सिर्फ़ एक राजनीतिक मज़ाक था, यह तो आने वाले दिनों की घटनाएं ही साफ़ करेंगी। इन सभी राजनीतिक हलचलों पर पाक्को गुजरात की नज़रें टिकी हुई हैं।

## एक्टिंग चीफ जस्टिस ने सरकार की खिंचाई की दिन में डंपरों की एंट्री पर बैन को सख्ती से लागू करें, हेलमेट और मोबाइल गाड़ी के इस्तेमाल पर कड़ी नज़र रखें

महान गर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** मेगा सिटी अहमदाबाद में लापरवाही से दौड़ रहे डंपरों और भारी गाड़ियों का आतंक अब इतना बढ़ गया है कि आम लोगों का सड़क पर निकलना भी खतरनाक हो गया है। ऐसे समय में जब हर दिन बेगुनाह लोग हादसों में मर रहे हैं, गुजरात हाई कोर्ट ने इस गंभीर मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है। गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद में लापरवाही से दौड़ रहे डंपरों और बढ़ते हादसों पर गहरी चिंता जताई है और राज्य सरकार और पुलिस सिस्टम को आड़े हाथों लिया है। गुजरात हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस मानस रंजन पाठक ने सुनवाई के दौरान साफ शब्दों में फटकार लगाई है कि शहर में दिन में डंपरों और भारी गाड़ियों की आवाजाही पर लगाई गई रोक को सख्ती से लागू किया जाए। हाई कोर्ट ने ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वाले लापरवाह ड्राइवरों और उन्हें कंट्रोल करने में नाकाम सिस्टम को नज़रअंदाज़ कर दिया है। कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि नागरिकों की जान से खिलवाड़ करने वाले इन डंपर ड्राइवरों पर कानून सख्त होना चाहिए। बिना हेलमेट के गाड़ी चलाना और मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना मौत को न्योता देना बन गया हैहाई कोर्ट ने न सिर्फ डंपर, बल्कि शहर में ट्रैफिक नियमों के लापरवाही से उल्लंघन को भी गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने चिंता जताई है कि बिना हेलमेट के गाड़ी चलाने वाले, ट्रैफिक नियमों को नज़रअंदाज़ करने वाले ड्राइवर अपनी और दूसरों की जान खतरे में डाल रहे हैं। लापरवाह ड्राइवरों की मनमानी पर गंभीर रुख अपनाते हुए हाई कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई अगले दो हफ्ते बाद तय की है।

## किसानों को भरोसा नहीं, बल्कि सहारा देना चाहिए, राहत नहीं देनी चाहिएः अमरेली में कपास की बर्बादी के बीच शंकरसिंह वाघेला का सरकार पर तीखा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अमरेली/गांधीनगर।** पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला 'बापू' ने राज्य के कृषि क्षेत्र की गंभीर स्थिति और किसानों की दुर्दशा को लेकर गुजरात सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अमरेली पंथक के अपने दौरे के दौरान, खेतों में बर्बाद कपास की फसलों और दुनिया भर के कर्ज में डूबे किसानों की दर्दनाक पीड़ा को देखकर बापू ने सरकार पर कड़ा हमला बोला है। उन्होंने राज्य में तुरंत 'सूखा' घोषित करने और किसानों का कर्ज पूरी तरह माफ करने की जोरदार मांग की है। अपना दुख जाहिर करते हुए बापू ने कहा कि अमरेली की ओर सड़क के दोनों ओर बिखरे खेतों में कपास की फसल की हालत देखकर दिल टूट जाता है। रास्ते में मिले आस-पास के किसान भाइयों ने जब अपनी व्यथा सुनाई और सूखकर कीड़ों से बर्बाद हुई फसल की हालत दिखाई, तो सरकार के दावों की असलियत सामने आ गई।

1. तुरंत सूखा घोषित करें: राज्य के कई इलाकों में फसल की गंभीर हालत को देखते हुए, गुजरात सरकार तुरंत पूरे इलाके या राज्य के प्रभावित हिस्सों में सूखा घोषित करे।

2. फसल नुकसान का मुआवज़ा और कर्ज़ माफ़ी: सिर्फ़ कागज़ के सर्वे बंद करके किसानों को फसल नुकसान का सही और असली पैसे का मुआवज़ा दिया जाए। इसके साथ ही, कर्ज़ में फंसे किसानों के सभी खेती के कर्ज़ तुरंत माफ़ करने का समझदारी भरा फ़ैसला लिया जाए।

3. खेती में मदद का पैकेज: खेती को फिर से पटरी पर लाने के लिए बीज, खाद और बिजली में ज़रूरी खेती की मदद का ऐलान किया जाए। 'कैंपेन के पब्लिसिटी स्टंट बंद करो, करोड़ों का धुआं किसानों की भलाई के लिए इस्तेमाल करो शंकरसिंह वाघेला ने सरकार की पॉलिसी पर कड़ा गुस्सा दिखाते हुए कहा, 'सरकार हर दिन करोड़ों रुपये पानी की तरह अलग-अलग एडवर्टाइजमेंट, प्रोग्राम और प्रमोशनल इवेंट पर बहा रही है, जिससे उसकी तारीफ हो रही है।



## कैंसर के मरीजों के लिए केंद्र सरकार का ऐतिहासिक फैसला: दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30% पर लिमिट, मरीजों को सालाना 2,500 करोड़ रुपये की राहत मिलेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने कैंसर जैसी गंभीर और बहुत महंगी बीमारियों का इलाज करा रहे लाखों मरीजों और उनके परिवारों के लिए बहुत राहत और ऐतिहासिक फैसला लिया है। फार्मास्युटिकल सेक्टर में बहुत ज़्यादा मुनाफाखोरी को कंट्रोल करने और लोगों के हित को प्राथमिकता देने के लिए सरकार ने सभी तरह की एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को लिमिट करने का बड़ा आदेश दिया है।सरकार के इस अहम फैसले के तहत अब ब्रांडेड, जेनेरिक, पेटेंटेड और ज़रूरी समेत सभी एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन MRP के ज़्यादा से ज़्यादा 30 परसेंट तक रखा जा सकेगा। दवा की कीमतों में 20' से 70' तक की भारी कमी मुमकिन अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रेड मार्जिन पर 30' कैप लगाने के इस फैसले से जान बचाने वाली कैंसर दवाओं की रिटेल कीमतों में 20' से 70' तक की भारी कमी आने की संभावना है। कीमतों में इतनी बड़ी कमी से, अनुमान है कि देश भर में लाखों कैंसर मरीजों के इलाज के खर्च में सालाना कुल 2,500 करोड़ रुपये की बचत होगी।

### 12,500 करोड़ रुपये के भारतीय कैंसर दवा बाज़ार की एक तस्वीर:

भारत में कैंसर दवाओं का कुल बाज़ार करीब 12,500 करोड़ रुपये का है। इस बाज़ार में करीब 225 एंटी-कैंसर दवाएं और उनके 500 से ज़्यादा अलग-अलग फॉर्मूलेशन उपलब्ध हैं। इस कुल बाज़ार में से शेड्यूल दवाओं (यानी ऐसी दवाएं जो सीधे सरकारी कीमत कंट्रोल के तहत आती हैं) का हिस्सा करीब 2,250 करोड़ रुपये है। जबकि कैंसर मार्केट का बाकी बड़ा हिस्सा नॉन-शेड्यूल्ड दवाओं का है, जहां पहले कंपनियां और डिस्ट्रीब्यूटर ज़्यादा ट्रेड मार्जिन लेते थे। मुनाफ़ाखोरी पर रोक और मरीज़ों को आर्थिक राहत लंबे समय से शिकायतें आ रही थीं कि फार्मा मार्केट में, खासकर नॉन-शेड्यूल्ड और पेटेंटेड कैंसर दवाओं पर मैन्युफैक्चरर और सप्लायर मनमाना मुनाफ़ा कमा रहे हैं। कैंसर के इलाज के दौरान दवाओं की कीमत एक आम परिवार की आर्थिक कमर तोड़ देती है। केंद्र सरकार के इस फैसले से मार्केट में गलत मुनाफ़ाखोरी के भ्रष्टाचार पर सख्त रोक लगेगी और गरीब और मिडिल क्लास मरीज़ों को समय पर और सस्ता इलाज मिल सकेगा।



# बिना फायर NOC के चल रहा AC डोम का एक बड़ा हिस्सा धमाके के साथ गिर गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** बिना एडमिनिस्ट्रेशन की परमिशन के ऑर्गनाइज़र का जोखिम भरा खेल खुशकिस्मती से बड़ी दुर्घटना टल गई, लेकिन अब फायर डिपार्टमेंट और पुलिस क्या सख्त कदम उठाएंगे? गुजरात में पब्लिक नवरात्रि फेस्टिवल में अब कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में अहमदाबाद के पॉश मकरबा इलाके में एक बहुत ही चौंकाने वाला हादसा सामने आया है, जो ऑर्गनाइज़र की गंभीर लापरवाही को सामने लाता है। मकरबा में होने वाले बहुचर्चित 'परंपरा गरबा महोत्सव' के लिए दिन-रात तैयार किए जा रहे विशाल ष्ट डोम का अगला हिस्सा अचानक ताश के पत्तों की तरह धमाके के साथ गिर गया। गरबा फैंस की भीड़ जमा होने से कुछ दिन पहले हुए इस हादसे ने सिक्योरिटी सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बिना फायर NOC के चल रहा था कामः जांच से पहले ही डोम गिर गया घटना के बारे में फायर ब्रिगेड को मिली चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, 'परंपरा गरबा' के ऑर्गनाइज़र ने डोम के लिए फायर NOC के लिए अप्लाई किया था। लेकिन फायर डिपार्टमेंट के सर्वे के दौरान काम अधूरा होने और सेफ्टी स्टैंडर्ड पूरे न होने की वजह से परमिशन देने से साफ मना कर दिया गया। हालांकि, किस आधार पर और किसके अंडर में ऑर्गनाइज़र बिना परमिशन के इतना बड़ा ष्ट डोम बनवा रहे थे, यह एक बड़ा सवाल बन गया है। अच्छी बात यह रही कि जब यह घटना हुई, तो वहां कोई प्लेयर मौजूद नहीं था, जिससे बहुत बड़ा हादसा और जान का नुकसान टल गया। घटना के बाद, एडमिनिस्ट्रेशन ने फिलहाल राहत की सांस ली है। घटना की सही वजह टेक्निकल जांच के बाद ही पता चलेगी, लेकिन शुरुआती स्टेज में खराब क्वालिटी का कंस्ट्रक्शन और सेफ्टी नियमों का उल्लंघन जिम्मेदार लग रहा है। इस घटना के बाद अब पूरे अहमदाबाद में यह चर्चा का विषय बन गया है क्या अहमदाबाद पुलिस और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑर्गनाइज़र के खिलाफ क्रिमिनल नेग्लिजेंस का केस दर्ज करके लीगल अरेस्ट करेगी? क्या फायर सेफ्टी नियमों को तोड़ने वाले ऑर्गनाइज़र के गरबा परमिट लाइसेंस तुरंत कैंसिल कर दिए जाएंगे?

## अहमदाबाद में बेवजह मौत के सौदागर बन रहे डंपरों पर हाई कोर्ट की फटकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** मेगा सिटी अहमदाबाद में लापरवाही से दौड़ रहे डंपरों और भारी गाड़ियों का आतंक अब इतना बढ़ गया है कि आम लोगों का सड़क पर निकलना भी खतरनाक हो गया है। ऐसे समय में जब हर दिन बेगुनाह लोग हादसों में मर रहे हैं, गुजरात हाई कोर्ट ने इस गंभीर मुद्दे पर सख्त रुख अपनाया है। गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद में लापरवाही से दौड़ रहे डंपरों और बढ़ते हादसों पर गहरी चिंता जताई है और राज्य सरकार और पुलिस सिस्टम को आड़े हाथों लिया है। गुजरात हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस मानस रंजन पाठक ने सुनवाई के दौरान साफ ??शब्दों में फटकार लगाई है कि शहर में दिन में डंपरों और भारी गाड़ियों की आवाजाही पर लगाई गई रोक को सख्ती से लागू किया जाए। हाई कोर्ट ने ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वाले लापरवाह ड्राइवरों और उन्हें कंट्रोल करने में नाकाम सिस्टम को नज़रअंदाज़ कर दिया है। कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि नागरिकों की जान से खिलवाड़ करने वाले इन डंपर ड्राइवरों पर कानून सख्त होना चाहिए। बिना हेलमेट के गाड़ी चलाना और मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना मौत को न्योता देना बन गया हैहाई कोर्ट ने न सिर्फ डंपर, बल्कि शहर में ट्रैफिक नियमों के लापरवाही से उल्लंघन को भी गंभीरता से लिया है।

## नवरात्रि में मां अंबा की आराधना का महापर्व

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** आदि शक्ति मां जगदंबा की आराधना का महापर्व नवरात्रि गुजरात में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है। नौ दिनों और नौ रातों तक चलने वाले इस पर्व में मंदिरों से लेकर घरों और गरबा मंडलियों तक भक्तिमय वातावरण रहता है। मां अंबा की पूजा-अर्चना, दीप प्रज्वलन, भजन-कीर्तन और पारंपरिक गरबा-रास इस उत्सव के प्रमुख आकर्षण हैं। नवरात्रि केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और सामूहिक एकता का भी प्रतीक है। इन दिनों पूरा प्रदेश मां शक्ति की आराधना में रंगा नजर आता है। हिंदू धर्म में वर्षभर चार नवरात्रियों का उल्लेख मिलता है। इनमें चैत्र नवरात्रि और आश्विन मास की शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व माना जाता है। गुजरात में आश्विन मास के नवरात्रि पर्व को लेकर विशेष उत्साह रहता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। इनमें मां शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री शामिल हैं। प्रत्येक स्वरूप शक्ति, साहस, संयम, ज्ञान और कल्याण का प्रतीक माना जाता है। देवी की आराधना के माध्यम से श्रद्धालु जीवन में सकारात्मकता, आत्मबल और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। धार्मिक परंपराओं में नवरात्रि को बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक भी माना गया है। नवरात्रि के पहले दिन शुभ मुहूर्त में घटस्थापना या कलश स्थापना के साथ पूजा की शुरुआत होती है। तस्वीर स्थापित करते हैं। परंपरा के अनुसार मिट्टी के पात्र में पवित्र मिट्टी डालकर जौ बोए जाते हैं, जिन्हें जवारा कहा जाता है। शनि

## सेवाभावी व्यक्तित्व नैत्रदानी स्व. ला. रमेश मेहता की स्मृति में लायन्स क्लब ने किया निःशुल्क दवाई व चश्मा वितरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जावरा (निप्र)।** जिसने जीवन पर्यंत सेवा के प्रति समर्पण भाव से कार्य किया हो, ऐसे बिरले व्यक्तित्व जाते-जाते भी जनमानस पर अपनी अमिट छाप छोड़ जाते हैं, जो महानता की मिसाल बन जाती है। ऐसे ही सेवाभावी व्यक्तित्व रहे नेत्रदानी स्व. ला. रमेश मेहता। उन्होंने लायन्स क्लब के अध्यक्ष रहते हुए नवीन लायन्स नेत्र चिकित्सालय का कुशल संचालन किया था, साथ ही उनके कार्यकाल के दौरान ही लायन्स क्लब का ऐतिहासिक रजत जयंती वर्ष भी मनाया गया था। वर्ष 2013 में सेवानिवृत्त होने के बाद से वे प्रतिदिन लायन्स नेत्र चिकित्सालय में अपनी नियमित सेवाएं देते हुए संस्थान के उन्नयन और विकास में निरंतर जुटे रहते थे। ज्ञात रहे कि विगत 6 अक्टूबर को उनका आकस्मिक निधन हो गया था। उनका लायन्स नेत्र चिकित्सालय से गहरा लगाव रहा, इसी भावना के तहत लायन्स क्लब जावरा एवं लायन्स नेत्र चिकित्सालय द्वारा पूर्वाध्यक्ष नेत्रदानी स्व. ला. रमेश मेहता की पावन स्मृति में मरीजों के लिए निःशुल्क दवाई एवं चश्मा वितरण का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी देते हुए लायन्स क्लब जावरा क सचिव ला. संदीप रांका एवं कोषाध्यक्ष ला. विपिन चौरड़िया ने बताया कि वितरण कार्यक्रम के पश्चात एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। सभा में लायन्स क्लब अध्यक्ष ला. सुधीर जैन, नेत्र चिकित्सालय चेयरमैन ला. प्रदीप शर्मा, पूर्वाध्यक्ष ला. गोपाल सेठिया, पूर्वाध्यक्ष ला. अनिल धारीवाल तथा नेत्र चिकित्सालय स्टाफ की ओर से मैनेजर जे. पी. श्रीवास्तव ने स्व. मेहता की कार्यप्रणाली, सेवा के जज्बे और उनके साथ चिकित्सालय में बिताए पलों को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।



## माउंट आबू में राष्ट्रीय लोक अदालत, आपसी सहमति से 32 मामलों का निपटारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**माउंट आबू।** राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर माउंट आबू में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें आपसी सहमति के आधार पर कुल 32 मामलों का निपटारा किया गया। निस्तारित मामलों में 28 फौजदारी और 4 सिविल प्रकरण शामिल रहे। लोक अदालत के माध्यम से कुल 26 लाख 57 हजार 542 रुपए की राशि से जुड़े मामलों का निस्तारण किया गया। आयोजन का उद्देश्य पक्षकारों को आपसी सहमति से विवाद सुलझाने का अवसर उपलब्ध करवाना और न्यायिक प्रक्रिया को सरल बनाना रहा।द्व राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न मामलों से जुड़े पक्षकारों ने आपसी सहमति के आधार पर विवादों का समाधान किया। लोक अदालत की प्रक्रिया में दोनों पक्षों की सहमति से मामलों का निस्तारण किए जाने पर जोर दिया गया। इससे संबंधित पक्षकारों को विवादों के समाधान के लिए एक वैकल्पिक मंच मिला। फौजदारी और सिविल मामलों के निस्तारण के साथ आर्थिक राशि से जुड़े प्रकरणों का भी समाधान किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत न्यायिक व्यवस्था में लंबित मामलों के निस्तारण का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके जरिए ऐसे मामलों को आपसी समझौते के आधार पर सुलझाने का प्रयास किया जाता है, जिनका समाधान कानूनी प्रावधानों के तहत सहमति से संभव हो। माउंट आबू में आयोजित लोक अदालत में भी इसी प्रक्रिया के तहत 32 मामलों का निपटारा किया गया। इनमें फौजदारी और सिविल दोनों तरह के प्रकरण शामिल रहे। लोक अदालत के माध्यम से मामलों का निस्तारण होने से पक्षकारों को विवादों के समाधान का अवसर मिलता है।



## जालोर के रिलायंस स्मार्ट पॉइंट पर 100 किलो से अधिक सड़ी-गली सब्जियां और खराब फल मिले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालोर।** आमजन को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'सही खानपान, स्वस्थ राजस्थान' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शहर के खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। इस दौरान रिलायंस स्मार्ट पॉइंट पर 100 किलो से अधिक सड़ी-गली सब्जियां और खराब फल मिलने का मामला सामने आया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त इन सब्जियों और फलों को मौके पर ही नष्ट करवाया। वहीं, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट और जालोर मार्ट में निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को लेकर दोनों प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए। ख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भैराराम जाणी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुनील कुमार मीना ने रिलायंस स्मार्ट पॉइंट का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिष्ठान में रखी सब्जियों और फलों की गुणवत्ता की जांच की गई। जांच के दौरान 100 किलो से अधिक सड़ी-गली सब्जियां और खराब फल पाए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त सामग्री को मौके पर ही नष्ट करवाया, ताकि इसका उपयोग खाद्य पदार्थ के रूप में नहीं किया जा सके खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखना और उपभोक्ताओं को सुरक्षित उत्पाद उपलब्ध करवाना खाद्य प्रतिष्ठानों की जिम्मेदारी है। ऐसे में निरीक्षण के दौरान मिली खराब सामग्री को नष्ट करवाने के साथ संबंधित प्रतिष्ठान को खाद्य सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों के संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत रिलायंस स्मार्ट पॉइंट को इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया। विभाग की ओर से प्रतिष्ठान को निर्धारित खाद्य सुरक्षा मानकों की पालना करने और पाई गई कमियों में सुधार करने के निर्देश दिए गए। इसी अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जालोर मार्ट का भी निरीक्षण किया। वहां मिली कमियों को लेकर प्रतिष्ठान को भी इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया। सही खानपान, स्वस्थ राजस्थान' अभियान के तहत खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और स्वच्छता से जुड़े मानकों की जांच की जा रही है। इसका उद्देश्य बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा करना है। जालोर में की गई इस कार्रवाई के दौरान खराब सब्जियों और फलों को नष्ट करवाने के साथ दोनों प्रतिष्ठानों को सुधार के निर्देश दिए गए।



## आबू पर्वत में राष्ट्रपति रोवर प्रमाण-पत्र परीक्षा शुरू, नेतृत्व और सेवा कौशल का हो रहा आकलन



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**आबू पर्वत।** स्काउट एवं गाइड के राज्य प्रशिक्षण एवं एडवेंचर सेंटर, आबू पर्वत पर राष्ट्रपति रोवर प्रमाण-पत्र परीक्षा आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा के माध्यम से रोवर्स के स्काउटिंग ज्ञान, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और सेवा कार्यों से जुड़ी दक्षताओं का आकलन किया जा रहा है। राष्ट्रपति रोवर अवार्ड प्राप्त करने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण चरण माना जाता है। परीक्षा के दौरान रोवर्स की प्रशिक्षण के दौरान अर्जित क्षमताओं और विभिन्न परिस्थितियों में जिम्मेदारी निभाने की योग्यता को परखा जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक वन संरक्षक गजेंद्र सिंह ने ध्वजारोहण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने परीक्षा में शामिल होने वाले रोवर्स को शुभकामनाएं दीं और अनुशासन, समर्पण तथा मेहनत के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने रोवर्स को अपने प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का बेहतर उपयोग करने और सेवा भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। परीक्षा में रोवर्स की व्यावहारिक दक्षताओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन, पायनियरिंग, कैंपिंग, रेस्क्यू और विभिन्न सेवा कार्यों से संबंधित कौशल को परखा जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से यह आकलन किया जाएगा कि रोवर्स प्रशिक्षण में सीखे गए तरीकों का उपयोग जरूरत के समय किस प्रकार कर सकते हैं। स्काउटिंग गतिविधियों में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व और समाज के प्रति जिम्मेदारी को महत्वपूर्ण माना जाता है। नर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, प्रशिक्षण पूरा होने के बाद टीआरडी पार्टी, स्वतंत्र परीक्षा और भारत स्काउट एवं गाइड की राष्ट्रीय संस्था की ओर से राष्ट्रीय सीबीटी परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस प्रक्रिया के तहत रोवर्स की तैयारियों और निर्धारित मानकों के अनुरूप उनकी दक्षताओं का मूल्यांकन किया जाएगा। राष्ट्रपति रोवर अवार्ड की दिशा में आगे बढ़ने वाले प्रतिभागियों के लिए यह प्रक्रिया महत्वपूर्ण है परीक्षा के संचालन के लिए राष्ट्रीय टीम गठित की गई

# राहुल पर आरोपों को लेकर गहलोत का पलटवार, बोले- भाजपा अध्यक्ष को चुनाव आयोग का वकील बनना पड़ रहा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश को अस्थिर करने के आरोप पर पलटवार किया है। गहलोत ने कहा कि सवालों से डरी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को अब चुनाव आयोग का वकील बनना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते और मौजूदा घटनाक्रम से यह बात साबित होती है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष की ओर से किया जाने वाला आंदोलन भाजपा के लिए देश को अस्थिर करने की साजिश बन गया है, जबकि विपक्ष में रहते हुए भाजपा खुद सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करती थी। उन्होंने सवाल उठाया कि उस समय कौन-सी विदेशी ताकत थी और आज कौन-सी विदेशी ताकत काम कर रही है? गहलोत ने कहा कि जिन लोगों ने आजादी की लड़ाई में योगदान नहीं दिया, वे आज लोकतंत्र की आवाज उठाने वालों को देश विरोधी साबित करने में जुटे हैं। गहलोत ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल लोकतांत्रिक विरोध को बदनाम कर देश में तनाव बढ़ाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में राहुल गांधी और राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने नहीं दिया गया। इसके बाद विपक्षी सांसदों को चुनाव आयोग और जंतर-मंतर जाने से रोका गया तथा उनके साथ बदसलूकी की गई। गहलोत ने इन घटनाओं को लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया। हलोत ने दिल्ली की स्थिति का उल्लेख करते हुए दावा किया कि राजधानी को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। उन्होंने 75 ट्रेनें रद्द होने, 57 मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार बंद किए जाने और नई दिल्ली के बड़े हिस्से में इंटरनेट सेवाएं बंद होने की बात कही। उनके अनुसार, इन परिस्थितियों के कारण स्कूलों की परीक्षाएं तक रद्द करनी पड़ी हैं। गहलोत ने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अब तक देश के सामने आकर इन मुद्दों पर जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं। गहलोत ने केंद्र सरकार और भाजपा पर विदेशी ताकतों के सामने पूरी तरह झुकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब हर सवाल के जवाब में विपक्ष को 'अर्बन नक्सल' या विदेशी ताकतों से जुड़ा बताने की कोशिश की जाती है, तो यह जनता के सवालों का जवाब देने में सरकार की असमर्थता को दर्शाता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों, भारत पर लगाए जा रहे शुल्क और वीजा नीतियों का उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए। गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना और विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, अपराध नहीं। उनके मुताबिक, विपक्ष को देश विरोधी बताने के बजाय सरकार को जनता के सवालों का जवाब देना चाहिए। गौरतलब है कि भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया था। इसी बयान के जवाब में गहलोत ने भाजपा की लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता और केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए हैं।



## गवर्नमेंट हॉस्टल, रिद्धि-सिद्धि, बी-2 बाईपास और ओटीएस समेत कई स्थान चिह्नित; कहीं तेज रफ्तार तो कहीं अतिक्रमण और सड़क की खामियां बन रहीं हादसों की वजह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** राजधानी जयपुर में सड़क हादसों का बढ़ता आंकड़ा चिंता बढ़ा रहा है। शहर में गवर्नमेंट हॉस्टल, रिद्धि-सिद्धि, बी-2 बाईपास और ओटीएस समेत 16 ऐसे स्थान चिह्नित किए गए हैं, जहां सड़क दुर्घटनाओं की आशंका सबसे अधिक है। ट्रैफिक पुलिस ने इन ब्लैक स्पॉट का विश्लेषण कर हादसों के पीछे के कारणों की पहचान की है। कहीं तेज रफ्तार और गलत दिशा में वाहन चलाना दुर्घटनाओं की वजह बन रहा है, तो कहीं सड़क की बनावट, अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और यातायात का दबाव खतरा बढ़ा रहे हैं। दिए गए आंकड़ों के अनुसार, जयपुर में जनवरी से अब तक सड़क हादसों में 560 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसों का यह आंकड़ा कई वर्षों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ चुका है। ऐसे में शहर के संवेदनशील मार्गों पर सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना और यातायात व्यवस्था में सुधार करना जरूरी हो गया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर प्रदीप मोहन के अनुसार, चिह्नित ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटनाओं के कारण अलग-अलग हैं। कई चौराहे लंबे और चौड़े होने के कारण वाहन चालक वहां तेज रफ्तार से निकलते हैं। कुछ स्थानों पर वाहनों का अत्यधिक दबाव है, जबकि स्पीड ब्रेकर की कमी भी दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ाती है। इसके अलावा गलत दिशा में वाहन चलाना, बसों और टेंपो का अवैध ठहराव, सड़क किनारे अतिक्रमण, ठेले और अवैध पार्किंग भी हादसों की प्रमुख वजह हैं। कुछ स्थानों पर सड़क की बनावट और यातायात प्रबंधन की खामियां भी सामने आई हैं। इन परिस्थितियों में वाहन चालकों की लापरवाही के साथ सड़क संबंधी कमियां भी दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ा रही हैं। नाहरगढ़ पहाड़ी पर सड़क की ढलान और तीखे घुमाव वाहन चालकों के लिए चुनौती बने हुए हैं। वहीं, सीकर रोड पर वाहनों का अधिक दबाव और सर्विस रोड पर स्पीड ब्रेकर की कमी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ाती है। कुछ अन्य स्थानों पर लिंक रोड के सड़क के तीखे मोड़ और बजरी से भरे ट्रकों की अवैध पार्किंग भी परेशानी बढ़ा रही है। ब्लैक स्पॉट पर हादसों की रोकथाम के लिए ट्रैफिक पुलिस ने कई सुधारात्मक उपाय सुझाए हैं। इनमें जरूरत के अनुसार स्पीड ब्रेकर और रंबल स्ट्रिप लगाने, चेतावनी बोर्ड स्थापित करने तथा स्टॉप लाइन बनाने के सुझाव शामिल हैं। इसके साथ ही पैदल राहगीरों के लिए पदमार्ग विकसित करने, अतिक्रमण हटाने, अवैध कट बंद करने और सड़क की चौड़ाई में आवश्यक बदलाव करने की बात कही गई है। कुछ स्थानों पर अंडरपास बनाने जैसे विकल्पों पर भी विचार करने का सुझाव दिया गया है। जयपुर में बढ़ते सड़क हादसे यातायात प्रबंधन और सड़क सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती हैं। ट्रैफिक पुलिस ने 16 ब्लैक स्पॉट चिह्नित कर दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण किया है। अब इन स्थानों पर सुझाए गए सुधारों को समय पर लागू करना अहम होगा। सुरक्षा इंतजामों में तेजी, अतिक्रमण पर नियंत्रण और यातायात नियमों की सख्ती से पालना के जरिए ही दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं।




### जयपुर के 16 ब्लैक स्पॉट, हादसों का बढ़ता खतरा

जयपुर में जनवरी से अब तक सड़क हादसों में 560 लोगों की मौत हो चुकी है। गवर्नमेंट हॉस्टल, रिद्धि-सिद्धि, बी-2 बाईपास और ओटीएस समेत 16 ब्लैक स्पॉट चिह्नित किए गए हैं। तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, अतिक्रमण, अवैध पार्किंग और सड़क की खामियां हादसों की प्रमुख वजह हैं। ट्रैफिक पुलिस ने स्पीड ब्रेकर, चेतावनी बोर्ड, अतिक्रमण हटाने और सड़क सुधारने सहित कई उपाय सुझाए हैं

## F-35 पर भारत को अमेरिका की कोई आधिकारिक पेशकश नहीं, वायुसेना प्रमुख एपी सिंह बोले- विमान के पास तक नहीं जाने देते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

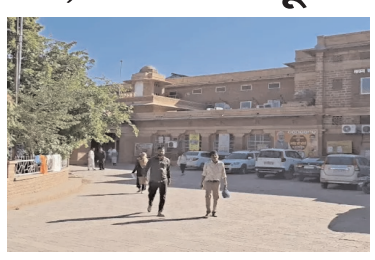
**जोधपुर।** भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पांचवीं पीढ़ी के अमेरिकी स्टील्थ लड़ाकू विमान एफ-35 को लेकर चल रही चर्चाओं पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि अमेरिका की ओर से भारत को यह विमान बेचने की कोई आधिकारिक पेशकश नहीं की गई है। उन्होंने रूस के एसयू-57 लड़ाकू विमान को लेकर भी कहा कि इस पर अभी विचार किया जाना बाकी है और कोई निर्णय नहीं लिया गया है। वायुसेना प्रमुख शनिवार को जोधपुर में बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास तरंग शक्ति-2026 के समापन के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। एफ-35 को लेकर पूछे गए सवाल पर एपी सिंह ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'आपके लोग तो हमें विमान के पास तक नहीं जाने देते और आप हमसे इसे बेचने की बात करते हैं।' उस समय अमेरिकी वायुसेना की पैसिफिक एयर फोर्सेज के कमांडर भी उनके बगल में बैठे थे। उनके इस बयान ने एफ-35 की संभावित खरीद को लेकर चल रही अटकलों के बीच भारत का रुख स्पष्ट किया। इससे पहले ऐसी चर्चाएं थीं कि अमेरिका ने भारत को पांचवीं पीढ़ी का यह स्टील्थ लड़ाकू विमान बेचने की पेशकश की थी और भारत ने इसे ठुकरा दिया था। हालांकि, वायुसेना प्रमुख ने आधिकारिक पेशकश किए जाने की बात से इनकार किया। जोधपुर में आयोजित तरंग शक्ति-2026 के दौरान भारत और मित्र देशों के लड़ाकू विमानों ने संयुक्त युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया। अभ्यास के दौरान अमेरिकी, फ्रांसीसी, रूसी और भारतीय लड़ाकू विमानों ने एक साथ उड़ान भरकर अपनी परिचालन क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इसके अलावा सारंग और प्रचंड हेलिकॉप्टरों की टीमों ने भी आसमान में विभिन्न फॉर्मेशन बनाकर अपनी दक्षता दिखाई। इस तरह के बहुराष्ट्रीय अभ्यासों का उद्देश्य अलग-अलग देशों की वायु सेनाओं के बीच परिचालन तालमेल, आपसी सहयोग और संयुक्त अभियानों की क्षमताओं को मजबूत करना है। आधुनिक हवाई युद्ध में विभिन्न विमानों, हथियार प्रणालियों और संचार नेटवर्क के बीच बेहतर समन्वय का महत्व लगातार बढ़ रहा है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य में किसी देश की सैन्य ताकत का आकलन केवल उसके पास मौजूद लड़ाकू विमानों और हथियारों की संख्या से नहीं किया जाएगा। यह भी देखा जाएगा कि वह कितनी तेजी से खतरे को पहचानता है, परिस्थितियों को समझता है, सही निर्णय लेता है और कार्रवाई करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आधुनिक युद्ध की प्रकृति तेजी से बदल रही है। अब युद्ध केवल थल, समुद्र और वायु तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अंतरिक्ष, साइबर क्षेत्र, विद्युत-चुंबकीय स्पेक्ट्रम और सूचना क्षेत्र भी इसका हिस्सा बन गए हैं। मानवरहित प्रणालियों, ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाले हथियारों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भविष्य के संघर्षों में सूचना की उपलब्धता, सटीकता, गति और विभिन्न सैन्य प्रणालियों के बीच तालमेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ऐसे में सैन्य क्षमता को केवल हथियारों और विमानों की संख्या से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल और समय पर निर्णय लेने की क्षमता भी उतनी ही जरूरी होगी। राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य में रक्षा सहयोग केवल विमानों और हथियार प्रणालियों की खरीद तक सीमित नहीं रहेगा।



## जोधपुर के MGH-MDM अस्पतालों में ऑर्थोपेडिक विभाग का पुनर्गठन, अब पांच यूनिट में होगा संचालन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जोधपुर।** डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज से संबद्ध महात्मा गांधी अस्पताल (एमजीएच) और मथुरादास माथुर अस्पताल (एमडीएम) में ऑर्थोपेडिक विभाग की यूनिट व्यवस्था में बदलाव किया गया है। नए पुनर्गठन के बाद दोनों अस्पतालों में कुल पांच यूनिट संचालित होंगी। महात्मा गांधी अस्पताल में ऑर्थोपेडिक विभाग की दो यूनिट रहेंगी, जबकि मथुरादास माथुर अस्पताल में तीन यूनिट का संचालन किया जाएगा। इस बदलाव के साथ ही विभाग की फैकल्टी, आउट पेशेंट डिपार्टमेंट (ओपीडी) और ऑपरेशन थिएटर (ओटी) के शेड्यूल में भी बदलाव किया गया है। अस्पतालों में इलाज कराने आने वाले मरीजों के लिए नई व्यवस्था के तहत संबंधित यूनिट और डॉक्टर के ओपीडी में बैठने के दिन की जानकारी रखना जरूरी होगा। इससे मरीजों को संबंधित चिकित्सक तक पहुंचने और उपचार की प्रक्रिया में सुविधा मिल सकेगी। हालांकि, ओपीडी और ऑपरेशन थिएटर के दिनवार विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी उपलब्ध होने पर मरीजों को अपनी सुविधा के अनुसार अस्पताल पहुंचने की योजना बनाने में मदद मिलेगी। ऑर्थोपेडिक विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. महेश भाटी 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो गए थे। उनके सेवानिवृत्त होने के बाद विभाग की पांच यूनिट का नए सिरे से पुनर्गठन किया गया। इस संबंध में मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. बीएस जोधा, महात्मा गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह भाटी और विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार वैश्य के बीच बैठक हुई। बैठक में दोनों अस्पतालों में फैकल्टी की जिम्मेदारियों और यूनिट संचालन की व्यवस्था पर चर्चा की गई। इसके बाद नई व्यवस्था के तहत यूनिट, ओपीडी और ओटी के दिनों का कार्यक्रम जारी किया गया। पुनर्गठन के बाद महात्मा गांधी अस्पताल में ऑर्थोपेडिक विभाग की यूनिट-ए और यूनिट-सी संचालित होंगी। यूनिट-ए का प्रभारी डॉ. किशोर रायचंदानी को बनाया गया है, जबकि यूनिट-सी की जिम्मेदारी डॉ. हेमंत जैन को सौंपी गई है। दोनों यूनिट के माध्यम से अस्पताल में ऑर्थोपेडिक विभाग की सेवाएं संचालित की जाएंगी। थुरादास माथुर अस्पताल में ऑर्थोपेडिक विभाग की तीन यूनिट संचालित होंगी। यहां यूनिट-बी का प्रभार डॉ. अरुण कुमार वैश्य को दिया गया है। यूनिट-डी की जिम्मेदारी डॉ. रामनिवास बिश्नोई संभालेंगे, जबकि यूनिट-ई का प्रभार डॉ. रामाकिशन को सौंपा गया है। यूनिट के अनुसार उपचार के लिए पहुंचना होगा। विशेष रूप से ओपीडी में परामर्श लेने और ऑपरेशन की प्रक्रिया से जुड़े मरीजों के लिए दिनवार कार्यक्रम की जानकारी उपयोगी रहेगी।



## अजमेर, भीलवाड़ा, उदयपुर सिटी और आबूरोड स्टेशन पर 16 अक्टूबर से लागू होगा नया समय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अजमेर।** उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल ने यात्रियों की सुविधा से जुड़े महत्वपूर्ण बदलाव के तहत प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों के संचालन समय में परिवर्तन किया है। नए समय के अनुसार अब इन स्टेशनों पर आरक्षण काउंटर रात 10 बजे के बजाय रात 8 बजे तक ही खुले रहेंगे। यह व्यवस्था 16 अक्टूबर 2026 से लागू होगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव के अनुसार, अजमेर मंडल के अजमेर, भीलवाड़ा, उदयपुर सिटी और आबूरोड रेलवे स्टेशनों पर आरक्षण काउंटरों के समय में बदलाव किया गया है। इन केंद्रों पर पहले रात 10 बजे तक आरक्षण की सुविधा उपलब्ध थी, लेकिन निर्धारित तिथि से काउंटर रात 8 बजे तक ही संचालित होंगे। इसके बाद यात्रियों को इन आरक्षण केंद्रों पर टिकट बुकिंग संबंधी सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे आरक्षण केंद्र पर जाने से पहले बदले हुए समय की जानकारी रखें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की टिकट बुकिंग की योजना बनाएं। विशेष रूप से शाम के समय आरक्षण कराने वाले यात्रियों को इस बदलाव का ध्यान रखना होगा, ताकि काउंटर बंद होने के कारण उन्हें परेशानी का सामना न करना पड़े। रेलवे के इस निर्णय के बाद संबंधित स्टेशनों पर आरक्षण कराने वाले यात्रियों को अपनी सुविधा के अनुसार समय पर केंद्र पहुंचना होगा। नई व्यवस्था 16 अक्टूबर से प्रभावी होगी।



## सर्व पितृ अमावस्या पर गायत्री शक्तिपीठ में सामूहिक तर्पण, 30 परिवारों ने किया पिंडदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**चूरू।** सर्व पितृ अमावस्या के अवसर पर शनिवार सुबह शहर के गायत्री शक्तिपीठ मंदिर में सर्व समाज का सामूहिक तर्पण-पिंडदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुबह 9 बजे शुरू हुए इस धार्मिक आयोजन में 30 परिवारों ने भाग लेकर अपने पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक याद किया और उनकी शांति के लिए विधि-विधान से तर्पण एवं पिंडदान किया। कार्यक्रम में पुरुषों के साथ महिलाओं ने भी सहभागिता निभाई। मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने पितरों को जल अर्पित कर उनके प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में देव तर्पण, ऋषि तर्पण, पितृ तर्पण और भीष्म तर्पण के साथ यम तर्पण भी करवाया गया। इसके अलावा महापुरुषों और देश के लिए बलिदान देने वाले शहीद सैनिकों को स्मरण करते हुए उनका सामूहिक तर्पण किया गया। सर्व समाज की सहभागिता के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में धार्मिक परंपराओं के माध्यम से पूर्वजों और राष्ट्र के लिए योगदान देने वाले व्यक्तित्वों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। पितृ तर्पण का कार्यक्रम गायत्री संस्कार केंद्र हरजी से आए प्रवीण गहलोत और मीठालाल सुथार ने संपन्न करवाया। प्रवीण गहलोत ने शास्त्रों में वर्णित विधि के अनुसार मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धालुओं से तर्पण करवाया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने 'ओम पितृभ्यः स्वधा' मंत्र का उच्चारण करते हुए अपने पूर्वजों को जल अर्पित किया। पूरे कार्यक्रम में धार्मिक विधि-विधान और श्रद्धा के साथ तर्पण-पिंडदान की परंपरा निभाई गई।



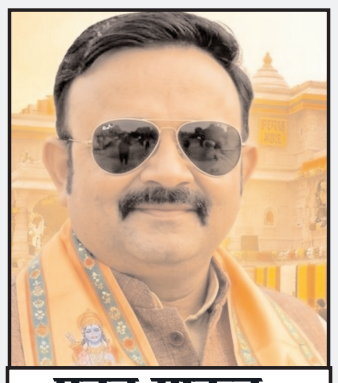
## पाली में दावत का खाना खाने से 296 लोग बीमार, सभी स्वस्थ होकर लौटे घर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पाली।** शहर के नवलखा रोड पर आयोजित एक दावत में खाना खाने के बाद 296 लोगों के फूड पॉइजनिंग की चपेट में आने से हड़कंप मच गया। बीमार होने वालों में 50 बच्चे भी शामिल थे। सभी को उपचार के लिए बांगड़ अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 13 मरीजों की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। राहत की बात यह रही कि उपचार के बाद सभी मरीजों की स्थिति में सुधार हुआ और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें सक्रिय हुईं तथा खाद्य सामग्री की जांच के साथ संबंधित दुकानों पर कार्रवाई की गई। बांगड़ अस्पताल के अधीक्षक डॉ. कैलाश परिहार ने बताया कि शुक्रवार रात फूड पॉइजनिंग के शिकार होकर कुल 296 मरीज अस्पताल पहुंचे थे। इनमें 50 बच्चे भी शामिल थे। मरीजों की स्थिति को देखते हुए 13 लोगों को भर्ती कर उपचार दिया गया, जबकि अन्य मरीजों का प्राथमिक उपचार किया गया। बाद में सभी मरीजों की हालत सामान्य होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल रहा। घटना की शिकायत मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश शर्मा और नगर निगम के डीओसी प्रभारी बादल सिंह पुलिस बल के साथ हैदर कॉलोनी पहुंचे। पीड़ित रमजान की शिकायत पर टीम ने हुसैन मीट एंड चिकन शॉप की जांच की। जांच के दौरान दुकान पर एनओसी नहीं मिलने के बाद उसे सीज कर दिया गया। इसके अलावा पास में संचालित एटी मीट शॉप भी बिना लाइसेंस चलती मिली। टीम ने इस दुकान को भी सीज करने की कार्रवाई की। इसके बाद जांच दल नवलखा रोड स्थित महावीर किराना स्टोर पहुंचा।

# सम्पादकीय

## हमने देश की बागडोर किस तरह के नेताओं को सौंप दी है?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आज के भारत को किस दिशा में धकेला जा रहा है और हमारी डेमोक्रेसी का असली रूप कहां जाकर रुकेगा, यह देश के हर जागरूक नागरिक के लिए एक बहुत ही गंभीर और चिंताजनक सवाल बन गया है। हाल ही में, 10 अक्टूबर, 2026 को देश की राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर इलेक्शन कमिश्नर के संदिग्ध वर्किंग स्टाइल और एंटी-डेमोक्रेटिक फैसलों के खिलाफ शांति से विरोध करने जा रहे देश के भविष्य युवाओं, किसानों और छात्रों पर शासकों ने जिस तरह का दमन किया है, उसने ब्रिटिश राज की तानाशाही और गुलामी की काली यादें ताजा कर दी हैं। जिन युवाओं के हाथों में हमारा तिरंगा राष्ट्रीय झंडा है और जिनकी आंखों में देश के उज्ज्वल भविष्य के सपने हैं, उनके साथ मौजूदा अधिकारियों द्वारा किया जा रहा यह अमानवीय और क्रूर व्यवहार असहनीय और दिल दहला देने वाला है।

इलेक्शन कमीशन के मनमाने रवैये और कमों के खिलाफ जनता को आवाज उठाने से रोकने के लिए पूरी दिल्ली को एक अभेद्य किले में बदल दिया गया है। लोकतंत्र में नागरिकों की आवाज़ दबाने के लिए, दिल्ली आने वाली सभी ज़रूरी ट्रेनें अचानक कैंसिल कर दी गई हैं और आम जनता की आवाजाही रोकने के लिए दिल्ली के 57 मेट्रो स्टेशनों के दरवाज़े सील कर दिए गए हैं। इतना ही नहीं, जंतर-मंतर जाने वाली सभी मुख्य सड़कों पर मज़बूत कंक्रीट के तीन से चार लेयर के बैरिकेड लगा दिए गए हैं और उन पर डरावने और रोंगटे खड़े कर देने वाले कंटीले तार लगा दिए गए हैं। जब लोकतंत्र का चौथा पिलर, जनता अपने हक़ के लिए सड़कों पर उतरती है, तो उन्हें रोकने के लिए सेना या बॉर्डर जैसे कंटीले तारों का इस्तेमाल करने की सोच ही दिमाग हिला देने वाली है। अपने ही देश के नागरिकों के साथ इस तरह का नफ़रत भरा बर्ताव शायद पहले कभी नहीं देखा गया। हुक्मरानों ने इस विरोध को कुचलने के लिए शर्म, सज़ा, जुर्माना और भेदभाव की सभी नीतियां अपनाई हैं। युवाओं और छात्रों को इकट्ठा होने से रोकने के लिए कानून का गलत इस्तेमाल किया गया है और BNSS (इंडियन सिविल सिक्योरिटी कोड) की धारा-163 को हथियार बनाकर चार या उससे ज़्यादा लोगों के एक जगह इकट्ठा होने पर सख्त रोक लगा दी गई है।

लेकिन यहां सबसे बड़ा और कड़वा सवाल यह उठता है कि क्या देश में कानून-व्यवस्था के ये सख्त नियम सिर्फ आम लोगों, बेगुनाह छात्रों और आंदोलनकारियों के लिए ही बने हैं? एक तरफ देश के संवैधानिक अधिकारों के लिए अहिंसक तरीके से विरोध कर रहे युवाओं को गिरफ्तार किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ सत्ताधारी पार्टी से जुड़े RSS, BJP, VHP, ABVP और बजरंग दल जैसे संगठनों के कार्यकर्ता खुलेआम हाथों में लाठी-डंडे लेकर आंदोलनकारियों को पीटने के लिए इकट्ठा हो रहे हैं। सोशल मीडिया के ज़रिए हिंसा फैलाने और लोगों को जान से मारने की धमकियां खुलेआम दी जा रही हैं, फिर भी दिल्ली पुलिस पूरी तरह मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है। कानून की रक्षा का दावा करने वाली पुलिस सत्ताधारी पार्टी के गुंडों को अनदेखा कर रही है। क्या BNSS की धारा 163 के नियम सिर्फ़ उन विरोधियों पर लागू होते हैं जो सरकार के ख़िलाफ़ सवाल पूछते हैं? सत्ताधारी पार्टी के हिंसक संगठनों को कानून से किसने छूट दी? सरकार का डर इतना बढ़ गया है कि उसने डिजिटल लेवल पर भी आवाज़ों को दबाने का काला खेल खेला है। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे बॉर्डर इलाकों के जाने-माने यूट्यूबर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और इंडिपेंडेंट जर्नलिस्ट्स-इन्फ्लुएंसर्स को बेरहमी से 'हाउस अरेस्ट' करके उनके घरों में नज़रबंद कर दिया गया है, ताकि देश के लोगों तक सही तस्वीर न पहुँच सके। जहाँ भी दो-तीन युवा सड़कों पर एक साथ दिखते हैं या दिल्ली की ओर जाते दिखते हैं, उन्हें बिना किसी जुर्म के ज़बरदस्ती हिरासत में लिया जा रहा है। संविधान की आत्मा, 'अभिव्यक्ति की आज़ादी' और शांतिपूर्ण विरोध के मौलिक अधिकार को आज सत्ता के बुलडोज़र के नीचे कुचला जा रहा है। सबसे निराशाजनक, दुखद और शर्मनाक बात यह है कि देश का सुप्रीम कोर्ट, जिस पर संविधान और नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करने की सबसे बड़ी और पवित्र ज़िम्मेदारी है, वह भी इस पूरे अत्याचार और लोकतंत्र के क्षरण को गंभीरता से लेने के बजाय चुपचाप देख रहा है। जब न्यायपालिका भी चुप हो जाती है और नागरिकों की चीखें सुनने में नाकाम हो जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिल जाती है। आज पूरे देश के हर नागरिक को खुद से यह तीखा सवाल पूछने की ज़रूरत है: हमने इस महान देश की बागडोर किस तरह के असंवेदनशील, सत्ता के भूखे और तानाशाह नेताओं को सौंप दी है? अगर आज हम युवाओं, किसानों और छात्रों के साथ हो रहे इस अन्याय के खिलाफ़ आवाज़ नहीं उठाएंगे और चुप रहेंगे, तो आने वाली पीढ़ी हमें कभी माफ़ नहीं करेगी। सत्ता के नशे में अंधे हो चुके शासकों को आईना दिखाने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होने का यह आखिरी मौका है।

# नवरात्रिः नौ रातें, नौ शक्तियां और आंतरिक अंधकार पर विजय

## 'जब अधर्म का अंधकार बढ़ता है, तब धर्म और शक्ति का प्रकाश प्रकट होता है

नवरात्रि केवल नौ दिनों का त्योहार नहीं है; यह आद्यशक्ति माँ दुर्गा की आराधना, आत्मशक्ति के जागरण और सदाचार की विजय का पवित्र संदेश देने वाला महापर्व है।

'नौ' रात्रि अर्थात नौ दिनों तक माता के विभिन्न स्वरूपों की भक्तिपूर्वक आराधना। ये नौ दिन हमें बाहरी दुनिया के अंधकार से अधिक अपने मन के अहंकार, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या, भय और नकारात्मकता को दूर करने की प्रेरणा देते हैं।

आइए जानें महिषासुर और माँ दुर्गा की पवित्र विजयगाथा के बारे में

पौराणिक कथाओं के अनुसार, वर्षों पूर्व पृथ्वी और स्वर्गलोक में आसुरी प्रवृत्तियों का आतंक फैल गया था। महिषासुर नाम का एक अत्यंत शक्तिशाली और अत्याचारी असुर था। कठोर तप द्वारा उसने ऐसा वरदान प्राप्त कर लिया था कि देवताओं के लिए भी उसे पराजित करना असंभव हो गया था। शक्ति के अहंकार में अंधे होकर महिषासुर ने तीनों लोकों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास किया। धर्म और व्यवस्था खतरे में पड़ गए और देवता भी त्रस्त हो गए।

तब सृष्टि की रक्षा के लिए ब्रह्मा, विष्णु और महेश सहित सभी देवताओं ने अपने दिव्य तेज और शक्ति का एकीकरण किया। इन सभी दिव्य ऊर्जाओं के समन्वय से आद्यशक्ति माँ दुर्गा का प्राकट्य हुआ।

माँ दुर्गा अथाह शक्ति और पवित्रता से परिपूर्ण थीं। माँ भवानी सिंह पर आरूढ़ होकर, दसों हाथों में त्रिशूल, खड्ग और अन्य दिव्य अस्त्र-शस्त्र धारण कर अधर्म के विरुद्ध युद्ध करने रणभूमि में उतरीं। नौ दिनों तक भयंकर महासंग्राम चला। यह संघर्ष केवल एक असुर और देवी के बीच का युद्ध नहीं था; यह धर्म और अधर्म, सत्य और असत्य, संयम और अहंकार के बीच के शाश्वत संघर्ष का प्रतीक था। अंत में माँ दुर्गा ने महिषासुर का संहार किया और तीनों लोकों को भयमुक्त किया।

'असत्य कितना भी शक्तिशाली क्यों न दिखे, सत्य की दिव्य शक्ति के सामने उसका अंत निश्चित है। '

अब जानते हैं नवदुर्गा के नौ दिव्य स्वरूपों और उनके जीवन पाठ के बारे में

नवरात्रि के दौरान माता दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना की जाती है। प्रत्येक स्वरूप की एक विशेष कथा है और भक्ति के साथ जीवन के लिए एक अत्यंत सुंदर संदेश भी इसमें समाहित है।

दिन 1 – माँ शैलपुत्री

पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण वे शैलपुत्री कहलाईं। वे नंदी पर विराजमान हैं और हाथों में त्रिशूल तथा कमल धारण करती हैं। उनका यह सौम्य स्वरूप स्थिरता, दृढ़ता और अडिग श्रद्धा का प्रतीक है।

जीवन पाठः परिस्थिति चाहे कितनी भी विकट हो, अपने लक्ष्य और सत्य के मार्ग पर हिमालय की तरह अडिग रहना चाहिए।

'जिसके कदम श्रद्धा की धरती पर टिके हों, उसे परिस्थितियों के तूफान डिगा नहीं सकते। '

दिन 2 – माँ ब्रह्मचारिणी

माता ब्रह्मचारिणी तप, संयम और अडिग साधना का स्वरूप हैं। हाथ में जपमाला और कमंडल धारण किए हुए उनका स्वरूप कठोर तपस्या और आत्मनियंत्रण का संदेश देता है।

जीवन पाठः मेहनत, अथाह धैर्य और संयम से ही मनुष्य को सच्ची सफलता प्राप्त होती है।

'जो आज संयम सीखता है, वही कल सफलता को संभाल सकता है।

'दिन 3 – माँ चंद्रघंटा

माता के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित है। सिंह पर सवार माता का यह स्वरूप शौर्य, साहस और रक्षा का प्रतीक है, जो दुष्टों के नाश के लिए सदैव तत्पर रहता है।

जीवन पाठः भय के आगे भागने के बजाय निर्भयता और धैर्यपूर्वक उसका सामना करना चाहिए।

'हिम्मत का अर्थ भय का न होना नहीं है; भय होने के बावजूद सही मार्ग पर खड़े रहना ही हिम्मत है। '

दिन 4 – माँ कूष्मांडा

अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड का सृजन करने वाली माता कूष्मांडा सृष्टि में नई ऊर्जा और प्रकाश का संचार करती हैं। उन्हें सृजनात्मक ऊर्जा के साथ जोड़ा जाता है।

जीवन पाठः जहाँ सकारात्मक विचार होते हैं, वहाँ नई आशा और नई सृजनशक्ति जन्म लेती है। 'एक अच्छा विचार कभी-कभी पूरे जीवन का अंधकार दूर कर सकता है। '

दिन 5 – माँ स्कंदमाता

भगवान कार्तिकेय (स्कंद) को गोद में धारण करने वाली माँ स्कंदमाता मातृत्व, वात्सल्य और निःस्वार्थ प्रेम का पवित्र स्वरूप हैं।

जीवन पाठः प्रेम, करुणा और उच्च संस्कारों से ही उत्तम समाज और व्यक्ति का निर्माण होता है।

'बच्चे को दी गई सबसे बड़ी संपत्ति पैसा नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार हैं। '

दिन 6 – माँ कात्यायनी

महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रकट हुई माता कात्यायनी शक्ति और धर्मरक्षा का प्रतीक हैं। यह महिषासुर मर्दिनी स्वरूप दुष्टता के नाश के लिए पूजा जाता है।

जीवन पाठः अन्याय के सामने कभी मौन नहीं रहना चाहिए; सत्य के लिए हमेशा हिम्मत से खड़े रहना चाहिए। 'सत्य का मार्ग कभी-कभी कठिन होता है, लेकिन अंतर्मन में शांति देने वाला मार्ग हमेशा वही होता है। '

दिन 7 – माँ कालरात्रि

माता कालरात्रि का स्वरूप काला और उग्र है, लेकिन यह उग्रता केवल अधर्म और दुष्टता के नाश के लिए है। भक्तों के लिए वे सदैव शुभ फल देने वाली (शुभंकरी) हैं।

जीवन पाठः हमारे जीवन के भय, अज्ञान और नकारात्मकता का दृढ़ता से सामना करके उसका अंत करना चाहिए।

'अंधकार को कोसने से प्रकाश नहीं आता; भीतर एक दीपक जलाना पड़ता है। '

दिन 8 – माँ महागौरी

माता महागौरी का वर्ण श्वेत और कांतिवान है। उनका यह स्वरूप शांति, पवित्रता, करुणा और अत्यंत सौम्यता का प्रतीक है।

जीवन पाठः शक्ति के साथ विनम्रता और सामर्थ्य के साथ क्षमाशीलता तथा करुणा का होना आवश्यक है।

'सच्ची शक्ति वह नहीं है कि आप कितनों को हरा सकते हैं; सच्ची शक्ति वह है कि आप कितनों को सहारा दे सकते हैं। '

दिन 9 – माँ सिद्धिदात्री

नवरात्रि के नौवें और अंतिम दिन माँ सिद्धिदात्री की आराधना होती है। वे सर्व प्रकार की सिद्धि और आध्यात्मिक पूर्णता प्रदान करने वाला स्वरूप हैं।

जीवन पाठः संपूर्ण श्रद्धा, अटूट भक्ति और सदाचार से जीवन को पूर्णता की दिशा में ले जाना चाहिए।

'भक्ति केवल माँगने का नाम नहीं है; भक्ति अर्थात स्वयं को ईश्वर के सन्मार्ग के लिए तैयार करने का नाम है। '

महिषासुर बाहर भी है और हमारे अंदर भी...

नवरात्रि की गाथा का सबसे गहरा अर्थ यहीं छिपा है। महिषासुर को केवल एक पौराणिक पात्र के रूप में देखने के बजाय, यदि हम अपने जीवन में मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ, ईर्ष्या, द्वेष और नकारात्मक विचारों को पहचानें, तो यह कथा और भी अर्थपूर्ण बन जाती है।

जब मन में अहंकार बढ़े, तब माँ शैलपुत्री की स्थिरता को याद करें।

जब मुसीबत में धैर्य टूटने लगे, तब माँ ब्रह्मचारिणी की तपस्या को याद करें।

जब भय सताए, तब माँ चंद्रघंटा के शौर्य को याद करें।

जब निराशा घेर ले, तब माँ कूष्मांडा की सृजनशक्ति को याद करें।

जब रिश्तों में कठोरता आने लगे, तब माँ स्कंदमाता की करुणा को याद करें।

जब अन्याय के खिलाफ प्रश्न खड़ा हो, तब माँ कात्यायनी की शक्ति को याद करें।

जब मन में अंधकार छा जाए, तब माँ कालरात्रि का स्मरण करें।

जब मन अशांत हो जाए, तब माँ महागौरी की शांति की ओर मुड़ें।

जब जीवन में सही दिशा की तलाश हो, तब माँ सिद्धिदात्री की भक्ति करें।

नवरात्रिः भीतर की शक्ति को पहचानने का उत्सव

ये नौ दिन हमें एक सुंदर सत्य समझाते हैं कि, शक्ति बाहर से मिलने वाली वस्तु नहीं है; अपने भीतर मौजूद शक्ति को पहचानने और उसका सही दिशा में उपयोग करने की आवश्यकता है। माता दुर्गा की आराधना हमें केवल विजय की कामना नहीं कराती, बल्कि ऐसा दृढ़ संकल्प भी सिखाती है कि..

हम अन्याय नहीं करेंगे और अन्याय सहेंगे भी नहीं।

अहंकार को स्थान नहीं देंगे और कमजोर को सहारा देंगे।

सत्य के मार्ग पर चलेंगे और शक्ति का उपयोग केवल सत्कार्यों के लिए करेंगे।

क्योंकि सच्ची नवरात्रि तभी शुरू होती है, जब मंदिर में माता जी की आरती प्रज्वलित होने के साथ-साथ हमारे अंतर्मन में भी सदाचार की ज्योत जले।

नवरात्रि हमें सनातन संदेश देती है कि जीवन में अंधकार चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, सत्य, श्रद्धा और धर्म की शक्ति हमेशा प्रकाश का मार्ग दिखाती है। इस नवरात्रि में हम केवल माता जी के स्वरूपों की पूजा ही न करें, बल्कि उनके इन नौ दिव्य गुणों को अपने जीवन में उतारने का भी संकल्प लें 'माता दुर्गा की आराधना का अर्थ केवल हाथ जोड़ना नहीं है, बल्कि जीवन को धर्म, सत्य, करुणा और साहस से जोड़ने का संकल्प है। '



**दर्शना पटेल**
**(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित) स्पोर्ट्स टीचर।**

## नवरात्रि : भक्ति का रंग, शक्ति का संग और संस्कृति का उमंग

'गरबा की ताल पर झूमती गुजरात की धरती,
माँ की भक्ति में खिलती श्रद्धा की ज्योति;
दीपों की रोशनी में आस्था का अपार निखार,
नवरात्रि है संस्कृति और शक्ति का त्योहार। '



भारतीय संस्कृति के मंच पर नवरात्रि भक्ति, शक्ति, संस्कार और आनंद का एक अद्वितीय महोत्सव है। नौ रात्रियों का यह पावन पर्व केवल माँ दुर्गा की आराधना तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन में सत्य, साहस और सदाचार का प्रकाश फैलाने का संदेश भी देता है।

गुजरात की धरती पर नवरात्रि का नाम आते ही रंग-बिरंगी चनिया-चोली, पारंपरिक केड़िया, ढोल की थाप और गरबा के मनमोहक स्वर वातावरण को गुंजायमान कर देते हैं। गरबा केवल एक नृत्य नहीं, बल्कि हमारी लोकसंस्कृति, सामूहिक एकता और श्रद्धा का जीवंत प्रतीक है। आज गुजरात का गरबा देश-विदेश में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। नवरात्रि हमें नारीशक्ति के सम्मान का महत्वपूर्ण संदेश देती है। यदि हम एक ओर माँ दुर्गा की पूजा करें और दूसरी ओर बेटियों तथा महिलाओं को समान सम्मान न दें, तो हमारी आराधना अधूरी रह जाती है। बेटियों को शिक्षा, महिलाओं को सुरक्षा और प्रत्येक नारी को सम्मान मिले, तभी शक्तिपूजा सही अर्थों में सार्थक होगी।द्व आधुनिकता के दौर में नवरात्रि का उत्सव भव्य होता जा रहा है, लेकिन इसके साथ परंपरा, शालीनता और संस्कारों को बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। नई पीढ़ी को गरबा के कदमों के साथ-साथ उसके पीछे छिपी श्रद्धा और सांस्कृतिक विरासत का महत्व समझाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।नवरात्रि का वास्तविक आध्यात्मिक अर्थ अपने भीतर छिपे क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष जैसे दुर्गुणों का नाश करना है। माँ के चरणों में दीप प्रज्वलित करने के साथ-साथ किसी के जीवन में आशा का दीप जलाएँ, जरूरतमंदों की सहायता करें और समाज में प्रेम तथा मानवता का प्रकाश फैलाएँ–तभी इस पर्व की सार्थकता सिद्ध होगी। आइए, इस नवरात्रि पर संकल्प लें कि भक्ति के साथ मानवता, परंपरा के साथ संस्कार और शक्ति के साथ नारी सम्मान को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाएँगे।

नवरात्रि का वास्तविक उत्सव तभी मनाया जाता है, जब गरबा की ताल के साथ हृदय में श्रद्धा जागे, जीवन में सदाचार खिले और पूरे समाज में एकता तथा सद्भावना का प्रकाश फैले।

## करेंट अफेयर्स- भारतीय पायलट को इजराइल का वीरता सम्मान, कैंसर दवाओं के व्यापारिक मार्जिन पर 30% की सीमा

सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण खबरें; कैप्टन स्मित मच्छर को नागरिक वीरता पुरस्कार देने की घोषणा, कैंसर मरीजों को दवाओं की कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय स्तर की दो महत्वपूर्ण खबरें सामने आई हैं। पहली खबर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को इजराइल के नागरिक वीरता सम्मान के लिए चुने जाने से जुड़ी है। दूसरी खबर कैंसर की कुछ दवाओं पर व्यापारिक मार्जिन अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने की है। ये दोनों विषय सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर को देश का सर्वोच्च नागरिक वीरता सम्मान, 'स्टेट ऑफ इजराइल प्रेसिडेंशियल अवार्ड फॉर सिविलियन हीरोइज्म' देने की घोषणा की है। यह सम्मान विमान में संकट के दौरान उनकी बहादुरी और यात्रियों की जान बचाने में निभाई गई भूमिका के लिए दिया जाएगा।दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले महीने तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की एक उड़ान में कैप्टन स्मित मच्छर पर उनके सह-पायलट ने हमला कर दिया था। आरोप है कि सह-पायलट विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश कर रहा था। इस दौरान कैप्टन मच्छर गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी। उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोला, जिससे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को अंदर पहुंचने तथा हमलावर को काबू करने में मदद मिली। इसके बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक की ओर मोड़ा गया और उसमें सवार लोगों की जान बचाई जा सकी।

शुरुआत में इजराइल ने उन नागरिकों को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित करने की घोषणा की थी, जिन्होंने हमलावर को पकड़ने और घायल कैप्टन की मदद करने में भूमिका निभाई थी। इसके बाद भारतीय पायलट को सम्मानित नहीं किए जाने को लेकर सवाल उठे। अब राष्ट्रपति की ओर से कैप्टन मच्छर को सम्मान देने की घोषणा की गई है।

इधर, केरलम पोस्टल सर्किल ने भी कैप्टन स्मित मच्छर के सम्मान में विशेष डाक आवरण जारी करने की घोषणा की है। इसके लिए 9 अक्टूबर को तिरुवनंतपुरम में विशेष समारोह आयोजित करने की जानकारी दी गई है।

कैंसर मरीजों को महंगी दवाओं से राहत दिलाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने दवा मूल्य निर्धारण से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम उठाया है। 8 अक्टूबर को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने कुछ गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर व्यापारिक मार्जिन अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में अनुचित बढ़ोतरी और अत्यधिक मुनाफाखोरी पर अंकुश लगाना है। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, इस व्यवस्था से संबंधित दवाओं की कीमतों में 70 प्रतिशत तक कमी आने की उम्मीद है।

## (रविवार)11 अक्टूबर 2026




# कोरोना के दौर की राष्ट्रीय महामारी या दवा बाज़ार का सबसे बड़ा खेल? 1,000 करोड़ रुपये के 'डोलो 650' विवाद का काला सच

नई दिल्ली/अहमदाबाद। कोरोना वायरस की वैश्विक महामारी के दौरान, जब पूरा देश डर, लाचारी और बीमारी से जूझ रहा था, एक नाम हर घर में सबसे ज़्यादा गूंज रहा था - 'डोलो 650'। आम सर्दी-खांसी हो या कोरोना का आम बुखार, हर डॉक्टर की पर्ची पर इसी टैबलेट का नाम देखा गया। सोशल मीडिया पर इस दवा को लेकर मीम्स की बाढ़ आ गई, और लोग इसे चाय-नाश्ते की तरह लेने लगे। लेकिन, यह टैबलेट जितनी ज़्यादा पॉपुलर हुई, उतनी ही बड़ी कॉन्ट्रोवर्सी भी इससे जुड़ी। 1,000 करोड़ रुपये के रिश्वत और मुफ़्तखोरी स्कैम ने पूरे देश में मेडिकल और राजनीतिक दुनिया को हिलाकर रख दिया था।

### कोरोना में डॉक्टरों ने 'डोलो 650' को इतना प्रमोट क्यों किया?

आमतौर पर पैरासिटामोल की डोज़ 500 मिलीग्राम (द्वद्द) होती है, जो भारत में सरकारी प्राइस कंट्रोल के अंदर आती है। यानी, सरकार 500 द्वद्द तक पैरासिटामोल की कीमतों को कंट्रोल करती है, ताकि कंपनियां मनमानी कीमतें न वसूल सकें। लेकिन माइक्रो लैब्स नाम की एक दवा कंपनी ने इसमें बदलाव किया और डोज़ बढ़ाकर 650 द्वद्द कर दिया।

नियम यह है कि 500 ??द्वद्द से ज़्यादा की दवाएं सरकारी प्राइस कैप के सीधे कंट्रोल से बाहर होती हैं। इसी कमी का फ़ायदा उठाकर कंपनी ने ज़्यादा मार्जिन पर बेचना शुरू कर दिया। कोरोना के डर का फ़ायदा उठाकर कंपनी ने डॉक्टरों को यह दवा ज़्यादा लिखने (रिकमेंड करने) के लिए बढ़ावा दिया।

### 1,000 करोड़ रुपये के विवाद और मुफ़्तखोरी घोटाले के पीछे का सच:

यह मामला तब सामने आया जब 'फेडरेशन ऑफ़ मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेज़ेंटेटिव्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया' ने सुप्रीम कोर्ट में एक पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन फ़ाइल की। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि 'डोलो 650' बनाने वाली कंपनी ने देश भर के डॉक्टरों को यह दवा लिखने के लिए मनाने के लिए उन्हें फ्रीबीज़ (फ्री गिफ्ट, विदेश यात्राएं, लग्ज़री गिफ्ट और स्पॉन्सरशिप) बांटे थे। कोर्ट में मामले की सुनवाई करते हुए उस समय के जज (जो बाद में देश के चीफ जस्टिस बने) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने खुद हैरानी जताते हुए कहा, 'यह बहुत गंभीर मामला है... जब मुझे कोरोना हुआ था, तो मुझे भी यह दवा लेने की सलाह दी गई थी। '

क्या हर बुखार या मरीज़ के लिए 650 द्वद्द की डोज़ ज़रूरी है?

मेडिकल एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक नॉर्मल उम्र के व्यक्ति के लिए पैरासिटामोल की स्टैंडर्ड डोज़ 500 द्वद्द है। हर आम बुखार में शरीर के वज़न और बुखार की गंभीरता पर ध्यान दिए बिना सीधे 650 द्वद्द की भारी डोज़ देना मेडिकल नज़रिए से बहुत खतरनाक साबित हो सकता है। लंबे समय तक या बिना डॉक्टरी सलाह के ज़्यादा मात्रा में पैरासिटामोल लेने से लिवर और किडनी को हमेशा के लिए नुकसान हो सकता है। कंपनी ने अपनी बिक्री के आंकड़े बढ़ाने के लिए 650 द्वद्द को 'बुखार की स्टैंडर्ड दवा' के तौर पर मार्केट में प्रमोट किया था, जो पब्लिक इंटरेस्ट से समझौता करने जैसा था।

क्या इस 1,000 करोड़ रुपये के विवाद के पीछे का असली सच कभी सामने आएगा?

यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के बाद, दवा कंपनियों के गलत मार्केटिंग तरीकों और डॉक्टर-कंपनी की मिलीभगत का पर्दाफाश हुआ, लेकिन देश के हेल्थकेयर सिस्टम में कानूनी कमियों की वजह से ज़्यादातर कंपनियां खुलेआम बच निकलती हैं। सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ डायरेक्ट टैक्स ने भी इस मामले की जांच शुरू की। जनता की सेहत से व्यापार करके करोड़ों-अरबों रुपये कमाने वाली फार्मा लॉबी के खिलाफ परमानेंट और सख्त कानूनी अनुशासन (यूनिफॉर्म कोड ऑफ़ फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेस) की मांग अभी भी बरकरार है। आम आदमी की कीमत पर खेले जा रहे इस खेल का पूरा सच कब सामने आएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कब होगी, यह सवाल आज भी देश के हर नागरिक के मन में एक बड़ा सवाल बना हुआ है।

## मंडला में गणेश पंडाल में बड़ा हादसा, करंट फैलने से 4 की मौत, 2 घायल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गुना।** मंडला में गणेश पंडाल में करंट फैलने से बड़ा हादसा हो गया. इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई. वहीं, 2 लोग घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है.घटना नैनपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव की है. बताया जा रहा है कि गणेश विसर्जन के बाद कुछ लोग गणेश पंडाल के मंच पर सो रहे थे. इसी दौरान अचानक पंडाल में करंट फैल गया. घटनास्थल पर मौजूद लोग इसकी चपेट में आ गए.

### शॉर्ट सर्किट या तार टूटने से हादसे की आशंका

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, करंट फैलने की वजह शॉर्ट सर्किट या बिजली का तार टूटना हो सकती है. हालांकि, घटना की सही वजह अभी स्पष्ट नहीं है. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची. अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया.मंडला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने मोबाइल फोन पर घटना की पुष्टि की है. उन्होंने बताया कि गणेश पंडाल में करंट फैलने से चार लोगों की मौत हुई है. दो लोग घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत गंभीर है. पुलिस और प्रशासन की ओर से घटना की जानकारी जुटाई जा रही है. करंट कैसे फैला, इसकी जांच की जा रही है. हादसे के बाद गांव में भी शोक माहौल है

## सीएम मोहन यादव को जान से मारने की धमकी, डायल-112 के व्हाट्सएप नंबर पर आया था मैसेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डायल-112 के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर एक व्यक्ति ने धमकी भरा मैसेज भेजा था, जिसे बाद में डिलीट भी कर दिया गया था। क्राइम ब्रांच ने तकनीकी जांच के आधार पर आरोपी को मुंबई से दबोच लिया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। बुधवार को भोपाल के भदभदा स्थित रेडियो मुख्यालय में डायल-112 के हेल्पलाइन व्हाट्सएप नंबर पर एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री को जान से खत्म करने की धमकी वाला संदेश भेजा था। इस घटना के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था।जानकारी के मुताबिक, 23 सितंबर की सुबह करीब 11.30 बजे डायल-112 के आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर पर एक धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। संदेश भेजने वाले ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का नाम लिखकर उन्हें जान से मारने की बात कही और लिखा कि वे ज्यादा दिन तक नहीं बच पाएंगे। इतना ही नहीं, आरोपी ने मैसेज भेजने के बाद उसमें कुछ और बातें जोड़ीं और बाद में उस संदेश को एडिट कर डिलीट भी कर दिया। हालांकि, सतर्क पुलिसकर्मियों ने समय रहते इसका स्क्रीनशॉट सुरक्षित रख लिया था।क्राइम ब्रांच ने मुंबई से दबोचा आरोपीसंदेश देखने के बाद डायल-112 के कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। रेडियो मुख्यालय की तरफ से भोपाल पुलिस को इसकी आधिकारिक शिकायत दी गई। मामला क्राइम ब्रांच के पास पहुंचने के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए प्रकरण दर्ज किया। क्राइम ब्रांच ने व्हाट्सएप नंबर की तकनीकी जांच शुरू की तो आरोपी की लोकेशन महाराष्ट्र के मुंबई में मिली। इसके बाद पुलिस की एक विशेष टीम तुरंत मुंबई रवाना हुई और शुक्रवार को आरोपी को धर दबोचा। पुलिस के पास आरोपी के खिलाफ स्क्रीनशॉट और पुख्ता डिजिटल साक्ष्य मौजूद हैं।



## आर्मी से रिटायर्ड हवलदार ने 7 महीने की गर्भवती से किया दुष्कर्म, ग्रामीणों में फूटा गुस्सा

## तनाव के बाद अतिरिक्त पुलिस बल तैनात



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**खरगोन।** जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में सात महीने की एक गर्भवती महिला के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सेना से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हवलदार को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के सामने आने के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

### घर में घुसकर की गई हैवानियत

भीकनगांव के एसडीओपी केतन अड़लक ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित महिला वर्तमान में अपने मायके में रह रही थी। आरोप है कि शुक्रवार रात करीब 11 बजे आरोपी माल सिंह रंधावे, जो सेना से हवलदार के पद से रिटायर्ड है, चुपचाप महिला के घर में घुसा और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने महिला को जान से मारने की धमकी भी दी। हालांकि, डरी-सहमी महिला ने हिम्मत जुटाकर तुरंत अपने परिजनों को पूरी बात बताई, जिसके बाद परिजनों के साथ थाने पहुंचकर मामला दर्ज कराया गया। महिला की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी माल सिंह रंधावे को शुक्रवार शाम को ही गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी सेना से रिटायर्ड हवलदार है। उसे शनिवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। केतन अड़लक, एसडीओपी, भीकनगांव घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को मिली, बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बढ़ते तनाव को देखते हुए चैनपुर थाना प्रभारी गणपत कनेल तुरंत भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए ग्रामीणों को समझाइश दी और स्थिति को नियंत्रण में लिया। एहतियात के तौर पर पूरे इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे।

# सिसकती जिंदगी और गांव में दहशत... आजमगढ़ कांड के बाद 6 बच्चियों और 2 महिलाओं ने छोड़ा घर! बिखरते परिवार की कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**आजमगढ।** आजमगढ़ के शंभूपुर गांव में एक परिवार से जुड़ी पांच मौतों के बाद अब पीछे बची जिंदगी डर और अनिश्चितता के बीच गुजर रही है. परिवार की दो महिलाएं और छह बच्चियां गांव छोड़कर सुलतानपुर में रिश्तेदार के यहां रहने को मजबूर हैं. जिस घर में कभी परिवार रहता था, उस पर पुलिस का ताला लगा है. पूरा परिवार अपने गांव से डरकर दूर रह रहा है.उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ का एक घर... जहां कभी बच्चों की आवाजें आती थीं. लोग आते-जाते थे. परिवार के लोग साथ बैठते थे. लेकिन अब उसी घर के दरवाजे पर पुलिस का ताला लगा है. घर के अंदर जाने की इजाजत नहीं है. जो लोग उस घर में रहते थे, वो अब अपने गांव से दूर रिश्तेदार के यहां रह रहे हैं.ये कहानी आजमगढ़ के शंभूपुर गांव की है. एक ऐसी घटना के बाद, जिसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई. अब परिवार में दो महिलाएं और छह बच्चियां बची हैं. ये सभी सुलतानपुर के महमूदपुर गांव में रिश्तेदारों के यहां रहने को मजबूर हैं. इन बच्चियों के सामने अब पढ़ाई से लेकर पेट पालने तक के सवाल हैं. महिलाओं के सामने जिंदगी दोबारा खड़ी करने की चुनौती है. और पूरे परिवार के मन में एक डर बैठा हुआ है.कुछ दिन पहले शंभूपुर गांव में एक घर में पूजा-पाठ चल रहा था. परिवार के मुताबिक, गृह शांति के लिए पुरोहितों को बुलाया गया था. इसके बाद जो हुआ, उसने पूरे इलाके को हिला दिया. पुलिस की जांच के मुताबिक, अरविंद सिंह पर अपनी पत्नी और घर में पूजा कराने आए दो पुरोहितों की हत्या का आरोप लगा. आरोप यह भी है कि उसने अपने एक बेटे की भी हत्या कर दी. इसके बाद पुलिस कार्रवाई में अरविंद सिंह की भी मौत हो गई. यानी एक ही परिवार और उससे जुड़ी इस घटना में कुल पांच लोगों की जान चली गई. अब उसी घर में पुलिस का ताला लगा है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. इसलिए घर के कमरों को सील किया गया है. परिवार के जो लोग बचे हैं, वो वहां नहीं रह रहे. लेकिन सिर्फ पुलिस का ताला ही वजह नहीं है. परिवार कहता है कि उन्हें डर भी लग रहा है.अब जरा उस परिवार की तरफ लौटिए, जो इस घटना के बाद बचा है. दो महिलाएं हैं, अब जिनके पति नहीं हैं, छह बच्चियां हैं, जिनके सामने पूरी जिंदगी पड़ी है. लेकिन जिस घर में उन्हें रहना था, वहां जाना मुश्किल है. इसलिए ये लोग सुलतानपुर के गांव पहुंच गए हैं. यहां रिश्तेदार के घर फिलहाल उनका ठिकाना है. रिश्तेदारों के यहां रहना किसी भी परिवार के लिए कुछ दिन की बात हो सकती है. लेकिन इन लोगों के सामने सवाल लंबा है. कब तक रहेंगे? बच्चियों की पढ़ाई कैसे चलेगी? घर का खर्च कैसे चलेगा? और एक सवाल- वापस अपने गांव जाएंगे तो क्या सुरक्षित रहेंगे?इस डर की कहानी आज की नहीं है



परिवार के लोग कहते हैं कि शंभूपुर में डर की कहानी कई साल पुरानी है. साल 2018 में सुनील सिंह उर्फ गुड्डू सिंह की हत्या कर दी गई थी. परिवार के मुताबिक, गुड्डू सिंह को उनके पट्टीदारों ने एक निमंत्रण में जाने के दौरान मार दिया था. इस मामले में आरोपी जेल गए. लेकिन परिवार का कहना है कि बाद में आरोपी जमानत पर बाहर

## तेज रफ्तार से आ रही बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी, चाचा और 5 साल के भतीजे की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** मऊ के दोहरीघाट-आजमगढ़ मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार चाचा और पांच वर्षीय भतीजे की मौत हो गई। उत्तरप्रदेश के मऊ के दोहरीघाट-आजमगढ़ मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार बाइक के ट्रक से टकराने से चाचा और पांच वर्षीय भतीजे की मौत हो गई। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। एक साथ चाचा-भतीजे की मौत की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, घर में चीख-पुकार मच गई।बताया जा रहा है कि दोहरीघाट कस्बे के पास पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार चाचा और पांच वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां देर रात उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई।

### देर शाम दोनों बाइक से लौट रहे थे

दोहरीघाट कस्बे के वार्ड नंबर एक खटीक टोला निवासी 30 वर्षीय आयुष चौहान पुत्र डॉ. घूरभारी चौहान शुक्रवार को अपने पांच वर्षीय भतीजे कुनाल चौहान पुत्र डॉ. मोतीचंद चौहान को लेकर नई बाजार की तरफ गया था। देर शाम दोनों बाइक से दोहरीघाट लौट रहे थे। आजमगढ़ मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित हो गई।



### बाइक की रफ्तार काफी तेज थी

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। अचानक अनियंत्रित हुई बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आयुष और कुनाल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्काल दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत गंभीर बनी रही। देर रात उपचार के दौरान चाचा आयुष चौहान और पांच वर्षीय भतीजे कुनाल चौहान की मौत हो गई।

### पोस्टमार्टम कराने से इनकार

शनिवार सुबह सूचना मिलने पर पुलिस टीम मृतकों के घर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू की। हालांकि परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस टीम देर तक परिजनों को समझाने में लगी रही। थानाध्यक्ष रामायण सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में चाचा-भतीजे की मौत हुई है। परिजन पोस्टमार्टम कराने से मना कर रहे हैं। उन्हें समझाया जा रहा है।हालांकि परिजनों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। पुलिस टीम देर तक परिजनों को समझाने में लगी रही। थानाध्यक्ष रामायण सिंह ने बताया कि मार्ग दुर्घटना में चाचा-भतीजे की मौत हुई है। परिजन पोस्टमार्टम कराने से मना कर रहे हैं।

## करोड़ों की जमीन के लालच में भतीजे ने की धर्मवीर सोलंकी की हत्या, सिलबट्टे से पीट-पीटकर बेरहमी से मार डाला था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**आगरा ।** केथाना अछनेरा के सहाई गांव में धर्मवीर सोलंकी की हत्या उनके भतीजे दुष्यंत ने की थी और इसमें उसका साथी शिवम भी शामिल था। दुष्यंत ने चाचा के पैसे और जमीन पर कब्जा पाने के लिए हत्या की योजना बनाई। बताया जा रहा है कि करोड़ों की जमीन के लालच में आकर भतीजे ने अपने चाचा धर्मवीर सोलंकी की सिलबट्टे से पीट-पीटकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। शुक्रवार सुबह को धर्मवीर सोलंकी का शव बरामद हुआ था।45 वर्षीय धर्मवीर सोलंकी साधु बन चुके थे। उन्होंने कुछ समय पहले अपने हिस्से की जमीन बेची थी। इसके बावजूद भी उसके पास तीन बीघे से अधिक जमीन शेष थी। जिसकी कीमत करोड़ों में थी। भतीजे दुष्यंत ने जमीन और चाचा की रकम हड़पने के लिए हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।धर्मवीर सोलंकी चार भाईयों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे। तीन भाई राजकुमार, वासुदेव और देशराज उनसे अलग रहते थे। परिजन ने बताया कि धर्मवीर सोलंकी अकेले रहते थे। वह रोजाना मंदिर में पूजा करने के बाद गांव की परिक्रमा करते थे। सुबह 6 बजे पशुओं को चारा डालते थे, लेकिन शुक्रवार सुबह वह कमरे से बाहर नहीं आए।एक अन्य भतीजे सौरभ सोलंकी ने बताया कि वह 9 बजे तक कमरे से बाहर नहीं आए तो उन्हें देखने के लिए गया। कई बार आवाज लगाई तो कोई जवाब नहीं आया। फोन मिलाया तो कमरे से मोबाइल फोन की घंटी की आवाज आ रही थी। उसे शक हुआ। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर देखा तो धर्मवीर सोलंकी का शव जमीन पर पड़ा हुआ था।उसे शक हुआ। कमरे का दरवाजा बाहर से बंद था। दरवाजा खोलकर देखा



## 'वोट चोरी' से जीता गया था 2023 मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव, असंभव था कमल नाथ का हारना: चुनाव आयोग पर भड़के नकुल नाथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**छिंदवाड़ा।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद नकुल नाथ ने दावा किया है कि मध्य प्रदेश का 2023 का विधानसभा चुनाव 'वोट चोरी' के जरिए जीता गया था। उन्होंने राहुल गांधी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो शेयर करते हुए कहा कि 2018 के मुकाबले 2023 में मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने की प्रक्रिया में गड़बड़ी की गई, जिससे चुनाव परिणाम प्रभावित हुए।मध्य प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर 'वोट चोरी' के आरोपों को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता नकुल नाथ ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो साझा करते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि 2023 का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 'वोट चोरी' के दम पर जीता गया था और कमलनाथ का वह चुनाव हारना असंभव था।

### 2018 और 2023 की मतदाता सूची की तुलना

नकुल नाथ ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में साल 2018 की मतदाता सूची का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि उस दौरान कांग्रेस की शिकायतों के बाद मध्य प्रदेश की वोटर लिस्ट से करीब 24 लाख फर्जी नाम हटाए गए थे। उपलब्ध आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार



भी 2018 में पुनरीक्षण के दौरान अनुपस्थित, मृत, स्थानांतरित और दोहराव वाली करीब 24 लाख प्रविष्टियों को हटाया गया था।कांग्रेस का आरोप है कि 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले भी इसी तरह की शिकायतें सामने आई थीं, लेकिन कथित फर्जी मतदाताओं के नाम उस स्तर पर नहीं हटाए गए, जिससे चुनाव परिणामों पर असर पड़ा। नकुल नाथ ने यह भी दावा किया कि चुनाव के बाद करीब 33 लाख फर्जी मतदाताओं का मामला सामने आया था, हालांकि ये आंकड़े कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के दावों पर आधारित हैं।कमल नाथ जी का मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 हारना असंभव था। बड़े पैमाने पर वोट चोरी की शुरुआत मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 से हुई थी। नकुल नाथ, पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूचियों और चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए थे। राहुल गांधी का दावा था कि उनकी तकनीकी टीम ने कुछ चुनावी नतीजों और वोटर लिस्ट की विसंगतियों को लेकर विश्लेषण किया है। कांग्रेस ने इस पूरी प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो अपने आधिकारिक मंचों पर भी साझा किया है, जिसे अब नकुल नाथ ने मध्य प्रदेश के संदर्भ में आगे बढ़ाया है। इन बयानों के बाद राज्य में राजनीतिक सरगर्मी एक बार फिर तेज हो गई है। लेकिन कथित फर्जी मतदाताओं के नाम उस स्तर पर नहीं हटाए गए, जिससे चुनाव परिणामों पर असर पड़ा। नकुल नाथ ने यह भी दावा किया कि चुनाव के बाद करीब 33 लाख फर्जी मतदाताओं का मामला सामने आया था, हालांकि ये आंकड़े कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं के दावों पर आधारित हैं।

## बांदा: झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से रेप, 55 साल का तांत्रिक गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**बांदा।** बांदा में झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से कथित रेप का मामला सामने आया है. पुलिस ने 55 वर्षीय तांत्रिक परशुराम यादव को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक नरैनी क्षेत्र की महिला अपनी बीमार बेटी को इलाज के लिए आरोपी के पास लेकर गई थी. आरोप है कि इसी दौरान तांत्रिक ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया.बांदा में झाड़-फूंक के नाम पर 13 साल की बच्ची से कथित रेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने इस मामले में 55 वर्षीय तांत्रिक को गिरफ्तार किया है. आरोप है कि बच्ची की बीमारी ठीक करने के बहाने उसे अपने पास बुलाया गया और इलाज के दौरान उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया.पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान इतारा मिलाउली गांव निवासी परशुराम यादव के रूप में हुई है. बबेरू सर्किल ऑफिसर कृष्णकांत त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार शाम पवारी गांव के पास से गिरफ्तार किया गया.



### झाड़-फूंक के नाम पर किया रेप

बताया जा रहा है कि नरैनी क्षेत्र की एक महिला अपनी 13 वर्षीय बेटी की तबीयत खराब होने पर उसे झाड़-फूंक से इलाज कराने के लिए आरोपी के पास लेकर गई थी. पुलिस के अनुसार बच्ची को वहां ले जाने के बाद आरोपी ने कथित तौर पर उसके साथ रेप किया.घटना की जानकारी सामने आने के बाद बिसंडा थाने में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया. पुलिस ने बच्ची को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेज दिया है. वहीं, आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है.पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों को भी जुटाया जा रहा है. बच्ची की पहचान कानून के तहत गोपनीय रखी गई है.

## पिता ने 15 साल के बेटे को खंभे से बांधा, लाठी से मरते दम तक पीटा... चोरी के पैसों को लेकर था विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**औरैया ।** एक पिता ने अपने 15 वर्षीय बेटे को चोरी के आरोप में रस्सी से बांधकर बांस की लाठी से पिटाई की. इससे बेटे की मौत हो गई. मृतक के बड़े भाई ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी. घटना यूपी के औरैया जिले की है. पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है.उत्तर प्रदेश के औरैया से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. दरअसल, यहां एक पिता ने अपने 15 साल के बेटे को पहले खंभे से बांधा. इसके बाद उसकी बांस की लाठी से बेरहमी से पिटाई की. पिटाई से बेटे की मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक, पिता बेटे से चोरी हुए पैसों को लेकर नाराज था. घटना के बाद आरोपी पिता शव को चारपाई पर रखकर घर से फरार हो गया. पुलिस ने आरोपी को 24 सितंबर को गिरफ्तार कर लिया. उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल रस्सी और बांस की लाठी भी बरामद की गई है. आरोपी की पहचान उम्मेद सिंह के रूप में हुई है.घटना 21 सितंबर की है. मामला औरैया के पूर्वा सोमवंशी गांव का है. मृतक की पहचान रिशु उर्फ ईशू (15) के रूप में हुई है. मृतक के बड़े भाई नीरज ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.बड़े भाई नीरज ने पुलिस को बताया कि 21 सितंबर को वह और उसकी बड़ी बहन गांव में गणेश पूजा और कीर्तन में शामिल होने गए थे. घर पर उनका छोटा भाई रिशु और छोटी बहन मौजूद थे. इसी दौरान उम्मेद सिंह (पिता) घर पहुंचा. वह रिशु को लेकर पहले से नाराज था. दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था.



## गणेश विसर्जन के दिन उजड़ गया घरः बीजेपी मंडल उपाध्यक्ष के दो बेटों की गहरे पानी में डूबने से दर्दनाक मौत, खंडवा में शोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**खंडवा।** देशभर में जहां गणेश विसर्जन की धूम थी और श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ बप्पा को विदाई दे रहे थे, वहीं खंडवा जिले के नाहल्दा गांव में यह उत्सव पलभर में गहरे मातम में बदल गया। गांव के समीप स्थित एक गिट्टी खदान के गहरे पानी में गणेश प्रतिमा विसर्जित करने उतरे दो सगे भाइयों की डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान विश्वास और लक्ष्य के रूप में हुई है, जो भाजपा मंडल उपाध्यक्ष मोंटू ठाकुर के बेटे थे। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। खंडवा होमगार्ड कमांडेंट आशीष कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि नाहल्दा गांव के पांच युवा, विश्वास, लक्ष्य, वैभव, गौतम और लकी गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए पास ही स्थित गिट्टी खदान पहुंचे थे। करीब 50 फीट गहरी इस खदान में बारिश का पानी भरने से इसने एक बड़े और खतरनाक तालाब का रूप ले लिया था। विसर्जन के दौरान दोनों सगे भाई पानी में उतरे, लेकिन गहराई का अंदाजा न होने के कारण वे गहरे भंवर में फंस गए।उन्हें डूबता देख बाकी तीन साथी भी बचाने के लिए कूदे, लेकिन वे भी संकट में आ गए। शोरगुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तीन युवकों को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन दोनों भाई गहरे पानी में लापता हो गए। हादसे की खबर मिलते ही खंडवा जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया। होमगार्ड और स्थानीय गोताखोरों की मदद से शाम 4 बजे ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया था। खदान की अत्यधिक गहराई को देखते हुए ओंकारेश्वर से विशेष गोताखोरों की टीम बुलवाई गई। खंडवा विधायक कंचन तन्वे



अपने सभी पूर्व निर्धारित धार्मिक कार्यक्रम छोड़कर आधी रात तक घटनास्थल पर डटी रहीं और पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया।इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि यहां नियमों को ताक पर रखकर अवैध उत्खनन किया गया और 50 फीट गहरे जानलेवा को बिना किसी सुरक्षा घेरे या फेंसिंग के खुला छोड़ दिया गया था। ग्रामीणों ने विधायक से मांग की है लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

## 'नकली पुलिस बनकर आए, फोन छीना और की हैवानियत', आस्था कुंज पार्क मामले में पुलिस ने दर्ज किया पीड़िता का बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की लड़की से गैंगरेप के मामले में दिल्ली पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने पुलिस को दिए गए बयान में घटना के दिन की पूरी आपबीती सुनाई है। पीड़िता के पुलिस को दिए बयान के अनुसार, आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर दोनों को रोका और फिर बंदूक व चाकू की नोक पर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि घटना के समय पीड़िता अपने दोस्त के साथ पार्क के गेट नंबर 7 से अंदर दाखिल होकर झूलों के पास स्थित एक बेंच पर बैठी थी। तभी करीब 30 से 35 वर्ष की आयु के तीन पुरुष उनके पास पहुंचे और दोस्त को थप्पड़ मारते हुए खुद को पुलिसवाला बताया। आरोपियों ने वहां आने पर पाबंदी की बात कहकर दोनों के मोबाइल फोन छीन लिए और दोस्त को जबरन दूसरी तरफ ले गए। बयान के अनुसार इसके बाद आरोपियों ने हथियारों के बल पर युवती को डराया-धमकाया। पीड़िता द्वारा अपनी मां से बात कराने के अनुरोध के बावजूद, आसिफ नाम के आरोपी ने जेब से काली बंदूक निकालकर दिखाई। इसके बाद अन्य दो आरोपियों ने चाकू निकाले और युवती को जबरन पार्क के एक सुनसान और अंधेरे हिस्से में ले गए। पीड़िता का आरोप है कि तीनों आरोपियों आसिफ, हेमू और दीपू ने बारी-बारी से चाकू की नोक पर उसके साथ दरिंदगी की। आरोपी आसिफ ने पीड़िता की गर्दन पर चाकू रखकर यौन उत्पीड़न किया, जबकि अन्य आरोपी पहरा दे रहे थे। वारदात के बाद आरोपियों ने पीड़िता को केवल टी-शर्ट और जींस वापस दी और धमकी दी कि यदि उन्होंने तुरंत पार्क नहीं छोड़ा या पुलिस को सूचित किया तो वे उन्हें जान से मार देंगे।




## CEC ज्ञानेश कुमार पर आर-पार के मूड में विपक्ष, इस तारीख को होगी 'इंडिया' ब्लॉक की अहम बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** सीईसी ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में होगी. बैठक में प्रमुख विपक्षी नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है. इससे पहले ममता बनर्जी और सीपीएम महासचिव एमए बेबी के बीच चुनाव आयोग से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर बातचीत हुई थी. सीईसी ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक की बैठक 30 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में होगी. बैठक में इंडिया ब्लॉक के सभी प्रमुख नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है. आज तक की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिया ब्लॉक की जल्द बैठक कराने को लेकर विपक्षी दलों के बीच बातचीत चल रही थी, जो अब बैठक की तारीख तय होने के साथ आगे बढ़ गई है. ममता बनर्जी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से बात की थी, जबकि सीपीएम महासचिव एमए बेबी इंडिया ब्लॉक के अन्य दलों से बातचीत कर रहे थे. इसमें ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी शामिल होंगे. दरअसल, सीईसी ज्ञानेश कुमार को लेकर INDIA Bloc में पहले से चर्चा चल रही थी. चुनाव आयोग में सामने आए 'मतभेद' के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी सीपीएम और टीएमसी के शीर्ष नेताओं के बीच भी बातचीत हुई थी. सूत्रों के मुताबिक, सीपीएम के पत्र पर ममता बनर्जी की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी. सूत्रों के मुताबिक, सीपीएम महासचिव एमए बेबी और एआईटीसी प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार दोपहर फोन पर बातचीत की थी. इस दौरान सीईसी ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग से जुड़े हालिया घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई थी. एमए बेबी ने अपने पत्र में INDIA Bloc प्लस की पार्टियों को एक मंच पर लाने की जरूरत बताई थी, ताकि सीईसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा सके और चुनावी सुधारों को लेकर अभियान शुरू किया जा सके. यह पत्र 23 सितंबर को भेजा गया था, जिसके जवाब में ममता बनर्जी ने अगले दिन दोपहर फोन पर बातचीत की थी. सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी और सीपीआई-एम दोनों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार और 'देश में किए जा रहे चुनावी फर्जीवाड़े' के खिलाफ बड़े स्तर पर देशव्यापी अभियान शुरू करने की जरूरत पर सहमति जताई थी. बंगाल की स्थिति पर भी बातचीत के दौरान चर्चा हुई थी. एमए बेबी ने 23 सितंबर को INDIA Bloc के नेताओं को संयुक्त विपक्षी रणनीति को लेकर पत्र भेजा था. यह पत्र दिल्ली में टीएमसी के संसदीय दल के कार्यालय को भी भेजा गया था.



## 700 करोड़ के मेडिकल इक्विपमेंट घोटाले का आरोपी राजीव रंगीला गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** करीब 700 करोड़ रुपये के कथित मेडिकल उपकरण खरीद घोटाले में एंटी करप्शन ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है. मामले में कथित मास्टरमाइंड में शामिल बताए जा रहे 50 वर्षीय राजीव रंगीला को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारियों के मुताबिक, रंगीला ने ACB के सामने सरेंडर किया, जिसके बाद उसकी गिरफ्तारी की गई. राजीव रंगीला मेडिकल उपकरणों का बड़ा सप्लायर और फार्मास्युटिकल कारोबारी बताया जाता है. यह मामला सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी और डायरेक्टरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज से जुड़ी कथित खरीद अनियमितताओं का है. ACB ने इस साल जुलाई में राजीव रंगीला को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था. अधिकारियों के मुताबिक, उसे कई बार जांच में शामिल होने के लिए कहा गया, लेकिन वह पेश नहीं हुआ. इसके बाद जांच एजेंसी ने उसकी तलाश शुरू कर दी. रंगीला की तलाश में दिल्ली-हृष्टक्रके अलावा उत्तराखंड में भी छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया गया. जांच के दौरान ACB को उसकी दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड में संपत्तियों की जानकारी भी मिली. जांच एजेंसी के मुताबिक, रंगीला राजनीति में भी किस्मत आजमा चुका है. उसने 2014 में हरियाणा विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा था, हालांकि उसे हार का सामना करना पड़ा था. करीब 700 करोड़ रुपये की कथित खरीद अनियमितताओं का यह मामला इसी साल मई में सामने आया था. विजिलेंस विभाग को शिकायतें मिलने के बाद CPA के दफ्तरों पर छापेमारी की गई थी. CPA दिल्ली सरकार के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों के लिए दवाइयों, वैक्सीन और मेडिकल उपकरणों की खरीद और सप्लाई करने वाली नोडल एजेंसी है. जांच के दौरान राजीव रंगीला की कथित भूमिका सामने आने के बाद एजेंसी ने उसे मामले के 'मुख्य लाभार्थियों' में शामिल बताया. जांच एजेंसियों के मुताबिक, रंगीला पर फर्जी कंपनियां और फर्में खड़ी कर उनके जरिए खरीद प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप है. दावा है कि इन कंपनियों के मालिक के तौर पर ऐसे लोगों के नाम इस्तेमाल किए गए, जिनका वास्तव में इनके संचालन से कोई संबंध नहीं था. एजेंसी का आरोप है कि कथित फर्जी कंपनियों और फर्मों के मालिक के तौर पर रंगीला के नौकरों और यहां तक कि चाय बेचने वाले लोगों के नाम का भी इस्तेमाल किया गया. ACB अब रंगीला से कथित खरीद घोटाले, कंपनियों के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका को लेकर पूछताछ कर सकती है. जांच एजेंसी मामले से जुड़े वित्तीय लेनदेन और संपत्तियों की भी पड़ताल कर रही है.



# भिवंडी गैंगरेप के आरोपी की मां बोली- बेटे को फांसी दो, कई लड़कियों के साथ कर चुका है ऐसी हरकत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भिवंडी।** हुए सामूहिक बलात्कार मामले में आरोपी बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील की मां सुलोचना पाटील ने अपने ही बेटे के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि बेटे ने उन्हें प्रताड़ित किया, पिस्तौल दिखाकर संपत्ति हड़पने का दबाव बनाया और कई लड़कियों के साथ ऐसी हरकत की. मां ने मांग की कि बेटे को फांसी की सजा मिलनी चाहिए. महाराष्ट्र के भिवंडी में गैंगरेप मामले में बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील का नाम सामने आने के बाद पुलिस उसकी तलाश कर रही है. इसी बीच शैलेश की मां सुलोचना पाटील ने अपने बेटे को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. सुलोचना पाटील ने कहा कि अगर उनका बेटा दोषी है तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए. उन्होंने दावा किया कि शैलेश ने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया और पैसे तथा संपत्ति के लिए उनके साथ मारपीट की. मां का आरोप है कि शैलेश ने उनके सिर पर पिस्तौल रखकर संपत्ति अपने और अपनी पत्नी के नाम करने का दबाव बनाया था. उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले पुलिस से शिकायत की गई थी. जब उन्हें अपेक्षित कार्रवाई नहीं मिली तो उन्होंने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया. सुलोचना पाटील के मुताबिक, संपत्ति से जुड़ा मामला फिलहाल अदालत में विचाराधीन है. सुलोचना पाटील ने दावा किया कि उनके पति ने जो जमीन और दूसरी संपत्तियां खरीदी थीं, उन पर भी शैलेश ने कब्जा कर लिया है. उन्होंने अपने बेटे पर करोड़ों रुपये की संपत्ति और नकदी हड़पने का आरोप लगाया. मां का कहना है कि अब वह अपने बेटे के साथ नहीं रहतीं और अपनी बेटी के घर रह रही हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि पैसे और संपत्ति के लिए उनका बेटा उन्हें लगातार परेशान करता था. सुलोचना पाटील ने शैलेश पर डांस बार में वसूली और लोगों को धमकाने जैसे कामों में शामिल होने का भी आरोप लगाया है. सुलोचना पाटील ने अपने बेटे पर एक और गंभीर आरोप लगाया. उनका दावा है कि पीड़िता के अलावा शैलेश पाटील ने कई अन्य लड़कियों के साथ भी इसी तरह की हरकत की है. इसी आधार पर उन्होंने कहा कि ऐसे बेटे



को फांसी की सजा मिलनी चाहिए. मां ने यह बात ऐसे समय कही है जब भिवंडी के कथित सामूहिक बलात्कार मामले में पुलिस शैलेश पाटील की तलाश कर रही है. हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामले में पुलिस जांच जारी है. सुलोचना पाटील ने एक IPS अधिकारी को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका दावा है कि एक IPS अधिकारी को बचाने के लिए शैलेश ने पहले किसी मामले की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली थी और इसके बाद उसे जेल जाना पड़ा था. सुलोचना पाटील का आरोप है कि जेल जाने के बाद उनका बेटा बदल गया. उन्होंने यह भी दावा किया कि बड़े अधिकारियों से कथित संरक्षण मिलने के कारण शैलेश का मनोबल बढ़ता गया. आरोपी की मां सुलोचना पाटील का कहना है कि उन्होंने अपने बेटे के खिलाफ पुलिस में शिकायत की थी. उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद उन्हें अपेक्षित कार्रवाई नहीं मिली. इसके बाद उन्होंने अदालत का रुख किया. उन्होंने यह भी कहा कि उनके पास इलाज कराने तक के लिए पैसे नहीं हैं. सुलोचना पाटील ने दावा किया कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह अदालत में आत्मदाह जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर होंगी. बता दें कि भिवंडी के पड़घा पुलिस थाने में बीजेपी के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार और बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील के खिलाफ कथित सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज किया गया है. पुलिस दोनों आरोपियों की तलाश कर रही है. आरोपियों को पकड़ने के लिए कई पुलिस टीमों के गठन की जानकारी सामने आई है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. इस पूरे मामले में शैलेश पाटील की मां के आरोप भी चर्चा में हैं, क्योंकि वह अपने ही बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही हैं.

## कुंडली दोष दूर करने के नाम पर नाबालिग से रेप, गर्भवती हुई तो खुला बाबा का राज, आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लातूर।** महाराष्ट्र के लातूर में कुंडली दोष दूर करने के नाम पर 17 साल की नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप एक ढोंगी बाबा पर लगा है. पीड़िता के गर्भवती होने के बाद मामला सामने आया. परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज को गिरफ्तार किया है. महाराष्ट्र के लातूर में कुंडली का दोष दूर करने के नाम पर 17 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है. आरोप है कि पूजा कराने के बहाने एक ढोंगी बाबा ने लड़की को डरा-धमकाकर उसका शारीरिक शोषण किया. घटना के बाद लड़की गर्भवती हो गई, तब उसने अपने माता-पिता को पूरी आपबीती बताई. मामला लातूर शहर के ठाकरे चौक इलाके का है. पीड़िता के माता-पिता बेटी की कुंडली बनवाने के लिए आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज के पास गए थे. आरोप है कि बाबा ने कुंडली में दोष बताकर पूजा कराने की बात कही. इसके बाद वह पूजा के लिए लड़की के घर पहुंचा और जाप के बहाने माता-पिता को कमरे से बाहर भेज दिया आरोप है कि माता-पिता के बाहर जाते ही बाबा ने अकेली लड़की से कहा कि कुंडली का दोष दूर करने के लिए उसे उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने होंगे. इसके बाद उसने नाबालिग के साथ जबरदस्ती की और किसी को बताने पर कुंडली का दोष दूर नहीं होने की धमकी दी. कुछ दिनों बाद लड़की के गर्भवती होने पर उसने परिवार को घटना की जानकारी दी. लड़की के माता-पिता की शिकायत पर लातूर के विवेकानंद पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई. पुलिस ने BNS की धारा 64(2) POCSO की धारा 4, 6, 8 और 12 के साथ महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन कानून की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस ने



आरोपी रामेश्वर रामदासी महाराज को हिरासत में लेकर कोर्ट में पेश किया. मामले की गहराई से जांच के लिए अदालत ने उसे चार दिन की पुलिस कस्टडी रिमांड पर भेज दिया है. पुलिस अब पूरे घटनाक्रम और आरोपी की भूमिका की जांच कर रही है. इस मामले की जांच विवेकानंद पुलिस कर रही है. पुलिस इंस्पेक्टर आर.एस. पवार और PSI ए. के. काले के नेतृत्व में जांच आगे बढ़ाई जा रही है. पुलिस मामले से जुड़े साक्ष्यों और आरोपों की पड़ताल कर रही है.

## नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस पर पथराव, 3 एसी कोच के शीशे टूटे, यात्रियों में मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नागपुर।** मुंबई जा रही दुरंतो एक्सप्रेस पर वर्धा के पास शुक्रवार रात पथराव की घटना हुई. इस दौरान ट्रेन के एसी कोच के शीशे टूट गए, जिससे यात्रियों में हड़कंप मच गया. नागपुर से मुंबई की ओर जानेवाली दुरंतो एक्प्रेस पर पथराव की खबर सामने आई है. यह घटना शुक्रवार रात वर्धा के पास हुई. पत्थर किसने फेंके और क्यों, वारदात के कारणों की जांच जारी है. इस घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया और ट्रेन के एसी कोच के शीशे फूट गए. जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात आठ बजे ट्रेन संख्या 12290 दुरंतो एक्प्रेस नागपुर से मुंबई जाने के लिए निकली थी. वर्धा के पास किसी ने ट्रेन पर पथराव कर दिया. सामने आया है कि इस पथराव 4 बोगी के शीशे क्षतिग्रस्त हुए हैं. यात्री जब खाना खा रहे थे उस दौरान अचानक पथराव हुआ. पथराव के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया. वर्धा स्टेशन पर ट्रेन को रोका गया. रेलवे पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई जिसके बाद ट्रेन मुंबई के लिए रवाना हुई. पुलिस जांच कर रही है कि पथराव किसने किया. पहले इस घटना में सिर्फ एक कोच का जिक्र था, लेकिन बाद में सामने आया कि पत्थरबाजी में एक नहीं बल्कि तीन कोच के शीशे क्षतिग्रस्त हुए हैं. राहत की बात यह रही कि घटना में किसी यात्री को चोट नहीं आई और न ही किसी तरह के नुकसान की सूचना है. रेलवे सुरक्षा बल ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. रेलवे के मुताबिक, घटना 25 सितंबर की रात करीब 8 बजकर 27 मिनट पर हुई. ट्रेन बोरखेड़ी स्टेशन से गुजर चुकी थी, तभी बाहर से किसी वस्तु या पत्थर के टकराने से कोच की खिड़कियों के शीशों में दरार आ गई घटना की जानकारी रात करीब 8 बजकर 46 मिनट पर मिलने के बाद की टीम ने जांच शुरू की. सुरक्षाकर्मियों ने बोरखेड़ी-सिंधी सेक्शन में किलोमीटर संख्या 803 से 796 तक तलाशी अभियान चलाया. इसके अलावा बोरखेड़ी और ब्राह्मणी गांव के आसपास के इलाकों की भी जांच की गई. पुलिस पाटिल और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी संदिग्ध व्यक्ति या घटना से जुड़ा कोई ठोस सबूत नहीं मिला. ट्रेन में तैनात एस्कॉर्ट स्टाफ और यात्रियों से भी घटना के बारे में जानकारी ली गई. उन्होंने बताया कि रात करीब 8:27 बजे बाहर से कोई वस्तु या पत्थर ट्रेन की खिड़कियों से टकराया था. हालांकि अभी घटना की सटीक जगह का पता नहीं चल पाई है. इसे लेकर आगे की जांच जारी है. मामले में 26 सितंबर को रात 2 बजकर 55 मिनट पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 153 के तहत क्राइम नंबर 325/2026 दर्ज किया गया है. RPF मामले की जांच कर रही है और पत्थर फेंकने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है.



# मुनाफे का लालच पड़ा भारी 59 साल की महिला से 1 करोड़ की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**ठाणे.** महाराष्ट्र के ठाणे में साइबर ठगी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां 59 साल की एक महिला को फर्जी शेयर ट्रेडिंग ऐप के जरिए करोड़ों रुपये के मुनाफे का लालच दिया गया. साइबर जालसाजों ने पहले महिला से 1.1 करोड़ रुपये अलग-अलग बैंक खातों में जमा करवाए और फिर ऐप पर उसके निवेश का मुनाफा बढ़ाकर 13.67 करोड़ रुपये दिखा दिया. जब महिला ने अपनी रकम निकालनी चाही तो ठगों ने नया जाल बिछा दिया. एक एजेंसी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि घोड़बंदर रोड की रहने वाली महिला को जालसाजों ने एक लिंक भेजा था. इस लिंक के जरिए उसे फर्जी ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कराया गया. इसके बाद 4 अगस्त से 10 सितंबर के बीच महिला ने कई बैंक खातों में कुल 1.1 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए. ऐप पर लगातार मुनाफा बढ़ता हुआ दिखाया गया, जिससे उसे अपने निवेश पर भरोसा होता गया. ठगी का असली खेल तब सामने आया जब महिला ने अपनी रकम निकालने की कोशिश की. ऐप पर उसके खाते में 13.67 करोड़ रुपये का मुनाफा दिख रहा था, लेकिन पैसे निकालने के लिए उससे अतिरिक्त भुगतान करने को कहा गया. इसी दौरान महिला को शक हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है. इसके बाद उसने ठाणे साइबर पुलिस से शिकायत की. पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता



और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. साइबर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर राहुल सोनवणे ने बताया कि मामले की जांच जारी है. पुलिस उन बैंक खाताधारकों और फर्जी ट्रेडिंग ऐप को संचालित करने वाले लोगों की पहचान करने में जुटी है, जिनके जरिए रकम ट्रांसफर कराई गई.

## बीड, धराशिव समेत 75% महाराष्ट्र सूखा घोषित, देवेंद्र फडणवीस ने किसान मजदूरों के लिए किए कई ऐलान



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई .** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों (तहसील) में से 265 में सूखा घोषित किया गया है। जिन 265 तालुकों में 'ट्रिगर-1' के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा-प्रभावित घोषित किया गया है। इससे पता चलता है कि राज्य के लगभग 75 प्रतिशत तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट (7.5 हॉर्सपावर कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों का बिजली बिल पहले ही माफ है, अब उससे ज़्यादा कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों को भी छूट), स्कूल-कॉलेज के छात्रों की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील देकर अधिक से अधिक काम शुरू किए जाएंगे। सीएम ने कहा कि जहां जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों-खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारे का इंतजाम, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक, पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए गए हैं।सके पहले 24 सितंबर वाशिम दौरे पर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार जल्द ही प्रभावित इलाकों में गंभीर सूखा घोषित करने के लिए एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी करेगी। साथ ही, खेती-किसानी के बढ़ते संकट से जूझ रहे राज्य में उन सभी पात्र किसानों को फसल कर्ज माफी का लाभ दिया जाएगा, जो पिछली योजनाओं में छूट गए थे। सीएम ने गांव में किसानों को संबोधित करते हुए लोगों को भरोसा दिलाया था कि सरकारी तंत्र ग्रामीण राहत कार्यों को प्राथमिकता देगा। मुख्यमंत्री ने कहा था कि आर्थिक मदद के अलावा, मवेशियों के लिए चारा बांटने और फसल के नुकसान का आकलन (पंचनामा) तेजी से करने के लिए आपातकालीन उपाय कर रहा है।

## कश्मीरी गेट में कलेक्शन एजेंट की चाकू गोदकर हत्या, 15 लाख रुपये लेकर फरार हुए बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** कश्मीरी गेट के यमुना बाजार इलाके में गुरुवार शाम लूट का विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू गोदकर ई-रिक्शा सवार कलेक्शन एजेंट की हत्या कर दी थी। बदमाश करीब 15 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे। जबकि दूसरे बैग में 20 से 25 लाख रुपये थे, जो बदमाश लूटने में कामयाब नहीं हो सके। वारदात के पीछे पुलिस को पहले से रेकी किए जाने का शक है। जांच में सामने आया है कि बदमाशों को ई-रिक्शा में बड़ी रकम होने की जानकारी थी। विरोध करने पर बदमाशों ने ई-रिक्शा के ड्राइवर और यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया था। जबकि रिक्शे में सवार प्रभात के भतीजे सचिन और एक




अन्य यात्री आकाश घायल हो गए थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मध्य प्रदेश के मुरैना निवासी प्रभात और सचिन एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के लिए कलेक्शन एजेंट का काम करते हैं। दोनों गांधी नगर से चांदनी चौक के हैदर कुली जा रहे थे। उनके पास दो बैग थे, जिनमें करीब 30 से 40 लाख रुपये रखे थे। यमुना बाजार के पास बदमाशों ने ई-रिक्शा को रोक लिया और एक बैग लेकर भाग गए। घायल प्रभात, सचिन और आकाश को सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान प्रभात की मौत हो गई। सचिन को आरएमएल अस्पताल रेफर कर दिया गया। आकाश को गुरुवार रात ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि कलेक्शन एजेंटों के पास इतनी बड़ी रकम होने की जानकारी बदमाशों को कैसे मिली। आशंका है कि किसी अंदरूनी शख्स ने तो जानकारी नहीं दी। खबर लिखे जाने तक इस वारदात के 24 घंटे बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी थी।

## दिल्ली में तेज रफ्तार का कहर, रेड लाइट पर ऑटो और ई-रिक्शा को कार ने मारी टक्कर, एक की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास तेज रफ्तार कार ने ऑटो और ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. दिल्ली के सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास तेज रफ्तार कार ने एक ऑटो और ई-रिक्शा को टक्कर मार दी. हादसे में ऑटो सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के बाद कार चालक गाड़ी मौके पर छोड़कर फरार हो गया. जानकारी के मुताबिक, हादसा साउथ ईस्ट दिल्ली में सुखदेव विहार मेट्रो स्टेशन के पास हुआ. ऑटो और ई-रिक्शा रेड लाइट पर मौजूद थे. इसी दौरान तेज रफ्तार से आई कार ने दोनों वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो और ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. हादसे में ऑटो में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है. वहीं हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया. बताया जा रहा है कि आरोपी चालक अपनी कार घटनास्थल पर ही छोड़ गया. पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. कार के रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य जानकारियों के आधार पर चालक



की पहचान और उसकी तलाश की जा रही है. पुलिस हादसे के घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की भी जांच कर सकती है. फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

## पूनावाला फिनकॉर्प का लाभ पांच गुना होकर 375 करोड़ पहुंचा

**नई दिल्ली ।**

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पूनावाला फिनकॉर्प का सितंबर तिमाही में मुनाफा पांच गुना होकर 375 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से ब्याज आय में वृद्धि के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने एक साल पहले की समान तिमाही में 74 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। पूनावाला फिनकॉर्प ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 2,625 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 1,543 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ब्याज आय भी जुलाई-सितंबर तिमाही में उल्लेखनीय रूप से बढ़कर 2,416 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 1,402 करोड़ रुपये थी। कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 30 सितंबर, 2026 तक बढ़कर 74,008 करोड़ रुपये हो गईं।

## केनरा एचएसबीसी लाइफ का लाभ पांच प्रतिशत बढ़कर 43 करोड़ हुआ

**नई दिल्ली ।**

केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में पांच प्रतिशत बढ़कर 43 करोड़ रुपये रहा। बीमा कंपनी ने पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में 41 करोड़ रुपये का मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि केनरा बैंक प्रवर्तित बीमा कंपनी की कुल आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 2,511 करोड़ रुपये रही, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,349 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 2,553 करोड़ रुपये का प्रीमियम जुटाया, जबकि पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में यह 2,260 करोड़ रुपये था।

## यूपी सरकार ने बढ़ाया धान खरीद का लक्ष्य, एमएसपी भी रिकॉर्ड स्तर पर

**- अक्टूबर से शुरू होगी खरीद, 48 घंटे में भुगतान के निर्देश; ऐसे करें रजिस्ट्रेशन**

**नई दिल्ली ।**

उत्तर प्रदेश सरकार ने खरीफ सीजन 2026-27 के लिए धान खरीद नीति को मंजूरी दे दी है, जिससे किसानों को इस बार अपनी उपज का अधिक दाम मिलेगा। सरकार ने न केवल समर्थन मूल्य (एमसएपी) में वृद्धि की है, बल्कि खरीद का लक्ष्य भी बढ़ाया है, जिससे अधिक किसानों को लाभ मिल सके। धान की फसल तैयार होने के साथ ही किसानों की नजरें अब सरकारी खरीद पर टिकी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस साल 65 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले सीजन के 62 लाख मीट्रिक टन से 3 लाख मीट्रिक टन अधिक है। इसके लिए प्रदेशभर में 4,500 खरीद केंद्र बनाए जाएंगे, जहां आठ सरकारी एजेंसियां धान की खरीद करेंगी। खरीद प्रक्रिया दो चरणों में चलेगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 अक्टूबर 2026 से 15 फरवरी 2027 तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 1 नवंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक धान खरीदा जाएगा। समर्थन मूल्य की बात करें तो, सामान्य धान का एमएसपी 2,441 रुपये प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान का 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो पिछले साल से 72 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। किसान खाद्य एवं रसद विभाग की वेबसाइट एफसीएसडाटअपडाटजीओवीडाटइन पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड, आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर, बैंक खाते का विवरण और जमीन के कागजात आवश्यक होंगे।

## यूबॉन ने किया नया सीएच-285 2-इन-1 पार्टी ड्राइव एफएम कार मॉड्यूलेटर लॉन्च

**नई दिल्ली ।**

इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड यूबॉन ने एक नया सीएच-285 2-इन-1 पार्टी ड्राइव एफएम कार मॉड्यूलेटर लॉन्च किया है। कंपनी द्वारा यह डिवाइस खासतौर पर रोड ट्रिप और पारिवारिक यात्राओं के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो म्यूजिक और मनोरंजन को बेहतर बनाता है। इसकी सबसे खास बात इसमें मिलने वाले दो वायरलेस माइक्रोफोन हैं, जो कार के एफएम सिस्टम के साथ मिलकर उपयोगकर्ताओं को कार के अंदर ही कराओके का अनुभव देते हैं। यह डिवाइस किसी भी स्मार्टफोन या अन्य संगत डिवाइस से वायरलेस तरीके से कनेक्ट हो सकता है, जिससे म्यूजिक को कार के एफएम ऑडियो सिस्टम पर सुना जा सकता है। कराओके के अनुभव को और मजेदार बनाने के लिए, यूबॉन ने इसमें 6 अलग-अलग वॉयस इफेक्ट्स दिए हैं, जिनकी मदद से उपयोगकर्ता अपनी आवाज में विभिन्न तरह के प्रभाव जोड़ सकते हैं।

## भारतीय शेयर बाजार अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में कर सकता है अच्छा प्रदर्शन, कॉरपोरेट आय 17 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद - रिपोर्ट

**नई दिल्ली।**

भारतीय शेयर बाजार इस साल डॉलर में 15.6 प्रतिशत गिरने के बाद भी अन्य क्षेत्रीय बाजारों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। साथ ही, अगले वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय में 17 प्रतिशत तक की बढ़त हो सकती है। जेफरीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी के ग्लोबल हेड क्रिस वुड द्वारा तैयार की गई %एशिया मैक्सिमा% रिपोर्ट में एमएससीआई एसी एशिया पैसिफिक (जापान को छोड़कर) इंडेक्स में 10.5 प्रतिशत के वेटेज के मुकाबले भारत के लिए 12 प्रतिशत आवंटन की सिफारिश की गई थी।

स्थानीय मुद्रा में निफ्टी 13.4 प्रतिशत नीचे है और इंडोनेशिया (जिसमें 42.3 प्रतिशत की गिरावट आई है) के बाद दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला मार्केट है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की संरचनात्मक विकास की कहानी बरकरार है और डेटा भी मजबूत बना हुआ है।

वुड का मानना है कि वित्त वर्ष 27 में भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर 6.5-7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। वहीं, नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 11-12 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके अलावा, चालू वित्त वर्ष में कॉरपोरेट आय वृद्धि दर 14 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में यह 17 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सितंबर के मध्य तक बैंक क्रेडिट में साल-दर-साल 18.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, अगस्त में कॉर्पोरेट लोन 21.6 प्रतिशत बढ़े,



छोटे, मध्यम और सूक्ष्म उद्यमों (एमएसएमई) को दिए गए लोन में 25.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई और जमा राशि में 17.3 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

रिपोर्ट के अनुसार, कॉर्पोरेट लोन में बढ़ोतरी से संकेत मिलता है कि निजी क्षेत्र का लंबे समय से प्रतीक्षित पूंजीगत व्यय चक्र आखिरकार शुरू हो सकता है।

इसके अलावा, अगस्त में समाप्त 12 महीनों में मशीनरी का आयात कुल 66 अरब डॉलर रहा, जबकि वित्त वर्ष 2021 में यह 29 अरब डॉलर था।

वुड ने यह भी बताया कि 2025 की शुरुआत से 10.7 प्रतिशत की गिरावट के बाद भारतीय रुपया शायद अपने निचले स्तर पर पहुंच गया है।

## बीते सप्ताह सोने में हल्की तेजी, चांदी में गिरावट रही

**सोना 1829 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 149430 रुपए, चांदी में 3048 की गिरावट**

**नई दिल्ली।**

बीते सप्ताह भारतीय सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में मामूली तेजी दर्ज की गई, हालांकि यह 1.50 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे बना हुआ है। वहीं चांदी के दाम में गिरावट देखने को मिली। वैश्विक अस्थिरता, बढ़ती ब्याज दरें और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल जैसे कारक सोने के बाजार पर दबाव बनाए हुए हैं। इंडियन बुलियंस ज्वैलर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार 24 कैरेट सोने का भाव बीते सप्ताह 1829 रुपये प्रति 10 ग्राम बढ़कर 149430 रुपये पर पहुंच गया है। इसके बावजूद यह 1.50 लाख रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे बना हुआ है। दूसरी ओर चांदी के दाम में 3048 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है और यह शुक्रवार को 221109 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। अमेरिकी फेड रिजर्व और आरबीआई द्वारा हाल ही में ब्याज दरों में बढ़ोतरी, वैश्विक बॉन्ड यील्ड में लगातार तेजी और भू-राजनीतिक अस्थिरता ने सोने पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक सोने की बजाय बॉन्ड बाजार का रुख कर रहे हैं, जिससे कीमती धातु करेक्शन के दौर से गुजर रही है। हालांकि, कुछ सकारात्मक संकेत भी हैं। चीन का केंद्रीय बैंक लगातार सोने की खरीदारी कर रहा है, और भारत सहित दुनिया भर में ईटीएफ की मांग में तेजी देखी जा रही है। अमेरिकी वित्तीय चिंताएं भी सोने को समर्थन दे सकती हैं।

## उपग्रह ब्रॉडबैंड- भारत में एकाधिकार नहीं, तीन कंपनियों को लाइसेंस जारी- सिंधिया

**- संचार मंत्री ने मस्क के आरोपों को खारिज किया, स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण पर ट्राई से चर्चा जारी**

**नई दिल्ली ।**

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उपग्रह ब्रॉडबैंड (सैटकॉम) सेवाओं के लाइसेंसिंग विवाद पर भारत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि देश किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने इंडिया मोबाइल कांग्रेस में बताया कि रिलायंस जियो, वनवेब और एलन मस्क की स्टारलिंक सहित सभी तीन प्रमुख कंपनियों को लाइसेंस दिए जा चुके हैं। सिंधिया का यह बयान ऐसे समय आया है जब एलन मस्क ने भारत में स्टारलिंक की सेवाओं को बाधित करने के ताकतवर कारोबारियों पर आरोप लगाए थे। सरकार ने इन आरोपों को निराधार बताया है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि एमेजॉन कुइपर जैसी अन्य इच्छुक कंपनियों को भी निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा, क्योंकि भारत की दूरसंचार और उपग्रह सेवाओं की मंजूरी व्यवस्था निष्पक्ष और भेदभाव रहित है। सरकार उपग्रह स्पेक्ट्रम की कीमत तय करने के लिए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के साथ चर्चा कर रही है। संचार मंत्री ने जोर देकर कहा कि सभी कंपनियों को सेवाएं शुरू करने से पहले सुरक्षा संबंधी शर्तों को पूरा करना होगा, जिसकी जांच और मंजूरी गृह मंत्रालय द्वारा की जाएगी। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय उपभोक्ताओं को विविध सेवाएं मिलें और वे अपनी पसंद का सेवा प्रदाता चुन सकें।

## सेंसेक्स-निफ्टी में एक फीसदी से अधिक की तेजी रही

**आठ हफ्तों की गिरावट से राहत, फिर बिकवाली और शुक्रवार को जोरदार वापसी**

**मुंबई ।**

लगातार आठ हफ्तों की गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। निवेशकों को सप्ताह की शुरुआत में जहां कुछ राहत मिली, वहीं मध्य सप्ताह में अचानक आई तेज बिकवाली ने बाजार को झकझोर दिया। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन जोरदार वापसी के साथ बाजार ने सकारात्मक नोट पर समापन किया, जिससे पिछली कुछ हानियों की भरपाई हुई। राहत भरी तेजी सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए आशावादी रही। आठ हफ्तों की लगातार गिरावट के बाद निवेशकों को राहत मिली। सोमवार को प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर कारोबार करते दिखे, जहां सेंसेक्स 355.14 अंक बढ़कर 72,264.84 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 101.00 अंक की बढ़त के साथ 22,522.95 पर बंद हुआ। यह तेजी मंगलवार को भी जारी रही। बैंकिंग और कुछ चुनिंदा शेयरों में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 685.34 अंक की मजबूत बढ़त के साथ 73,067.81 पर और निफ्टी 220.35 अंक उछलकर 22,776.10 पर पहुंच गया। इस शुरुआती उछाल से निवेशकों में सकारात्मक धारणा बनी। हालांकि, सप्ताह के मध्य में बाजार की धारणा तेजी से बदली। बुधवार को दो दिन की राहत रैली पर विराम लग गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा नीतिगत दरों में बढ़ोतरी की आशंका, बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बिकवाली को बढ़ावा दिया। सेंसेक्स 429.11 अंक गिरकर 72,638.70 पर और निफ्टी 173.05 अंक टूटकर 22,603.05 पर समाप्त हुआ। गुरुवार को स्थिति और बिगड़ गई, जब बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी गई, जो सप्ताह की सबसे




बड़ी गिरावट साबित हुई। सेंसेक्स 1,045.46 अंक से अधिक लुढ़ककर 71,593.24 पर और निफ्टी 371.25 अंक टूटकर 22,231.80 पर बंद हुआ। इस एक दिन की भारी गिरावट से निवेशकों को लगभग 11.37 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ। दो दिन की लगातार गिरावट के बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने एक बार फिर जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को बड़ी राहत दी। आईटी शेयरों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने बाजार को सहारा दिया। सेंसेक्स 879.09 अंक की जोरदार उछाल के साथ 72,472.33 पर और निफ्टी 288.65 अंक बढ़कर 22,520.45 पर बंद हुआ। इस मजबूत वापसी ने सप्ताह के मध्य में हुई अधिकांश हानियों की भरपाई कर दी और बाजार ने सकारात्मक नोट पर सप्ताह का समापन किया।

## एयरटेल मनी लंदन शेयर बाजार में सूचीबद्ध

**नई दिल्ली ।**

अफ्रीका के डिजिटल वित्तीय सेवा मंच एयरटेल मनी ने लंदन शेयर बाजार (एलएसई) में सफलतापूर्वक कारोबार की शुरुआत की है, जो कई वर्षों का सबसे बड़ा आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बन गया है। इस सूचीबद्धता को भारती समूह के ब्रिटेन में दीर्घकालिक निवेश के विस्तार के रूप में देखा जा रहा है। भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक एवं चेयरमैन सुनील मित्तल ने एयरटेल मनी की सफल सूचीबद्धता का स्वागत करते हुए कहा कि यह ब्रिटेन पर वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है, जहां स्थिर कारोबारी और नीतिगत माहौल है। उन्होंने 2019 में एयरटेल अफ्रीका की लिस्टिंग का हवाला देते हुए कहा कि इन्हीं परिस्थितियों के कारण लंदन इस नई लिस्टिंग के लिए स्वाभाविक विकल्प बना। एयरटेल मनी ने 1.96 पाउंड प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर कारोबार शुरू किया। हालांकि, शुरुआती कारोबार में शेयर 2.00 पाउंड तक पहुंचा, लेकिन बाद में 1.94 पाउंड पर बंद हुआ, जो निर्गम मूल्य से थोड़ा कम है। इस कीमत के आधार पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण लगभग 7 अरब अमेरिकी डॉलर (5.3 अरब पाउंड) आंका गया, जो पहले के 8-9 अरब डॉलर के मूल्यांकन अनुमान से कम है। फिलहाल, शेयर में सशर्त कारोबार हो रहा है, और नियमित कारोबार 14 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा। भारती एयरटेल की एयरटेल मनी में अप्रत्यक्ष आर्थिक हिस्सेदारी लगभग 61.6 प्रतिशत है।




## मोबाइल कंपनियों के समान हों सैटकॉम स्पेक्ट्रम के नियम- एयरटेल

**नई दिल्ली ।**

भारती एयरटेल ने उपग्रह संचार (सैटकॉम) कंपनियों द्वारा मोबाइल फोन पर सीधे सिग्नल भेजने वाली डायरेक्ट-टू-डिवाइस (डी2डी) सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन पर सवाल उठाया है। कंपनी ने मांग की है कि यदि उपग्रह कंपनियां उसी स्पेक्ट्रम का उपयोग करती हैं, जिसका उपयोग मोबाइल सेवा प्रदाता करते हैं, तो उन पर दूरसंचार कंपनियों के समान नियम लागू होने चाहिए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस में एयरटेल के कॉरपोरेट मामलों के निदेशक राहुल वत्स ने जोर देकर कहा कि स्पेक्ट्रम के मूल्य निर्धारण, लाइसेंस की शर्तों और सुरक्षा सहित सभी नियम समान होने चाहिए। उन्होंने बताया कि जहां दूरसंचार कंपनियों को मोबाइल सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम नीलामी के जरिए मिलता है, वहीं सैटकॉम कंपनियों को प्रशासनिक प्रक्रिया से आवंटित किया जाता है। हाल ही में, एलन मस्क की स्टारलिंक ने भी अंतरिक्ष से मोबाइल सेवाएं देने के लिए 800 मेगाहर्ट्ज बैंड में स्पेक्ट्रम हासिल किया है। वत्स ने स्पष्ट किया कि डी2डी सेवाओं में मोबाइल फोन पर इस्तेमाल होने वाले स्पेक्ट्रम का उपयोग होता है, इसलिए ऐसे स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी से ही होना चाहिए।

## आम्रपाली धोखाधड़ी- ईडी ने दिल्ली में 54 करोड़ का आलीशान मकान किया कुर्क

**घर खरीदारों से 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के मामले में हुई कार्रवाई**

**नई दिल्ली ।**

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम्रपाली समूह और उससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ धनशोधन की चल रही जांच के तहत दिल्ली के पॉश महारानी बाग इलाके में 54.71 करोड़ रूपए मूल्य का एक मकान अस्थायी रूप से कुर्क किया है।

एजेंसी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई घर खरीदारों के साथ कथित धोखाधड़ी से जुड़े बड़े मामले का हिस्सा है। यह मामला धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया है और उत्तर प्रदेश व दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज 18 प्राथमिकियों से जुड़ा है। आरोप है कि आम्रपाली समूह ने नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई आवासीय परियोजनाएं शुरू कर घर खरीदारों से 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की बड़ी रकम जुटाई। समूह ने 36 महीने के भीतर फ्लैट देने या सुनिश्चित रिटर्न का वादा किया था, लेकिन परियोजनाओं को पूरा नहीं किया गया और न तो खरीदारों को फ्लैट का कब्जा मिला और न ही उनकी रकम वापस की गई। ईडी की जांच और फॉरेंसिक ऑडिट से पता चला कि घर खरीदारों से जुटाई गई 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि को मुखौटा कंपनियों और समूह की अन्य संस्थाओं में स्थानांतरित किया गया। इस रकम का एक हिस्सा समूह के प्रबंध निदेशक और उनके परिवार के सदस्यों के माध्यम से दिल्ली की सुरभी एडवरटाइजिंग को ऋण के रूप में भेजा गया था, जिसका उपयोग महारानी बाग स्थित कुर्क की गई संपत्ति के अधिग्रहण में किया गया। एजेंसी ने इस संपत्ति को अपराध से अर्जित आय के रूप में चिह्नित किया है। ईडी के लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय ने यह कार्रवाई की है। आम्रपाली समूह की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

## पीएफ निकासी पर टीडीएस छूट के लिए अब फॉर्म 121

**टैक्स ईयर 2026-27 से प्रभावी होगा यह नियम**




**नई दिल्ली ।**

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ निकासी पर टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) छूट से जुड़े नियमों में एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब टैक्स ईयर 2026-27 से टीडीएस कटौती से बचने के लिए फॉर्म 15जी और फॉर्म 15एच की जगह एक नया फॉर्म 121 इस्तेमाल किया जाएगा। यह कदम कर्मचारियों के लिए टीडीएस छूट का दावा करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करेगा। अभी तक पीएफ निकासी पर टीडीएस से बचने के लिए कर्मचारी फॉर्म 15जी (60 से कम उम्र) या 15एच (वरिष्ठ नागरिक) जमा करते थे, जिसमें वे घोषणा करते थे कि उनकी अनुमानित वार्षिक आय पर कोई कर देनदारी नहीं बनती। लेकिन आयकर अधिनियम 2025 के नए नियमों के तहत, 1 अप्रैल 2026 से लागू टैक्स ईयर 2026-27 से, अब फॉर्म 121 का उपयोग होगा। ध्यान रहे, फॉर्म 121 भरने से पीएफ की रकम स्वतः कर-मुक्त नहीं होगी।

यह केवल उन पात्र कर्मचारियों को टीडीएस कटौती न करने का अनुरोध करने की सुविधा देगा, जिनकी अनुमानित कुल आय पर उस वित्त वर्ष में कोई कर देनदारी नहीं बनती। वैध पेन अनिवार्य है, और एनआरआई व कर देनदारी वाले व्यक्ति इस सुविधा के पात्र नहीं होंगे। ईपीएफओ ने क्षेत्रीय कार्यालयों को फॉर्म 121 के लिए यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर जारी करने, साथ ही ऑनलाइन जमा और ई-साइन की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनेगी और आवेदन की स्थिति ट्रैक करना आसान होगा।

## बिहार का मखाना वैश्विक पटल पर, निर्यात 30 हजार टन करने का लक्ष्य

**'मखाना से समृद्धि अभियान' के तहत अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रहा मिथिला मखाना**

**पटना ।**

बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने घोषणा की कि राज्य का मखाना अब 20 से अधिक देशों में पहुंच चुका है। सरकार ने वित्त वर्ष 2030-31 तक मखाना का निर्यात बढ़ाकर 30,000 टन करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना को अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशेष पहचान दिलाने के लिए एपीडा के सहयोग से मखाना से समृद्धि अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना है। कृषि विभाग के अनुसार देश के कुल मखाना उत्पादन में बिहार की हिस्सेदारी लगभग 80 से 85 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 20 से अधिक देशों को 7,200 टन से अधिक मखाना का निर्यात कर 2.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय अर्जित की थी। अमेरिका, पश्चिम एशिया और अफ्रीका जैसे बाजारों में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। हाल ही में, जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की खेप अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ग्रीस भेजी गई। पहली बार बियाडा के बिहटा औद्योगिक क्षेत्र से 18 टन मिथिला मखाना समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया रवाना किया गया। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच साल के लिए 'मखाना से समृद्धि अभियान' शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य मखाना की खेती का रकबा वित्त वर्ष 2025-26 के 41 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 2030-31 तक 82 हजार हेक्टेयर करना, उत्पादन में वृद्धि करना और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिहार की उपस्थिति को मजबूत करना है। मंत्री सिन्हा ने जोर दिया कि गुणवत्ता सुनिश्चित करने, जीआई टैग के माध्यम से पहचान बनाने और किसानों की बाजार तक पहुंच में सुधार से उनकी आय में वृद्धि के नए अवसर पैदा होंगे।



## श्रीराम फाइनेंस ने बढ़ाई एफडी पर ब्याज दरें

**11 अक्टूबर से लागू होंगी नई दरें**

**नई दिल्ली ।**

वित्तीय सुरक्षा और भविष्य की जरूरतों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प माना जाता है। इसी क्रम में श्रीराम फाइनेंस ने अपने एफडी निवेशकों को खुशखबरी देते हुए ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब कई निवेशक सुरक्षित और बेहतर रिटर्न वाले विकल्पों की तलाश में हैं। श्रीराम फाइनेंस द्वारा बढ़ाई गई नई एफडी ब्याज दरें आगामी 11 अक्टूबर से लागू होंगी। कंपनी ने 10 करोड़ रुपये तक की जमा राशि पर विभिन्न अवधियों की एफडी पर ब्याज दरों में 0.15 फीसदी से 0.40 फीसदी तक की वृद्धि की है। इस बढ़ोतरी के बाद 36 से 60 महीने की एफडी पर अब सालाना 7.85 फीसदी ब्याज मिलेगा, जो पहले 7.5 फीसदी था। वहीं 15 महीने की डिजिटल एफडी पर ब्याज दर 7.1 फीसदी से बढ़कर 7.5 फीसदी कर दी गई है।

यह बदलाव निवेशकों को अपनी बचत पर अधिक रिटर्न कमाने का अवसर देगा। कंपनी ने वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष या उससे अधिक) के लिए सामान्य दर से 0.50 फीसदी (50 बेसिस पॉइंट) अधिक ब्याज का लाभ जारी रखा है।

वर्ष के चार नवरात्रों में चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। नवरात्र में देवी माँ के व्रत रखे जाते हैं। स्थान-स्थान पर देवी माँ की मूर्तियाँ बनाकर उनकी विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्र में महाशक्ति की पूजा कर श्रीराम ने अपनी खोई हुई शक्ति पाई, इसलिए इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है।

# ऊर्जा का उत्सव नवरात्री





**नवरात्रि** एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। यह पर्व साल में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ, अश्विन, पोषप्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातो में तीन देवियों - महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वतीया सरस्वतीकि तथा दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं। नौ देवियाँ है - श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदेय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की । तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियाँ देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं । नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। नवदुर्गा और दस महाविधाओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दस महाविधाएँ अनंत सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

## प्रमुख कथा

लंका-युद्ध में ब्रह्माजी ने श्रीराम से रावण वध के लिए चंडी देवी का पूजन कर देवी को प्रसन्न करने को कहा और बताए अनुसार चंडी पूजन और हवन हेतु दुर्लभ एक सौ आठ नीलकमल की व्यवस्था की गई। वहीं दूसरी ओर रावण ने भी अमरता के लोभ में विजय कामना से चंडी पाठ प्रारंभ किया। यह बात इंद्र देव ने पवन देव के माध्यम से श्रीराम के पास पहुँचाई और परामर्श दिया कि चंडी पाठ यथासभंव पूर्ण होने दिया जाए। इधर हवन सामग्री में पूजा स्थल से एक नीलकमल रावण की मायावी शक्ति से गायब हो गया और राम का संकल्प टूटता-सा नजर आने लगा। भय इस बात का था कि देवी माँ रुष्ट न हो जाएँ। दुर्लभ नीलकमल की व्यवस्था तत्काल असंभव थी, तब भगवान राम को सहज ही स्मरण हुआ कि मुझे लोग कमलनयन नवकंच लोचन कहते हैं, तो क्यों न संकल्प पूर्ति हेतु एक नेत्र अर्पित कर दिया जाए और प्रभु राम जैसे ही तूणीर से एक बाण निकालकर अपना नेत्र निकालने के लिए तैयार हुए, तब देवी ने प्रकट हो, हाथ पकड़कर कहा- राम मैं प्रसन्न हूँ और विजयश्री का आशीर्वाद दिया। वहीं रावण के चंडी पाठ में यज्ञ कर रहे ब्राह्मणों की सेवा में ब्राह्मण बालक का रूप धर कर हनुमानजी सेवा में जुट गए। निःस्वार्थ सेवा देखकर ब्राह्मणों ने हनुमानजी से वर माँगने को कहा। इस पर हनुमान ने विनम्रतापूर्वक कहा- प्रभु, आप प्रसन्न हैं तो जिस मंत्र से यज्ञ कर रहे हैं, उसका एक अक्षर मेरे कहने से बदल दीजिए। ब्राह्मण इस रहस्य को समझ नहीं सके और तथास्तु कह दिया। मंत्र में जयादेवी... भूर्तिहरिणी में ह के स्थान पर क उच्चारित करें, यही मेरी इच्छा है। भूर्तिहरिणी यानी कि प्राणियों की पीड़ा हरने वाली और करिणी का अर्थ हो गया प्राणियों को पीड़ित करने वाली, जिससे देवी रुष्ट हो गईं और रावण का सर्वनाश करवा दिया। हनुमानजी महाराज ने श्लोक में ह की जगह क करवाकर रावण के यज्ञ की दिशा ही बदल दी।

## अन्य कथाएं

इस पर्व से जुड़ी एक अन्य कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। और प्रत्याशित प्रतिफल स्वरूप महिषासुर ने नरक का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा है। तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं।

## निर्माणाधीन मूर्तियां

चौमासे में जो कार्य स्थगित किए गए होते हैं, उनके आरंभ के लिए साधन इसी दिन से जुटाए जाते हैं। क्षत्रियों का यह बहुत बड़ा पर्व है। इस दिन ब्राह्मण सरस्वती-पूजन तथा क्षत्रिय शस्त्र-पूजन आरंभ करते हैं। विजयादशमी या दशहरा एक राष्ट्रीय पर्व है। अर्थात आश्विन शुक्ल दशमी को सायंकाल तारा उदय होने के समय विजयकाल रहता है। यह सभी कार्यों को सिद्ध करता है। आश्विन शुक्ल दशमी पूर्वविद्धा निषिद्ध, परविद्धा शुद्ध और श्रवण नक्षत्रयुक्त सूर्योदयव्यापिनी सर्वश्रेष्ठ होती है। अपराह्न काल, श्रवण नक्षत्र तथा दशमी का प्रारंभ विजय यात्रा का मुहूर्त माना गया है। दुर्गा-विसर्जन, अपराजिता पूजन, विजय-प्रयाग, शमी पूजन तथा नवरात्र-पारण इस पर्व के महान कर्म हैं। इस दिन संध्या के समय नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है। क्षत्रिय/राजपूतों इस दिन प्रातः स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर संकल्प मंत्र लेते हैं। इसके पश्चात देवताओं, गुरुजन, अस्त्र-शस्त्र, अश्व आदि के यथाविधि पूजन की परंपरा है।

# कैसे करें घट स्थापना

आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शारदीय नवरात्रि की धूम नौ दिनों तक रहेगी। इन दिनों मां भगवती के नौ रूपों का पूजन-अर्चन होगा। आइए जानते हैं घटस्थापना कैसे करें -

- घटस्थापना हमेशा शुभ मुहूर्त में करनी चाहिए।
- नित्य कर्म और स्नान के बाद ध्यान करें।
- इसके बाद पूजन स्थल से अलग एक पाटे पर लाल व सफेद कपड़ा बिछाएं।
- इस पर अक्षत से अष्टदल बनाकर इस पर जल से भरा कलश स्थापित करें।
- इस कलश में शतावरी जड़ी, हलकुंड, कमल गट्टे व रजत का सिक्का डालें।
- दीप प्रज्वलित कर इष्ट देव का ध्यान करें।
- तत्पश्चात देवी मंत्र का जाप करें।
- अब कलश के सामने गेहूं व जौ को मिट्टी के पात्र में रोंपें।
- इस ज्वारे को माताजी का स्वरूप मानकर पूजन करें।
- अंतिम दिन ज्वारे का विसर्जन करें।



# नौ दिन कैसे करें कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है।

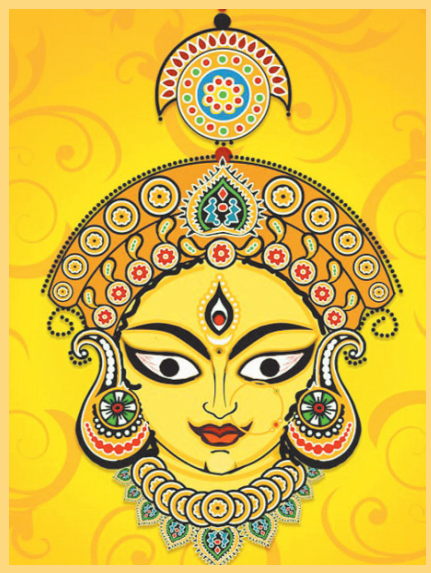
- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आप के दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अत- कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अत- इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।





# नवरात्रि के चमत्कारिक दिव्य मंत्र

वर्तमान में मनुष्य ने अपने जीवन को इतनी आवश्यकताओं से घेर लिया है कि वह उनमें ही उलझा रहता है। ऐसे मनुष्यों के लिए समस्याओं को हल करने के लिए सरलतम मंत्र दे रहे हैं। जो नवरात्रि में करने से सफलता मिलती है एवं समस्या से छुटकारा मिलता है। ऐसे पावन नौ दिनों के लिए दिव्य मंत्र दिए जा रहे हैं, जिनके विधिवत परायण करने से स्वयं के नाना प्रकार के कार्य व सामूहिक रूप से दूसरों के कार्य पूर्ण होते हैं। इन मंत्रों को नौ दिनों में अवश्य जाप करें। इनसे यश, सुख, समृद्धि, पराक्रम, वैभव, बुद्धि, ज्ञान, सेहत, आयु, विद्या, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य सभी की प्राप्ति होती है। विपत्तियों का नाश होगा।



### विपत्ति-नाश के लिए

शरणागतदीनार्तपरित्राणपरायणे।
सर्वस्यापहरे देवि नारायणि नमोस्तुते।।

### भय नाश के लिए

सर्वस्वरूपे सर्वेश सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि, दुर्गे देवि नमोस्तुते।।

### पाप नाश तथा भक्ति की प्राप्ति के लिए

नमेभ्य सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।

### हर प्रकार के कल्याण के लिए

सर्वमंगल्यमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।।

### धन, पुत्रादि प्राप्ति के लिए

सर्वबाधाविनिर्मुक्तो-धनधान्यसुतान्वित
मनुष्यों मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय।।

### रक्षा पाने के लिए

शूलेन पाहि नो देवि पाहि खंडे न चाम्बिके।
घण्टास्वनेन न पाहि चापज्यानि स्वनेन च।।

### मोक्ष की प्राप्ति के लिए

त्वं वैष्णवी शक्तिरन्तवीर्या।
विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेत
त्वं वै प्रसन्ना भूवि मुक्ति हेतु।।

### बाधा व शांति के लिए

सर्वबाधाप्रमशन त्रैलोक्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्यद्धैरिविनाशन्नम।।

### सुलक्षणा पत्नी की प्राप्ति के लिए

पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम
तारिणी दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम।।

# एनरिक नॉर्टजे ने कहा-मेरा समय और हालात सही नहीं रहे

**नई दिल्ली ।** तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद नॉर्टजे ने टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट बताया। नॉर्टजे ने आखिरी बार 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेला था। पहले टेस्ट के शुरुआती दिन उन्होंने दो विकेट लिए और मेजबान टीम को ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 187/6 पर रोकने में मदद की, जिसके बाद शुक्रवार को खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल जल्दी खत्म करना पड़ा। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में एलेक्स कैरी (14) और ब्यू वेबस्टर



(4) को आउट किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 124/6 हो गया। फिटनेस की समस्याओं और मौकों के हाथ से निकल जाने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद नॉर्टजे टेस्ट टीम में लौटे हैं। 'क्रिकइन्फो' के अनुसार, नॉर्टजे ने कहा, 'मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। मगर मौके, समय और हालात हमेशा सही नहीं रहे। जाहिर है कि कुछ समस्याओं के कारण चीजें हमेशा वैसी नहीं हुईं जैसी होनी चाहिए थीं। '

टेस्ट क्रिकेट में वापसी की अपनी पिछली कोशिशों को याद करते हुए एनरिक नॉर्टजे ने उस चोट का जिक्र किया, जिसने उनकी राह मुश्किल बना दी थी। तेज गेंदबाज ने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लगी चोट की वजह से वह लंबे समय तक मैदान से दूर रहे और टेस्ट टीम में वापसी की उनकी योजनाएं प्रभावित हुईं।उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के सबसे करीब पहुंचा था। वनडे मैचों के दौरान मेरे पैर की उंगली टूट गई थी, जब डेविड नेट्स में मुझे रिवर्स स्विंग गेंदें फेंक रहे थे। तो हां, अतीत में ऐसा मौका आया था। आखिरकार सब कुछ ठीक हो गया और मैं मैदान पर वापस आ सका, देश के लिए फिर से खेल सका, खासकर टेस्ट कैप पहनकर। घर पर रखे-रखे यह थोड़ी पुरानी हो गई है।' नॉर्टजे ने कहा कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट की शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पसंद है, खासकर लंबे समय तक लगातार गेंदबाजी करते हुए विकेट लेने की चुनौती। उन्होंने कहा, 'मुझे कड़ी मेहनत करना पसंद है।

## बीबीएल मैच की टिकट ब्रिकी शुरू

### पर्थ स्कॉर्चर्स से होगी मेलबर्न रेनगेड्स की भिड़ंत

**मेलबर्न ।** मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में 'डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो' वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेंडाइज शामिल है। इन पैकेजों को खास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रैवल ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैंस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं।क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एग्जीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'खचाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

# होप के कायल हुए पीटरसन



***आईपीएल नीलामी को लेकर दी सलाह, जमकर की सराहना***

*नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने शुक्रवार को रांची में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में भारत के बनाए 249 रन के जवाब में 252 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। कप्तान शाई होप ने 45 गेंद पर नाबाद 102 रन की पारी खेल इस जीत में अहम और यादगार भूमिका निभाई। टी20 में वेस्टइंडीज का यह सबसे बड़ा रन चेज था। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने होप की विस्फोटक शतकीय पारी की जमकर तारीफ की और कहा कि अब उन्हें आईपीएल नीलामी में शामिल होना चाहिए।*

### केविन पीटरसन ने होप के लिए ये लिखा...

पीटरसन ने एक्स पर लिखा, 'अगर शाई होप अपना नाम मिनी आईपीएल ऑक्शन में डालते हैं, तो उनके लिए कुछ अच्छा हो सकता है।' होप के 45 गेंदों पर नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 252 रन बनाए। इस जीत के साथ सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। वेस्टइंडीज के कप्तान होप अपनी पारी में आक्रामक होने के साथ ही काफी नियंत्रित दिखे। उन्हें शेरफेन रदरफोर्ड का बहुत अच्छा साथ मिला। रदरफोर्ड ने 37 गेंदों पर 84 रन बनाए और होप के साथ 120 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। होप के प्रदर्शन ने टी20 क्रिकेट की जरूरतों के हिसाब से अपने खेल को ढालने की उनकी काबिलियत की याद दिलाई। रदरफोर्ड ने बीच के ओवरों में जबरदस्त हिटिंग की, लेकिन कप्तान ने आखिरी समय में कमान संभालने से पहले यह पक्का किया कि टीम सही रास्ते पर रहे। भारत ने पांच विकेट पर 249 रन बनाए थे, जिसमें संजू सैमसन ने 41 गेंदों पर 82 और तिलक वर्मा ने 44 और श्रेयस अय्यर ने 40 रन बनाए थे। ईशान ने भी 43 रन की पारी खेली थी।



### होनी है आईपीएल की नीलामी

आईपीएल के अगले सीजन के लिए खिलाड़ियों की मिनी नीलामी भारत में होगी। पिछले तीन वर्षों से यह आयोजन देश से बाहर हो रहा था, लेकिन अब ये भारत में ही होगी। पिछले तीन संस्करणों की नीलामी दुबई, जेद्दा (मेगा नीलामी) और आबू धाबी में आयोजित की गई थी।

# भारत बनाम वेस्टइंडीज: मयंक यादव को लेकर गावस्कर ने उठाए सवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन के फैसले पर सवाल उठाए हैं। गावस्कर का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ रांची में खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने तेज गेंदबाज मयंक यादव या बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के बजाय कुलदीप यादव को महत्वपूर्ण 17वां ओवर सौंपकर बड़ी गलती की। कुलदीप ने इस ओवर में 24 रन लुटाए, जिसमें तीन छक्के, एक चौका और एक वाइड शामिल थी। इससे 250 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहे वेस्टइंडीज का पलड़ा भारी हो गया। वेस्टइंडीज ने यह मैच छह विकेट से जीतकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

### मयंक को लेकर ये बोले सुनील गावस्कर....

गावस्कर ने कहा, मैं 17वें ओवर में अर्शदीप या मयंक में से किसी एक को गेंदबाजी के लिए बुलाता। अर्शदीप ने अपने आखिरी ओवर (18वें ओवर) में खूब रन लुटाए, लेकिन मयंक ने शुरुआती झटके दिए थे। मयंक का इकॉनोमी रेट लगभग 12 रन प्रति ओवर था और उस समय वेस्टइंडीज को इससे अधिक रन चाहिए थे। इसलिए अगर उन्होंने विकेट ले लिया होता तो मैच आपके पक्ष में जा सकता था। गावस्कर का मानना था कि उस महत्वपूर्ण मोड़ पर मयंक का एक और विकेट वेस्टइंडीज पर भारी दबाव डाल सकता था और उसके लिए मुश्किल पैदा कर सकता था। उन्होंने कहा, जब एक बार विकेट मिल जाए तो विपक्षी टीम अचानक बैकफुट पर आ जाती है। एक नए बल्लेबाज को आना पड़ता है। इसलिए उस समय मयंक को आजमाया जाना चाहिए था। इसके अलावा मुझे लगता है कि नौवें ओवर में शिवम दुबे को गेंदबाजी के लिए बुलाना सही फैसला नहीं था। तब बल्लेबाज लय हासिल करने की कोशिश कर रहे थे और इसलिए तब कुलदीप को लाना शायद बेहतर विकल्प होता।वेस्टइंडीज ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज सफलतापूर्वक हासिल किया। क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में सबसे बड़ा रन चेज दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल किया था, जब टीम ने 259 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। टी20 क्रिकेट में यह महज सातवां मौका है, जब किसी मुकाबले में 250 या उससे ज्यादा का रन चेज सफलतापूर्वक किया गया है।



### गंभीर ने श्रेयस से पहले शिवम को भेजने का बचाव किया

भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबले में श्रेयस अय्यर से पहले शिवम दुबे को भेजा गया। इस फैसले के लिए गौतम गंभीर को आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन मैच के बाद भारतीय कोच ने दुबे को अय्यर से पहले भेजने के फैसले का बचाव किया। भारत को इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे बल्लेबाजी के लिए चौथे नंबर पर आए थे। उन्हें बल्लेबाजी के लिए आने को तैयार कप्तान श्रेयस अय्यर की जगह भेजा गया था। दुबे जब बल्लेबाजी के लिए आए तो स्कोर 11.1 ओवर में 139 रन था। दुबे उम्मीद के अनुरूप बल्लेबाजी नहीं कर सके और 10 गेंदों पर सात रन बनाकर आउट हो गए। इसका असर टीम के कुल स्कोर पर भी पड़ा। दुबे की जगह अगर श्रेयस अय्यर को भेजा गया होता, तो शायद परिणाम कुछ और होता। पहले मैच में शतक लगाने वाले अय्यर ने बाद में आकर 18 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली। गौतम गंभीर ने कहा, हमने शिवम को लंबे समय तक ऐसे ही इस्तेमाल किया है, विश्व कप में भी और उससे पहले भी। यह सिर्फ एक बार नहीं हुआ। इस मैच में हमने मोमेंटम खो दिया था। यह इंटरनेशनल क्रिकेट है, कभी-कभी यह आपके हिसाब से होता है, कभी-कभी नहीं। सबसे जरूरी बात हम हमेशा अपनी बैटिंग लाइन-अप के साथ लचीले रहे हैं और हम इसे जारी रखेंगे।



# रहाणे ने की 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को आईपीएल से हटाने की मांग

**नई दिल्ली ।** भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादित 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना की है। रहाणे ने इस नियम को लीग से हटाने की वकालत भी की है। रहाणे उन कई क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जो इस नियम की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस नियम से भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स का विकास रुक रहा है और यह किसी काम का नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने 'क्रिकबज' से कहा, 'मुझे लगता है कि इसे हटा दिया जाना चाहिए। मुझे याद है कि पिछले साल आईपीएल कप्तानों की बैठक से पहले, ज्यादातर कप्तानों ने कहा था कि उन्हें 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियम या गाइडलाइंस 2027 तक लागू हैं। इसलिए हमें नहीं पता कि वे इसे इस साल हटाएंगे या इस साल के बाद होने वाले बड़े ऑक्शन (नीलामी) में हटाएंगे। हालांकि, असल में मुझे लगता है कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का कोई मतलब या फायदा नहीं है।' रहाणे ने आगे कहा, 'यह नियम भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स के विकास में भी बाधा डाल रहा है, क्योंकि फ्रेंचाइजी बल्लेबाज की जगह गेंदबाज और गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को लाकर बल्ले या गेंद से बेहतर नतीजा पाने की कोशिश करती हैं। '

भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की कमी के कारण टीम को अक्सर उनके विकल्प की तलाश करनी पड़ती है। हालांकि, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी सामने आए हैं, लेकिन वे अभी भी हार्दिक की काबिलियत के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसके अलावा, भविष्य के लिए बहुत ज्यादा ऑलराउंडर्स तैयार होते नहीं दिख रहे हैं, खासकर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स, जो अब भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'खासकर आईपीएल में ऑलराउंडर्स खेल से बाहर होते जा रहे हैं। और मेरा पक्का मानना ??है कि आपको अपने ऑलराउंडर्स को तैयार करना चाहिए। भारतीय टीम के नजरिए से ऑलराउंडर्स बहुत जरूरी हैं। इसी कारण 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को हटा देना चाहिए। पिछले साल मैं किसी टीम का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कुछ टीमें शायद 90/7 या 100/7 के स्कोर पर थीं, और इस नियम के चलते एक अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारकर उन्होंने 200 रन तक बना लिए थे। यही कारण है कि मुझे लगता है कि गेंदबाजों को कुछ फायदा मिलना चाहिए और ऑलराउंडर्स भी खेल में पूरी तरह शामिल होने चाहिए। उन्हें इसे हटा देना चाहिए। '



# वरुण एरोन बोले -गेंदबाजों ने घबराहट में आकर गलतियां कीं

**नई दिल्ली ।** रांची में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल में वेस्टइंडीज द्वारा 250 रन का विशाल लक्ष्य हासिल करने के बाद भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण एरोन ने टीम इंडिया की गेंदबाजी रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए मैच का रुख बदलना शुरू किया, तब भारतीय गेंदबाज अपनी तय योजना से भटक गए। एरोन का मानना है कि भारतीय गेंदबाजों ने सही लाइन और लेंथ पर लगातार गेंदबाजी करने के बजाय बहुत जल्दी अपनी रणनीति बदल दी। उनके मुताबिक, ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना और बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने के लिए लगातार अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था। वरुण एरोन ने 'जियोस्टार' से कहा, 'शाई होप और रदरफोर्ड ने शानदार खेल दिखाया।



यह लगभग बैटमैन और रॉबिन जैसी साझेदारी थी।शाई होप ने एक छोर संभाले रखा और पारी को स्थिर रखा, जबकि रदरफोर्ड लगातार रन बनाते रहे। उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाज शुरुआती चार-पांच ओवरों के बाद सही लेंथ पर गेंदबाजी करना ही भूल गए।

# भारत दौरे से बाहर हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाज विल ओ'रूर्के



**नई दिल्ली ।** भारत के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से बाहर हो चुके हैं। 25 साल के ओ'रूर्के बाईं हैमस्ट्रिंग और पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहैब प्रक्रिया में हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, ओ'रूर्के को आराम दिया जा रहा है। मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि दिसंबर-जनवरी में टीम को ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों की बेहद अहम सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'यह निराशाजनक है कि विल को भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर इतने बड़े दौरे से बाहर होना पड़ा। वह वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज में हमारी योजना का हिस्सा थे, लेकिन बातचीत के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि उन्हें चोटों से उबरने के लिए कुछ और समय देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'अगले कुछ महीनों में हमारे तेज गेंदबाजी संसाधन बहुत जरूरी होंगे, इसलिए हम विल की वापसी का बेहतर तरीका अपना रहे हैं।

# एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान हॉकी टीम नहीं लेगी हिस्सा

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान हॉकी टीम ने आधिकारिक तौर पर पंजाब में होने वाली पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। जालंधर और मोहाली में 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह अब बांग्लादेश खेलेगा। पाकिस्तान के सीमा पार यात्रा न करने के फैसले का मतलब है कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और मेजबान भारत का मुकाबला 27 अक्टूबर को टूर्नामेंट के पहले दिन बांग्लादेश से होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट का पूरा मैच शेड्यूल जारी किया। यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के दो मशहूर हॉकी स्टेडियमों - जालंधर में ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली में ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम - में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन भारत और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य चार टीमें मलेशिया, जापान, साउथ कोरिया और चीन हैं।जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक सफलतापूर्वक बचाने के बाद, पांच बार की एसीटी विजेता भारतीय टीम शीर्ष वरीयता प्राप्त टीम के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगी और प्रतियोगिता में अपने शानदार रिकॉर्ड को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।





# स्टारडम की अब कोई तय परिभाषा नहीं, मेरी कहानियां जमीन से जुड़ीं

**एक फिल्म की कहानी हमेशा एक्टर से बड़ी होती है। यह कहना है ऐक्टर आयुष्मान खुराना का। उन्होंने कहा, 'मेरा शुरू से ही विश्वास रहा है कि फिल्म की असली सुपरस्टार उसकी कहानी होती है। हालांकि, पिछले करीब 20 फिल्मों में मैंने हर तरह की फिल्में की हैं। कुछ बिल्कुल अलग तरह की, तो कुछ पारंपरिक बॉलिवुड टाइप की भी, लेकिन अब मैं फिर से अपनी जड़ों यानी ऑथेंटिसिटी की ओर लौट रहा हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि अगर हम दर्शकों के सामने प्रामाणिक और सच्चा विषय लेकर आएं, तो वह खुद ब खुद लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है। मेरी अगली फिल्म 'उड़ता तीर' भी कुछ ऐसी ही है।**

ऐसा अक्सर कहा जाता है कि आज के ऐक्टर्स की स्टारडम पहले के स्टार्स जैसी नहीं रही, जो दर्शकों को थिएटर में खींच सके। उस दौर में दर्शक उन्हें देखने के लिए तरसते थे। थिएटर बिजनेस के लिहाज से आज के समय में स्टारडम के मायने पूछने पर आयुष्मान ने कहा, 'मुझे लगता है कि आज हम कई अलग-अलग यूनिवर्स में रह रहे हैं। आज मनोरंजन की कई अलग-अलग दुनिया है और हर दुनिया के अपने स्टार हैं। इनमें इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर भी शामिल हैं। कुछ स्टार ऐसे हैं, जो बहुत बड़े हैं, लेकिन




हो सकता है कि आप उनके बारे में जानते तक न हों।'

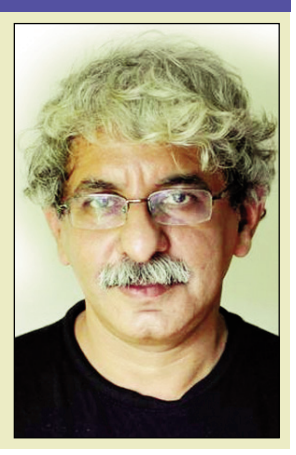
उन्होंने आगे कहा, 'वहीं, कुछ लोगों की पूरी दुनिया उन्हें जानती है। इसलिए स्टारडम की आज कोई तय परिभाषा नहीं है। मसलन, कोई स्टार ऐसा हो सकता है, जो मीडिया से ज्यादा बात नहीं करता, लोगों से मिलना-जुलना पसंद नहीं करता या उस तक पहुंचना आसान न हो। वहीं कुछ लोग ऐसे हैं, जो लोगों ऑडियंस से बातचीत करना और उनसे जुड़ना पसंद करते हैं। मेरे लिए दूसरा तरीका ज्यादा मुफीद है, क्योंकि मैं रेडियो से आया हूं। टीवी प्रेजेंटर रहा हूं। इसलिए लोगों से बात करना मेरे लिए जरूरी है। मेरी कहानियां जमीन से जुड़ी होती हैं और उन्हें जीवंत बनाए रखने के लिए मुझे जमीनी स्तर के लोगों से बातचीत करते रहना जरूरी लगता है। इससे मेरे अंदर का कलाकार भी जिंदा रहता है। मेरे हिसाब से स्टारडम अब कोई एक्सक्लूसिव क्लब नहीं रह गया है। आज स्टारडम की कई परिभाषाएं हैं और यह हर इंसान के और हर दुनिया के लिए अलग हो सकता है।'

### क्या बनेगी 'अंधाधुन 2'

यहां आयुष्मान ने श्रीराम राघवन से 'अंधाधुन 2' बनाने को लेकर भी सवाल किया, जिस पर उन्होंने कहा कि वो तब बनेगी जब सही स्क्रिप्ट मिलेगी, ताकि पिछली वाली को मिले प्यार का मजा किरकिरा न कर दे।

## घिसी-पिटी कहानियों का दौर खत्म: श्रीराम राघवन

यहां दर्शकों की सिनेमा से दूरी और स्टारडम के मामले पर एक हसीना थी, बदलापुर, अंधाधुन जैसी शानदार फिल्में बना चुके फिल्मकार श्रीराम राघवन ने कहा, 'जैसे डेंजिल डियास ने कहा कि 'ओडिसी' और 'ऑब्सेशन', जो दोनों बिल्कुल अलग स्तर की फिल्में हैं, लेकिन दोनों को बड़े दर्शक मिले। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि फिल्म का चलना सिर्फ उसके स्केल से तय होता है, बल्कि यह दर्शकों के साथ उसके कनेक्शन से होता है। फिल्म देखते हुए जब पूरा हॉल एक साथ हंसता है, एक साथ प्रतिक्रिया देता है, तो वह अनुभव अलग होता है। हमने यह अनुभव पहले भी किया है। जब मैंने आयुष्मान के साथ 'अंधाधुन' बनाई थी। फिल्म रिलीज के करीब छह महीने बाद चीन में शानदार चली। जबकि, वह पहले ही रिलीज हो चुकी थी, लेकिन अचानक लोगों ने उसे पसंद करना शुरू कर दिया। कुछ फिल्मों में कुछ ऐसा अनोखा होता है, जो दर्शकों को अपनी ओर खींचता है और फिल्म बनाते समय हम भी वही अनोखी चीज देने की कोशिश करते हैं। मुझे लगता है कि अब घिसी-पिटी और रूटीन कहानियों का दौर खत्म हो रहा है। स्टार सिस्टम भी पहले जैसा नहीं रहा।'





## कीर्ति सुरेश की कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' 20 नवंबर को होगी रिलीज

डायरेक्टर प्रवीण एस. विजय की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' की नई रिलीज डेट सामने आ गई है। कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन की लीड रोल वाली इस फिल्म को अब दुनियाभर के सिनेमाघरों में 20 नवंबर को रिलीज किया जाएगा। इसकी जानकारी फिल्म के मेकर्स ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए दी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे बैनर ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ''अब और खामोशी नहीं। सावित्री की लड़ाई शुरू होती है।'' तमिल और तेलुगु में भी यही पोस्ट शेयर किया गया। मेकर्स ने बताया कि 'सत्यवान सावित्री' 20 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म की रिलीज पहले 24 जुलाई को तय की गई थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने रिलीज डेट टाल दी।

फिल्म के मेकर्स ने इसी साल मई में इसका फर्स्ट और सेकंड लुक भी जारी किया था। फर्स्ट लुक पोस्टर में कीर्ति सुरेश पीछे मुड़कर देखती नजर आती थीं, जबकि उनके आसपास कई वकील आगे की तरफ देख रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा था, ''शांत चेहरा, लेकिन रुकने वाली ताकत नहीं। अब खेल उसी का है।'' फिल्म की कहानी को लेकर सामने आई जानकारी के मुताबिक, 'सत्यवान सावित्री' दो वकीलों की कहानी है, जिनके किरदार कीर्ति सुरेश और डायरेक्टर मिश्किन निभा रहे हैं। मिश्किन फिल्म में कीर्ति के सीनियर एडवोकेट के रोल में नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी में एक केस के दौरान दोनों के बीच टकराव देखने को मिलेगा। बताया जा रहा है कि जब कीर्ति के बॉस एक मामले में गलत काम करने वालों का साथ देने का फैसला करते हैं, तो वह उन्हें समझाने की कोशिश करती हैं। लेकिन इसी दौरान उन्हें अपने बॉस का एक अलग ही चेहरा देखने को मिलता है। यह केस कीर्ति की जिंदगी को पूरी तरह बदल देता है।



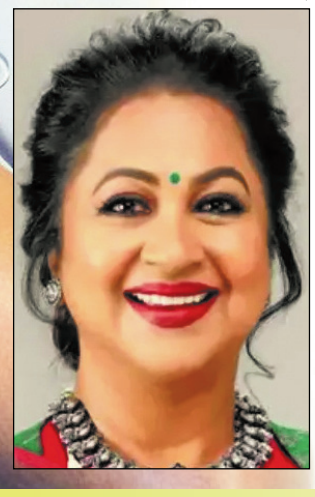
# सैयामी खेर ने खोले इंडस्ट्री के कड़वे राज

एक्ट्रेस सैयामी खेर ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने अब तक के सफर को याद किया और बताया कि फिल्मों में जगह बनाने की कोशिश के दौरान उन्हें किस तरह की चुनौतियों और बिना मांगी सलाह का सामना करना पड़ा। सैयामी ने बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब वह नासिक की एक शांत लड़की थीं, जिसे फिल्मों की दुनिया के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। खुद को साबित करने का मौका मिलने से पहले ही कई लोगों ने उन्हें जज कर लिया था।

सैयामी खेर ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, ''जब मैं पहली बार फिल्म के सेट पर पहुंची थी, तब मेरी उम्र 20 साल के आसपास थी। बीते 10 साल मेरी जिंदगी के सबसे बड़े बदलाव लाने वाले अनुभवों से भरे रहे हैं। उस समय मैं नासिक से आई एक इंट्रोवर्ट लड़की थी, जो फिल्मों की दुनिया से अनजान थी। इसके बावजूद मुझे शुरुआत में ही यह मानकर रिजेक्ट कर दिया गया कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं।'' सैयामी ने कहा, ''मुझे यहां तक कहा गया कि मैं 'गांव की लड़की' जैसी लगती हूं और मुझमें एक्ट्रेस बनने की काबिलियत नहीं है। इतना ही नहीं, मुझे इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए ऐसी सलाह भी दी गई, जिसे सुनना मेरे लिए आसान नहीं था। कुछ लोगों ने सलाह दी कि किसी एक्टर या डायरेक्टर को डेट कर लो, क्योंकि इंडस्ट्री में एंट्री का यह आसान रास्ता है। इसके अलावा मुझे कॉस्मेटिक सर्जरी कराने और लिप जॉब करवाने की सलाह तक दी गई।'' सैयामी ने आगे कहा, ''मेरी परवरिश और माता-पिता से मिले आत्मविश्वास ने मुझे ऐसी बातों से टूटने नहीं दिया। कई बार मुझे इस तरह की बातें सुनकर गुस्सा आने के बजाय हंसी आ जाती थी। मेरे सामने ऐसे कई लोग आए, जिनके पास मुझे देने के लिए मुफ्त की सलाह थी, जबकि दूसरी तरफ मुझे लगभग हर दिन रिजेक्शन का सामना करना पड़ता था। मेरे करियर में बड़ा मोड़ तब आया, जब एक दिन मुझे अदूर मुखर्जी का फोन आया। उन्होंने कहा कि दिलीप शंकर मेरा टेस्ट लेंगे। मेरे लिए यह मौका बाकी मौकों से अलग था।'' सैयामी ने बताया, ''मैंने दिलीप शंकर और आदिल हुसैन के साथ करीब तीन महीने तक वर्कशॉप की। ये तीन महीने मेरी जिंदगी बदलने वाले साबित हुए। इस दौरान मुझे खुद बने रहने, अपने काम में सच्चाई और ईमानदारी रखने और खुद पर भरोसा करने की सीख मिली। इसके करीब छह महीने बाद मुझे राकेश ओमप्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्ज़्या' के लिए फाइनल कर लिया गया।''



# राधिका सरथकुमार की 'डिलीवरी बॉय' 23 अक्टूबर को होगी रिलीज



निर्देशक नानी की आगामी एक्शन-एंटरटेनर फिल्म 'डिलीवरी बॉय' के निर्माताओं ने घोषणा की कि अभिनेता लियो शिवकुमार, ब्रिगिडा और राधिका सरथकुमार अभिनीत यह फिल्म 23 अक्टूबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। लोकप्रिय म्यूजिक लेबल सारेगामा तमिल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फिल्म का रिलीज डेट पोस्टर साझा किया। पोस्ट में लिखा गया, 'प्यार, संगीत और भावनाओं से भरपूर बड़े पर्दे के अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। 'डिलीवरी बॉय' 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।' गौरतलब है कि फिल्म की शूटिंग पिछले साल दिसंबर में पूरी हो गई थी। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार, चेन्नई और कोयंबटूर में पूरी तरह फिल्माई गई इस फिल्म की शूटिंग केवल 42 दिनों में पूरी कर ली गई थी। निर्माण कंपनी असासी क्रिएशंस के प्रचारकों ने उस समय एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था, ''डिलीवरी बॉय' की शूटिंग पूरी हो गई है। जल्द ही सिनेमाघरों में आ रही है।

## साइको-हॉरर में जैकी श्रॉफ को मिलेगा शरद केलकर का साथ



**बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ और शरद केलकर जल्द ही रूरल हॉरर फिल्म 'काली खेती' में नजर आने वाले हैं। मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर भी जारी किया है। इस प्रोजेक्ट में अभिनेत्री नेहा सरगम अहम भूमिका में होंगी।**

मेकर्स ने अपकमिंग फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है। इसमें एक राक्षस ने अपने हाथ में लालटेन पकड़ी है। पोस्टर काफी डार्क और डरावना लग रहा है। पोस्ट के बैकग्राउंड में जो म्यूजिक है वह भी काफी रोमांचक लग रहा है। पोस्टर के ऊपर लिखा है 'सिनेमाघरों में 23 अक्तूबर को रिलीज होगी।' पोस्टर को शेयर करते हुए जैकी श्रॉफ ने कैप्शन में लिखा, 'रोशनी बुझने न देना, खेती जागने वाली है।'

फिल्म के निर्देशक और लेखक हारिस इम्तियाज खान हैं। इसे ब्लैक कैनवस स्टूडियो के बैनर तले बनाया जा रहा है। सना खान इसकी निर्माता हैं। इसमें वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी भी अहम भूमिकाओं में होंगे। अक्तूबर में कई बड़ी फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें 'दृश्यम 3', आयुष्मान की 'उड़ता तीर', रश्मिका-विजय की 'रणबाली', यामी की 'नई नवेली' और 'पहला प्यार दूसरी बार' शामिल हैं। 'काली खेती' का टकराव 'पहला प्यार दूसरी बार' से होने वाला है। यह फिल्म भी 23 अक्तूबर को रिलीज हो रही है।



# मेरे अंदर का एक्टर बहुत आसानी से ऑन और ऑफ हो जाता है

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री का कहना है कि वह अपने द्वारा निभाए गए किरदारों के प्रभावों को निजी जिंदगी पर हावी नहीं होने देती हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि उनके अंदर का एक्टर बहुत आसानी से ऑन और ऑफ हो जाता है। अभिनेत्री ने बताया, ''कट' शब्द सुनते ही मैं बिल्कुल नॉर्मल हो जाती हूं। सच कहूं, तो मैं एक सेकंड के लिए भी किसी इमोशन को अपने साथ लेकर नहीं चलती हूं। हालांकि, इस पर लोग मेरा मजाक भी बनाते हैं कि अभी तक मैं रो रही थी, चीख रही थी और जैसे ही 'कट' बोला गया, मैं नॉर्मल हो गई, हंसने लगी। कई बार ऐसा हुआ है कि लोग मुझे मेरी ही नकल करके दिखाते और पूछते हैं कि 'तुम ये कैसे कर लेती हो?' मुझे नहीं पता, क्योंकि मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती।' अभिनेत्री का कहना है कि वे एक्टिंग करने के दौरान अपने किरदार में इतनी लीन हो जाती हैं कि वह उसी तरह एक्ट करती हैं और जैसे ही कट होता है, वह नॉर्मल हो जाती हैं। उन्होंने कहा, 'एक्टिंग के दौरान भले ही मैं कितना भी महसूस करूं, लेकिन मेरे आंसू असली होते हैं, इमोशन और फिजिकल मेहनत असली होती है और जैसे ही 'कट' बोला जाता है, मैं सोचती हूं 'ओह, कट हो गया। अब मेरा कोई काम नहीं है'। तो मैं सच में स्विच ऑफ हो जाती हूं। भगवान का शुक्र है कि ऐसा है, क्योंकि मैं बहुत थक जाती। आजकल मैं कई भारी-भरकम किरदार निभा रही हूं।

अगर उन किरदारों का हैंगओवर मुझ पर रहता, तो मैं एक कलाकार के तौर पर और एक इंसान के तौर पर भी थक जाती और मैं यह एक काम सिर्फ इसलिए नहीं कर सकती क्योंकि मैं किसी फिल्म या शो में कोई रोल कर रही हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं उस इमोशन को अपने पूरे दिन नहीं रख सकती और सारा समय बर्बाद नहीं कर सकती। उस सेट के बाहर भी मेरी एक जिंदगी है और मुझे उसे भी जीना है।

# फ्लाइट के अंदर से CJP फाउंडर अभिजीत दीपके हिरासत में, ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली पहुंचे थे

## मुंबई से दिल्ली पहुंची फ्लाइट में महिला पुलिसकर्मियों ने की कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** करोंच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को मुंबई से दिल्ली पहुंची फ्लाइट के अंदर से ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उनके साथ पार्टी के नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को भी पुलिस अपने साथ ले गई। तीनों मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। इस कार्रवाई का करीब दो मिनट का वीडियो सामने आया है। इसमें महिला पुलिसकर्मी फ्लाइट के अंदर दीपके और उनके साथ मौजूद नेताओं को बाहर ले जाने की कोशिश करती दिखाई दे रही हैं। वीडियो में दीपके पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे तानाशाही बताते हैं और कहते हैं कि वे गिरफ्तारी से डरते नहीं हैं। वीडियो में दीपके कहते सुनाई देते हैं, 'आप देख सकते हैं कि देश किस दिशा में जा रहा है। हमें फ्लाइट में ही हिरासत में लिया जा रहा है। ऐसा तो कभी इंदिरा गांधी ने भी नहीं किया था। यह तानाशाही है, लेकिन हम इनसे डरते नहीं हैं।' इसके बाद वे पुलिसकर्मियों की ओर इशारा करते हुए कहते हैं कि वे गिरफ्तारी के लिए तैयार होकर आए हैं और उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाए। इस पर एक महिला पुलिसकर्मी जवाब देती हैं कि यह गिरफ्तारी नहीं है और उनसे सहयोग करने का अनुरोध करती हैं। इसी दौरान दीपके और फ्लाइट में बैठे उनके साथियों ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। दीपके ने 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। वीडियो में महिला पुलिसकर्मी फ्लाइट के भीतर आगे खड़ी दिखाई देती हैं। दीपके उनसे सवाल करते हैं कि वे फ्लाइट के अंदर कैसे पहुंच गईं। दूसरी ओर, पुलिसकर्मी लगातार उनसे बाहर आने का अनुरोध करती रहती हैं। आशुतोष रांका और दीपके ने पुरुष पुलिसकर्मियों को आगे करने की मांग भी की। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों ने पहले आशुतोष रांका और सौरव दास को बाहर ले जाने की कार्रवाई की। फिर दीपके को भी फ्लाइट से बाहर ले जाने की कोशिश की गई। इस दौरान दीपके हाथ जोड़कर अपना फोन और बैग लेने की बात कहते सुनाई देते हैं। वे दोहराते हैं कि वे गिरफ्तारी के लिए ही आए हैं। फ्लाइट से बाहर ले जाते समय दीपके ने जेल और संभावित कानूनी कार्रवाई को लेकर भी टिप्पणी की। वीडियो में वे कहते सुनाई देते हैं, 'कौन-सी जेल में डालोगे? राजस्थान की? लगाना है लगाओ। 'ठु फिलहाल सामने आए वीडियो में हिरासत की कार्रवाई और नेताओं की पुलिस से हुई बातचीत दिखाई दे रही है। उपलब्ध जानकारी में पुलिस की ओर से कार्रवाई के कारणों और तीनों नेताओं की आगे की स्थिति को लेकर विस्तृत आधिकारिक बयान शामिल नहीं है।



## चिकन नेक को अभेद्य सैन्य गलियारा बनाने की तैयारी, 2029 तक सेना की पहुंच 18 घंटे से घटकर 3 घंटे होने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। जून 2017 में डोकलाम विवाद के बाद इस रणनीतिक क्षेत्र और सिक्किम में सड़क, रेल संपर्क तथा सैन्य बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की योजनाओं पर काम तेज हुआ। उपलब्ध विवरण के अनुसार, प्रस्तावित परियोजनाओं का लक्ष्य वर्ष 2029 तक सैन्य आवाजाही को अधिक तेज और सुरक्षित बनाना है। हालांकि, सैन्य पहुंच का समय 12 से 18 घंटे से घटकर तीन घंटे होने तथा सभी परियोजनाओं की समयसीमा की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। इन योजनाओं में पश्चिम बंगाल में करीब 36 किलोमीटर लंबी रेल सुरंग का प्रस्ताव प्रमुख बताया गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के एक मसौदे का हवाला देते हुए बताया गया है कि सुरंग उत्तर दिनाजपुर जिले के तीन माइल हाट से सिलीगुड़ी के पास रांगापानी तक बनाई जा सकती है। इस परियोजना का उद्देश्य रेल संपर्क को अधिक सुरक्षित और भरोसेमंद बनाना है। भूमिगत रेल मार्ग होने से कुछ परिस्थितियों में सतह पर मौजूद बुनियादी ढांचे की तुलना में हवाई हमलों और ड्रोन से होने वाले नुकसान का जोखिम कम हो सकता है। युद्ध या आपात स्थिति में इस तरह का संपर्क सैनिकों, उपकरणों और जरूरी सामग्री की आवाजाही में मददगार हो सकता है। हालांकि, सुरंग की अंतिम रूपरेखा, निर्माण की स्थिति और परिचालन समयसीमा की आधिकारिक पुष्टि जरूरी है।




## पटना में प्रदर्शन को लेकर अलर्ट, 3 छात्र नेता हिरासत में दिल्ली से बिहार आने वाली 5 ट्रेनें रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** संभावित मार्च और प्रदर्शन को लेकर पटना में प्रशासन अलर्ट मोड पर है। गांधी मैदान में रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों की तैनाती की गई है। जेपी गोलंबर पर CRPF और बिहार पुलिस के जवान तैनात हैं। डाकबंगला चौरोहे पर लोहे की शील्ड से बैरिकेडिंग की गई है।ह ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गेनाइजेशन की ओर से पटना कॉलेज के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शन से पहले ही पुलिस ने तीन छात्र नेताओं को हिरासत में ले लिया। इसमें प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार, राज्य सचिव पवन कुमार और संगठन के सदस्य राज शामिल हैं। रेलवे ने कई ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। इसका असर बिहार आने वाली ट्रेनों पर भी पड़ा है। संपूर्ण क्रांति, तेजस राजधानी, मगध एक्सप्रेस और अमृत भारत समेत 5 ट्रेनें शनिवार को दिल्ली से नहीं खुलेंगी। पूर्व मध्य रेल के सीपीआरओ सरस्वती चंद्र ने बताया कि शनिवार को अप में राजेंद्रनगर से दिल्ली के लिए खुलने वाली कोई ट्रेन रद्द नहीं है। दिल्ली जाने वाली संपूर्ण क्रांति समेत 4 ट्रेनें शुक्रवार को कैंसिल थी। इसके चलते शनिवार को ये दिल्ली से नहीं चलेंगी।



## CJP प्रदर्शन पर बॉलीवुड में नाराजगीः प्रकाश राज बोले- देश लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

**नई दिल्ली।** दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को लेकर बॉलीवुड की कई हस्तियों ने प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता प्रकाश राज, फिल्ममेकर अनुराग कश्यप, गायक विशाल ददलानी और अभिनेत्री ऋचा ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने की कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर की है। सोशल मीडिया पर इस मामले को लेकर प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। अभिनेता प्रकाश राज ने वीडियो जारी कर कहा कि युवाओं को फ्लाइट और घरों से हिरासत में लेकर प्रदर्शन स्थल तक पहुंचने से रोका जा रहा है। उन्होंने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे आवाजों को दबाया नहीं जा सकता। प्रकाश राज के मुताबिक, लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है और विरोध की आवाजों को रोकने की कोशिश सफल नहीं होगी। प्रकाश राज ने अपने वीडियो में कहा, 'हैलो फ्रेंड्स, ये क्या हंगामा है। यंगस्टर्स और युवाओं को फ्लाइट और घरों से अरेस्ट कर उन्हें प्रोटेस्ट साइट तक नहीं पहुंचने दिया जा रहा। आप डरे हुए हैं ना। पुलिस और आर्मी से आप हमें या हमारी आवाज को नहीं कैद कर रहे हैं, आप खुद कैद हैं, आप खुद को डर से कैद कर रहे हैं। क्योंकि आपके खिलाफ आवाजें उठ रही हैं।



## कई राज्यों में बारिश-बाढ़ का कहरःलखनऊ में 40 हजार घर जलमग्न, 3 लाख लोग प्रभावित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** देश के कई राज्यों में बारिश और बाढ़ से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। केरल से लेकर उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार तक तेज बारिश, आंधी, ओलावृष्टि और नदियों के कटाव से जनजीवन प्रभावित हुआ है। कहीं तेज बहाव में वाहन बह गए, तो कहीं बाढ़ के पानी ने घरों और गांवों को अपनी चपेट में ले लिया है। केरल के कन्नूर जिले में शुक्रवार को आंधी और बारिश के दौरान वायथुर यूपी स्कूल की करीब 15 साल पुरानी भारी छत उखड़कर पीछे की इमारत पर जा गिरी। छत की चपेट में आने से नीचे खड़ी तीन कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में शुक्रवार को रुक-रुककर बारिश हुई। छह जिलों में बड़े-बड़े ओले गिरे। पौड़ी गढ़वाल जिले के कोटद्वार में तेज बारिश के कारण सड़कों पर खड़ी स्कूटी, बाइक समेत कई वाहन पानी के तेज बहाव में बह गए। वहीं, हरिद्वार में ओलावृष्टि से कई गाड़ियों के शीशे टूट गए। उत्तर प्रदेश में बाढ़ के कारण हालात गंभीर बने हुए हैं। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर लगातार 12वें दिन बढ़ने की जानकारी सामने आई है। यहां 40 हजार से ज्यादा घर आधे से अधिक पानी में डूब चुके हैं, जबकि तीन लाख से अधिक लोग प्रभावित बताए जा रहे हैं। फैजुल्लागंज की गलियों में पानी भरने से आवागमन प्रभावित है और सड़कों पर नावें चल रही हैं। गोंडा जिले के आठ गांवों में बाढ़ का पानी घुसने से सात हजार से अधिक लोगों के फंसे होने की जानकारी है। वहीं, लखीमपुर खीरी में शारदा नदी के कटाव ने भारी नुकसान पहुंचाया है। कटाव के कारण 13 घर और चार मंदिर नदी में समा गए हैं। बिहार के छह जिलों में शनिवार सुबह से बारिश होने की खबर है। पांच जिलों में आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी होने की जानकारी दी गई है। इससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। भागलपुर जिले के नवगछिया क्षेत्र में शुक्रवार को गंगा नदी के कटाव से राघोपुर के पास कई घर नदी में समा गए। लगातार बारिश, नदियों के बढ़ते जलस्तर और कटाव के कारण कई क्षेत्रों में लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में आवागमन बाधित होने के साथ घरों और संपत्तियों को नुकसान पहुंच रहा है।




# चुनावी प्रक्रिया के समर्थन में उतरे 124 पूर्व नौकरशाह, बोले- बिना सबूत 'धांधली' के आरोप लोकतंत्र पर भरोसा कमजोर करते हैं

### पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल समेत पूर्व राजदूतों और रिटायर्ड आईएएस अधिकारियों ने जनता के नाम लिखा पत्र; पुराने दौर की बूथ कैप्चरिंग और फर्जी मतदान का किया उल्लेख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** देश की चुनावी प्रक्रिया के समर्थन में पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल समेत 124 पूर्व नौकरशाहों और पूर्व राजनयिकों ने देश की जनता के नाम एक पत्र लिखा है। इसमें चुनावों में कथित धांधली के आरोपों पर चिंता जताते हुए कहा गया है कि बिना सबूत ऐसे शब्दों का बार-बार इस्तेमाल करने से लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है। पत्र में पूर्व राजदूतों और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों ने कहा कि वे चुनावों को लेकर इस्तेमाल किए जा रहे 'धांधली' जैसे शब्दों के संदर्भ में अपनी बात रखना चाहते हैं। उनके मुताबिक, किसी भी चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने के लिए ठोस प्रमाण जरूरी हैं। बिना सबूत आरोप दोहराने से लोगों के मन में चुनावी व्यवस्था को लेकर संदेह पैदा हो सकता है।

### पुराने दौर की बूथ कैप्चरिंग का किया जिक्र

पत्र के एक हिस्से में पूर्व अधिकारियों ने कहा कि वे जानते हैं कि चुनावों में धांधली किस तरह होती थी, क्योंकि उन्होंने वह दौर देखा है, जब मतदान केंद्रों पर हिंसा, बाहुबल का इस्तेमाल और फर्जी मतदान जैसी घटनाएं सामने आती थीं। पत्र में लिखा गया है कि उस समय हथियार लेकर बूथों पर पहुंचना, बाहुबलियों के जरिए मतदाताओं को डराना, फर्जी वोट डालना, मतपेटियां चुरा लेना और लोगों को मतदान से रोकना जैसी घटनाएं होती थीं। पूर्व अधिकारियों ने कहा कि बूथ कैप्चरिंग इतनी गंभीर समस्या बन गई थी कि संसद ने वर्ष 1989 में इसे अपराध घोषित करने के लिए कानून में प्रावधान किया।

### चुनावी व्यवस्था पर भरोसा बनाए रखने की अपील

पूर्व अधिकारियों के पत्र का मुख्य संदेश चुनावी प्रक्रिया पर लगाए जाने वाले आरोपों और उनके समर्थन में प्रस्तुत किए जाने वाले सबूतों के बीच अंतर को रेखांकित करना है। उनका कहना है कि लोकतंत्र में चुनावों पर सवाल उठाने और उनकी आलोचना करने का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन ऐसे आरोप तथ्यों और प्रमाणों पर आधारित होने चाहिए। पत्र में चुनावी व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को लोकतंत्र की मजबूती से जोड़ते हुए कहा गया है कि बिना प्रमाण धांधली के आरोपों को बार-बार दोहराना इस विश्वास को प्रभावित कर सकता है। पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल समेत 124 पूर्व अधिकारियों की ओर से लिखा गया यह पत्र ऐसे समय सामने आया है, जब देश में चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर सार्वजनिक बहस जारी है। पत्र में पुराने चुनावों के अनुभवों का हवाला देकर मौजूदा चुनावी व्यवस्था पर चर्चा करते समय प्रमाणों और तथ्यों के महत्व पर जोर दिया गया है।



### बिना सबूत 'धांधली' के आरोपों पर सवाल

**124 पूर्व नौकरशाहों ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया पर बेबुनियाद आरोप लोकतंत्र में जनता का भरोसा कमजोर कर सकते हैं। पत्र में बूथ कैप्चरिंग, फर्जी मतदान और मतदाताओं को वोट डालने से रोकने जैसी पुरानी घटनाओं का भी उल्लेख किया गया**

## कंगना ने कमल हासन के बयान का किया समर्थन, मस्क पर कसा तंज–स्टारलिंक लाइसेंस विवाद में बढ़ी जुबानी जंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** भारत में एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को लाइसेंस मिलने में देरी का मुद्दा अब राजनीतिक बहस का रूप लेता जा रहा है। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनोट ने अभिनेता और राज्यसभा सांसद कमल हासन के बयान का समर्थन करते हुए मस्क पर तंज कसा है। कंगना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हासन की टिप्पणी की तारीफ की और इसे तीखा, सटीक और व्यंग्यात्मक बताया। कमल हासन ने स्टारलिंक को लेकर चल रही बहस के बीच कहा था कि भारत किसी का गुलाम नहीं है और देश की नीतियां कोई अरबपति नहीं, बल्कि जनता तय करेगी। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना ने लिखा, 'ओह!! यह तो चुभ गया होगा। बहुत अच्छी बात कही और इसे अच्छी तरह समझाया। तीखा, सटीक और व्यंग्यात्मक। ' स्टारलिंक के संस्थापक एलन मस्क ने भारत में सेवा शुरू करने की मंजूरी मिलने में देरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि स्टारलिंक को दुनिया के 165 से अधिक देशों में सेवा देने की मंजूरी मिल चुकी है और कंपनी पिछले पांच साल से भारत सरकार के कानूनों तथा जरूरी शर्तों का पालन कर रही है।



## कहीं 21 पत्नियों वाला भिखारी, कहीं गरबा के लिए विटामिन ड्रिप; अंतरिक्ष में भेजी जाएगी व्हिस्की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** दुनिया में ऐसी कई घटनाएं होती हैं, जो अपनी अनोखी वजहों से लोगों का ध्यान खींचती हैं। बांग्लादेश में 21 पत्नियों वाले एक भिखारी की चर्चा है, तो गुजरात के अहमदाबाद में गरबा खेलने के लिए विटामिन ड्रिप लेने की खबर सामने आई है। वहीं, अमेरिका में सीवर की सफाई के दौरान करीब 60 साल पहले खोई अंगूठी मिली। दूसरी ओर, भारतीय मूल के तीन साल के बच्चे ने किताब प्रकाशित कर विश्व रिकॉर्ड बनाया, जबकि वैज्ञानिक व्हिस्की की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया का अध्ययन करने के लिए उसे अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहे हैं। बांग्लादेश से जुड़ी एक खबर में दावा किया गया है कि एक भिखारी की 21 पत्नियां हैं। बताया जाता है कि वह रोजाना अलग-अलग पत्नी के साथ भीख मांगने निकलता है। इस अनोखे दावे ने लोगों के बीच उत्सुकता पैदा कर दी है। हालांकि, इस खबर की स्वतंत्र पुष्टि के लिए अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध नहीं है। गुजरात के अहमदाबाद में नवरात्रि के दौरान गरबा खेलने के लिए ऊर्जा बनाए रखने के उद्देश्य से कुछ लोगों द्वारा विटामिन ड्रिप लेने की खबर सामने आई है। लगातार कई घंटों तक गरबा खेलने के कारण लोग थकान से बचने के तरीके तलाश रहे हैं। हालांकि, बिना चिकित्सकीय सलाह के विटामिन ड्रिप लेना उचित नहीं है। इसकी जरूरत और सुरक्षा का फैसला डॉक्टर की सलाह से ही किया जाना चाहिए। - अमेरिका में सीवर की सफाई के दौरान एक ऐसी अंगूठी मिली, जो करीब 60 साल पहले खो गई थी। इतने लंबे समय बाद अंगूठी मिलने की घटना ने लोगों का ध्यान खींचा है। हालांकि, अंगूठी किसकी थी और उसे उसके मालिक तक पहुंचाया गया या नहीं, इसकी जानकारी उपलब्ध विवरण में नहीं है। भारतीय मूल के तीन साल के एक बच्चे ने किताब प्रकाशित कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है। इतनी कम उम्र में किताब प्रकाशित करने की उपलब्धि ने लोगों को हैरान किया है।




# रेखा की जिंदगी के 5 दर्दनाक अध्यायः पिता ने स्कूल में भी नहीं पहचाना, पति की मौत के बाद लगे गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** रेखा की जिंदगी पर्दे पर दिखने वाली चमक-दमक से कहीं ज्यादा जटिल रही है। बचपन में पिता का साथ नहीं मिला, परिवार की आर्थिक मजबूरियों के बीच कम उम्र में फिल्मों में कदम रखना पड़ा और सफलता मिलने के बाद भी उनकी निजी जिंदगी हमेशा चर्चाओं में रही। कथित रिश्तों से लेकर पति मुकेश अग्रवाल की आत्महत्या के बाद उठे सवालों तक, रेखा ने कई ऐसे दौर देखे, जिन्होंने उनकी जिंदगी को प्रभावित किया। इन सबके बावजूद उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई, जो आज भी कायम है। उनके जन्मदिन पर उनकी जिंदगी के पांच ऐसे अध्याय, जिन्होंने उनकी शख्सियत को आकार दिया। रेखा का जन्म 10 अक्टूबर 1954 को तमिल सिनेमा के अभिनेता जैमिनी गणेशन और अभिनेत्री पुष्पवल्ली के घर हुआ था। हालांकि, उनके बचपन में पिता की मौजूदगी नहीं रही। रेखा ने सिमी गरेवाल के कार्यक्रम 'रेंडेवू विद सिमी गरेवाल' में अपने बचपन और पिता के साथ रिश्ते को लेकर कई बातें साझा की थीं। रेखा के मुताबिक, जब वह बहुत छोटी थीं, तभी उनके पिता उनकी जिंदगी से दूर हो गए थे। उन्हें याद नहीं था कि उनके पिता कभी उनके साथ घर में रहे हों। उन्होंने अपने माता-पिता के रिश्ते को रोमांटिक बताया था और कहा था कि उनकी मां जैमिनी गणेशन के प्यार में बेहद डूबी हुई थीं। रेखा के बचपन की एक याद खास तौर पर भावुक कर देने वाली है। उनके कई सौतेले भाई-बहन उसी स्कूल में पढ़ते थे, जहां वह जाती थीं। जैमिनी गणेशन कभी-कभी अपने दूसरे बच्चों को स्कूल छोड़ने आते थे। रेखा उन्हें दूर से देखकर सोचती थीं कि ये उनके पिता हैं। लेकिन उनके अनुसार, पिता ने उन्हें नोटिस तक नहीं किया। उन्हें उनसे मिलने का अवसर भी नहीं मिला। रेखा ने बताया था कि उस उम्र में उन्हें पिता की कमी का अहसास पूरी तरह नहीं था। वह अपना ध्यान होमवर्क और दूसरी छोटी-छोटी बातों में लगाए रखती थीं। बड़ी होने पर उन्हें समझ आया कि पिता के साथ रिश्ता कैसा होता है और उनकी जिंदगी में इस रिश्ते की कमी क्या मायने रखती थी। उन्होंने कहा था कि जब किसी चीज का अनुभव ही न हुआ हो, तो उसके अभाव को समझना भी आसान नहीं होता। रेखा की मां पुष्पवल्ली फिल्मों में काम करती थीं और शूटिंग के सिलसिले में अक्सर बाहर रहती थीं। ऐसे में रेखा के बचपन का बड़ा हिस्सा नानी और मौसी के साथ बीता। उनके पास ऐसा स्थायी पुरुष रोल मॉडल भी नहीं था, जिससे वह पिता-पुत्री के रिश्ते को समझ पातीं। परिवार की परिस्थितियों ने उन्हें कम उम्र में ही भावनात्मक रूप से मजबूत होना सिखाया। रेखा का फिल्मी सफर केवल अभिनय के प्रति आकर्षण का परिणाम नहीं था। परिवार की आर्थिक परिस्थितियों के कारण उन्हें कम उम्र में ही फिल्मों में काम करना पड़ा। जिस उम्र में दूसरे बच्चे पढ़ाई और खेलकूद में व्यस्त रहते हैं, उस समय रेखा कामकाजी दुनिया का हिस्सा बन गई थीं। शुरुआती दौर में उन्हें अपने रूप-रंग और अभिनय को लेकर आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने धीरे-धीरे अपनी जगह बनाई। विनोद मेहरा के साथ कथित शादी और अमिताभ बच्चन के साथ रिश्ते की चर्चाओं ने उनकी निजी जिंदगी को सुर्खियों में रखा।



# सोपोर पुलिस के खुफिया इनपुट पर चला तलाशी अभियान, एके-47, एके-76, चार पिस्तौल और ग्रेनेड लॉन्चर भी मिले; यूएपीए के तहत मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सोपोर क्षेत्र के मुकाम चेहरहार जंगल में तलाशी अभियान के दौरान हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, सोपोर पुलिस से मिले विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। तलाशी के दौरान एक बड़े पत्थर के नीचे छिपाकर रखा गया नीले रंग का ड्रम और एक बैग मिला। संदिग्ध विस्फोटक सामग्री की जांच और सुरक्षित निस्तारण के लिए बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। पुलिस के मुताबिक, बरामद हथियारों में एक एके-47 और एक एके-76 असॉल्ट राइफल शामिल हैं। इनके साथ सात मैगजीन और गोला-बारूद भी मिला है। इसके अलावा चार पिस्तौल, चार मैगजीन और उनके कारतूस बरामद किए गए। तलाशी में एक मल्टी-ग्रेनेड लॉन्चर और उसके पांच राउंड भी मिले हैं। मौके से 11 हैंड ग्रेनेड तथा रिमोट कंट्रोल से जुड़े तीन इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) भी बरामद किए गए।

### विस्फोटक बनाने की सामग्री भी मिली

पुलिस ने बताया कि बरामदगी में आठ डेटोनेटर, दो टाइमर, वाई-एसएमएस सेट, प्राइमा कॉर्ड, तार, बैटरी सेल और आईईडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण व पुर्जे भी शामिल हैं। बम निरोधक दस्ते ने विस्फोटक सामग्री को निष्क्रिय करने की कार्रवाई की। पूरी बरामदगी को आवश्यक सुरक्षा सावधानियों के साथ कानूनी प्रक्रिया के तहत कब्जे में लिया गया।



### आतंकी कनेक्शन की जांच जारी

इस मामले में पुलिस थाना बोमई में एफआईआर संख्या 66/2026 दर्ज की गई है। पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए की धाराओं 13, 18, 20 और 23 के साथ आर्म्स एक्ट की धारा 7/25 तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 5 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब बरामद हथियारों और विस्फोटक सामग्री के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि जखीरा किसने छिपाया था, इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था और क्या इसके तार किसी आतंकी नेटवर्क से जुड़े हैं। पुलिस के अनुसार, मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।



printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.